THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 246 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.13 2080 शनिवार, 25 नवंबर-2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वोट कार के लिए तेलंगाना के लिए वोट

वोट कार के लिए तेलंगाना के लिए वोट

हिंसा का इतिहास

तबाही की एक लंबी विरासत

[redacted] के शासन में दंगे जिन्होंने भारत को झकझोर कर रख दिया

सार्वजनिक नीति अनुसंधान केंद्र, दिल्ली

वर्ष	जगह	जिंदगियाँ खो गई
1969	अहमदाबाद	512
1970	जलगाँव	100
1980	मुरादाबाद	1500
1984	भिवंडी	146
1984	दिल्ली	2733
1985	अहमदाबाद	300
1989	भागलपुर	1161
1990	हैदराबाद	365
1992	सुरत	152
1993	मुंबई	872

हैदराबाद में 8 दिसंबर, 1990 को 200 से अधिक मौतें

3 नवम्बर, 2008 | हिंदुस्तान टाइम्स

1990 का दंगा – जिसमें 200 से अधिक लोग मारे गए थे – हैदराबाद के इतिहास में सबसे भयानक था. आधे से ज्यादा पीड़ित हिंदू थे.

तेलंगाना आंदोलन में लोगों की मौत पर दुखः [redacted] ने माफ़ी माँगी

16 नवंबर 2023 | न्यूज़टैप

आदिलाबाद सांप्रदायिक हिंसा में छह लोग जिंदा जल गये

12 अक्टूबर, 2008 | इंडिया टुडे

आदिलाबाद जिले में रविवार तड़के ताजा सांप्रदायिक दंगे में तीन बच्चों समेत एक ही परिवार के छह सदस्यों को जिंदा जला दिया गया. अज्ञात लोगों ने एक घर में आग लगा दी, जिससे सभी छह लोगों की मौत हो गई. यह हमला भैंसा शहर के पास वटोली गाँव में हुआ, जहाँ शुक्रवार को सांप्रदायिक हिंसा में चार लोग मारे गए थे.

हैदराबाद हिंसा में 28 लोग घायल

28 मार्च 2010 | हिन्दू

सरकारी आँकड़ों के अनुसार, [redacted] शासित राज्यों में सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएँ अधिक

9 फरवरी, 2014 | इंडिया टुडे

सांप्रदायिक अशांति के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित है ... की गई ऐसी सभी घटनाओं में से लगभग 35 प्रतिशत घटनाएँ उत्तरी राज्य में हुई.

ओयू परिसर में 450 से अधिक आंसू-गैस के गोले दागे गए

27 फरवरी, 2014 | हिन्दू

शहर में तेलंगाना आंदोलन की सीट, परिसर में चार साल की अवधि के दौरान कई विरोध प्रदर्शन हुए, पुलिस ने आईपीसी के विभिन्न प्रावधानों के तहत 250 मामले दर्ज किए

यह हम ना भूलें.
और आइए
उसे माफ न करें.
सोच-समझकर
वोट करें.

याद रखें, यह [redacted] ही थी जिसने नक्सलियों के खिलाफ भारत की लड़ाई में गड़बड़ी की थी

3 सितम्बर, 2018 | द प्रिन्ट

पुलिस ने 400 तेलंगाना आंदोलनकारियों पर गोलियाँ चलाईं

4 मार्च, 1969 | द इंडियन एक्सप्रेस

तेलंगाना में विरोध प्रदर्शन हिंसक हुआ. पुलिस ने लगभग 400 तेलंगाना आंदोलनकारियों को तितर-बितर करने के लिए चार बार गोलियाँ चलाईं, आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया.

वोट कार के लिए तेलंगाना के लिए वोट

भारत राष्ट्र समिति

केसीआर भरोसा

- सौभाग्य लक्ष्मी: ₹3,000 प्रति माह गरीब महिलाओं के लिए
- आसरा पेंशन: ₹5,016 प्रति माह बढ़ाया जाना है
- गैस सिलिन्डर: ₹400 वंचितों के लिए सब्सिडी युक्त
- अन्नपूर्णा योजना: सन्ना बियम सफेद राशन कार्ड धारकों के लिए
- रैतु बंधु: ₹16,000 प्रति एकड़ प्रति वर्ष तक बढ़ाया जाना है
- केसीआर आरोग्य रक्षा: स्वास्थ्य बीमा ₹15 लाख तक बढ़ाया जाएगा

जम्मू: उत्तरी सेना प्रमुख बोले- राजोरी-पुंछ में 20 से 25 आतंकी सक्रिय

दहशतगर्दों में रिटायर्ड पाक सैनिक भी

जम्मू, 24 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तरी सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शुक्रवार को कहा कि सीमा पार से भारत में आए कुछ आतंकवादी सेवानिवृत्त पाकिस्तानी सैनिक भी हैं। उनके अनुमान के मुताबिक, राजोरी और पुंछ के साथ लगते इलाकों में अभी भी 20 से 25 आतंकवादी सक्रिय हो सकते हैं। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी जम्मू में राजोरी मुठभेड़ के बलिदानियों को पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने ये बातें कहीं। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने कहा, 'हमने मुठभेड़ में अपने पांच बहादुर सैनिकों को खो दिया, लेकिन दो खूंखार आतंकवादियों को भी मार गिराया है। हमारे जवानों ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।' दो खूंखार आतंकवादियों के मारे जाने से आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र और पाकिस्तान को एक बड़ा झटका लगा है। दोनों आतंकवादी ढांगरी, कंडी और राजोरी में निर्दोष नागरिकों की हत्या में शामिल थे। उनका खात्मा ऑपरेशन में शामिल संयुक्त बल टीम के लिए प्राथमिकता थी'। उत्तरी कमान प्रमुख ने कहा कि आतंकियों ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान सहित कई देशों में प्रशिक्षण प्राप्त किया होगा। वे बहुत अच्छी तरह से प्रशिक्षित थे। यही कारण है कि हमें उन्हें खत्म करने में कुछ समय लगा। हमारे जवान साहस के साथ लड़े। लांस नायक संजय बिष्ट ने उन्हें सात दिनों के भीतर खत्म करने का वादा किया था। बेंगलुरु में कैप्टन एमवी प्रांजल के पिता ने जिस तरह बताया कि परिवार उनसे आतंकियों के खात्मे की खबर सुनने का इंतजार कर रहा था।

इसके बजाय उन्हें अपने बेटे की वीरगति को प्राप्त करने की खबर मिली। उनकी ये बातें हमारे सैनिकों को सभी बाधाओं के बावजूद अपने मुख्य कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने कहा कि चूंकि राजोरी और पुंछ राजमार्ग के माध्यम से देश के बाकी हिस्सों से जुड़ा हुआ है इसलिए वहां अधिक आतंकवादियों के छिपे होने की बहुत अधिक संभावना है। उत्तरी कमान प्रमुख ने कहा कि पिछले साल इन क्षेत्रों में आतंकवादी घटनाओं में 10 नागरिकों की जान चली गई। हमें स्थानीय स्रोतों से कुछ आतंकवादी ठिकानों के बारे में जानकारी मिली।

वे ढांगरी हमले में भी शामिल थे। साथ ही एलओसी पार करके देश में दाखिल हुए कुछ आतंकवादियों की पहचान सेवानिवृत्त पाकिस्तानी सैनिकों के रूप में हुई है। राजोरी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा के एक टॉप कमांडर 'कारी' समेत दो को मार गिराया है। कारी बहु प्रशिक्षित होने के साथ ही स्नाइपर भी था। सेना ने आगे बताया कि मुठभेड़ स्थल से बड़ी मात्रा में हथियार बरामद हुए हैं। माना जाता है कि कारी ने कई हमलों को अंजाम दिया था, जिसमें ढांगरी दोहरा आतंकी हमला भी शामिल था।

ओडिशा सरकार ने बांग्लादेश को भेजे दो मीट्रिक टन काजू

भुवनेश्वर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा सरकार ने बांग्लादेश को दो मीट्रिक टन काजू भेजे हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पाफ ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दो मीट्रिक टन प्रीमियम गुणवत्ता वाले काजू का निर्यात किया गया। अधिकारी ने बताया कि यह महत्वपूर्ण कदम न केवल दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करता है बल्कि ओडिशा में कृषि क्षेत्र के लिए नए मार्ग भी प्रशस्त करता है। एपीईडीए के चेयरमैन अभिषेक देव ने कृषि एवं किसान अधिकारिता के मुख्य सचिव अरबिंद पाधी, एमएसएमई के मुख्य सचिव स्वस्वत मिश्रा और राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में खेप को रवाना किया। पाफ ग्लोबल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सुब्रत घोष ने कहा, '' यह न केवल ओडिशा में काजू उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है,

'ममता बनर्जी के लिए तो दाऊद इब्राहिम भी गद्दार नहीं'

महुआ मोइत्रा का समर्थन करने पर बरसे निशिकांत दुबे

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को लेकर दिए बयान पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने हमला बोला है। ममता पर निशाना साधते हुए दुबे ने कहा कि उनके लिए तो दाऊद इब्राहिम भी गद्दार नहीं है।

ममता के लिए तो दाऊद इब्राहिम भी गद्दार नहीं

भाजपा नेता निशिकांत ने कहा कि ममता बनर्जी के सिद्धांत के अनुसार दाऊद इब्राहिम भी सही है, क्योंकि अगर वो उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से चुनाव लड़ता है तो मुझे लगता है कि 99 फीसद संभावना है कि वो चुनाव जीत जाएगा।

ममता ने महुआ के समर्थन में कही थी ये बात

दरअसल एक दिन पहले सीएम ममता ने कहा था कि वो अगले चुनाव में भी महुआ मोइत्रा को चुनाव लड़ाएंगी, क्योंकि इससे उन्हें फायदा ही होगा। उन्होंने कहा कि 2024 में भी महुआ चुनाव लड़ेंगी और भाजपा की एजेंसियों द्वारा फसाने की कोशिशें काम नहीं आएगी। निशिकांत ने कहा कि महुआ मोइत्रा ने सिर्फ दर्शन हीरानंदानी को लॉगिन क्रेडेंशियल प्रदान नहीं किया था, इसे कई स्थानों दिल्ली, बेंगलुरु, सैन फ्रांसिस्को से लॉग इन किया गया था। भाजपा नेता ने कहा कि यह एक बड़ी साजिश है। भाजपा नेता ने कटाक्ष करते हुए कहा कि आईएनडीआई गठबंधन का इतिहास है कि वे दाऊद इब्राहिम जैसे भ्रष्ट, देशद्रोही व्यक्तियों को पसंद करते हैं। बता दें कि टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से पैसे लेकर लोकसभा में सवाल पूछने के आरोप हैं। इसको लेकर उनके खिलाफ लोकसभा जांच समिति ने कार्रवाई करने की भी मांग की है।

मिलावटी लड्डू बेचना पड़ा महंगा

सिंगोड़ी के होटल संचालक को कोर्ट ने सुनाई छह माह कारावास की सजा

सिंगरौली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। घटिया स्तर का लड्डू बेचने वाले होटल संचालक को छह माह की सजा और भारी अर्थदंड से दंडित किया गया है। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी अभयदीप सिंह ठाकुर ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी मीना कुमरे ने गत 31 अगस्त 2017 को निरीक्षण के दौरान सिंगोडी स्थित साबरी स्वीट्स एवं रेस्टोरेंट में जांच की थी, इस दौरान दुकान में चाय, समोसे, जलेबी, मगज लड्डू मानत स्तर के नहीं होने के संदेह के आधार पर विश्लेषण के लिए नमूना लिया गया था और जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया था। जांच के दौरान रिपोर्ट में मगज के लड्डू अमानत स्तर के पाए गए थे, जिसके तहत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर संचालक के खिलाफ मामले को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। दिन तमाम साक्ष्यों, गवाहों के बयान सुनने के बाद दोष सिद्ध पाए जाने पर न्यायालय ने आरोपी रेस्टोरेंट संचालक 36 वर्षीय मुजीब पिता शेख अजीज साबरी को छह माह के कारावास और पचास हजार रुपए के अर्थदंड की सजा से दंडित किया है।

केरल-तमिलनाडु में भारी बॉरिश

आईएमडी ने जारी किया अलर्ट नीलगिरी में स्कूल बंद करने के आदेश

तिरुवनंतपुरम, 24 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु और केरल के कई जिलों में भारी बारिश हुई। इस बारिश की वजह से तमिलनाडु के कई जिलों में भूस्खलन भी देखने को मिला जिसके कारण यातायात में भी बाधा हुई। राज्य का पीडब्ल्यूडी विभाग फिर से सड़कों की मरम्मत में लगा हुआ है। आईएमडी के अलर्ट और राज्य में हुई भारी बारिश को देखते हुए नीलगिरी के डीएम ने अगले आदेश तक स्कूलों को बंद रखने के आदेश दिये हैं। नीलगिरी जिले में शुक्रवार को कुन्नूर-मेट्टुपालयम राष्ट्रीय राजमार्ग और कोठागिरी-मेट्टुपालयम राजमार्ग पर कम से कम 10 जगहों पर भारी बारिश की वजह से यातायात को रोकना पड़ा। चेन्नई के क्षेत्रीय मौसम विभाग ने तमिलनाडु के जिलों और पुडुचेरी में अगले तीन दिनों के लिए हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी जारी की। चेंगलपट्टू, कोयंबटूर, कुन्नूर, कोथागिरी और थूथुकुडी सहित तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भारी बारिश दर्ज की गई। कई इलाकों में जलभराव की भी खबर है। चेन्नई क्षेत्रीय मौसम विभाग के निदेशक बालाचंद्रन ने कहा, 'अगले दो से तीन दिनों तक, जहां तमिलनाडु और पांडिचेरी का सवाल है, हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है।' इडुक्की और पथनमथिट्टा जिलों के पर्वतीय इलाकों में भूस्खलन और मलबा गिरने की घटनाएं हुईं, जबरदस्त जलजमाव से कई स्थानों में जनजीवन प्रभावित हो गया और कई गांवों और शहरों का शेष हिस्से से संपर्क कट गया। अधिकारियों ने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने पथनमथिट्टा के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया था, जहां लगातार बारिश के कारण प्रमुख नदियों में जलस्तर बढ़ रहा है। तिरुवनंतपुरम में पर्वतीय इलाकों नेदुमंगडु और नेय्याट्टिनकारा में भी भारी बारिश हुई। जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद जलस्तर बढ़ने के कारण इडुक्की जिलों में कल्लारकुट्टी और पंबला बांधों के गेट सुबह खोल दिए गए।

राहुल गांधी एक फाइटर

कांग्रेस नेता को चुनाव आयोग के नोटिस पर सुप्रिया सुले

पुणे, 24 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक फाइटर हैं और एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपनी पनौती वाली टिप्पणी पर चुनाव आयोग के नोटिस का गरिमापूर्ण और ईमानदार जवाब देंगे। सुप्रिया सुले ने कहा, राहुल गांधी एक मजबूत और ईमानदार नेता हैं। मुझे विश्वास है कि वह सम्मानजनक और ईमानदार जवाब देंगे। वह एक योद्धा हैं। वह निडर रह सकते हैं, क्योंकि वह ईमानदार हैं।

भारतीय जनता पार्टी की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, हमारे पास ऐसे कई उदाहरण हैं, जब बीजेपी ने उनके परिवार को लेकर निशाना साधा है। अब अगर वह कुछ बोलते हैं, तो बुरा मानने की क्या जरूरत है? उन्होंने (बीजेपी) तो राहुल गांधी की दादी तक को नहीं छोड़ा। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बीजेपी की शिकायत पर कांग्रेस सांसद को कारण बताओ नोटिस जारी किया। इस नोटिस में राहुल गांधी के कथित तौर पर पीएम मोदी के खिलाफ अपनी चुनावी रैलियों में अपमानजनक टिप्पणी का जिक्र किया गया है। आयोग को दिए अपने ज्ञापन में भाजपा ने कहा था कि पिछले नौ वर्षों में उद्योगपतियों को 14,00,000 करोड़ रुपये की छूट देने के आरोप तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। आयोग के नोटिस में कहा गया है कि 'पनौती' शब्द प्रथम दृष्टया भ्रष्ट गतिविधियों से निपटने वाले जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 123 पर रोक की समानता में आता है। नोटिस में राहुल गांधी को याद दिलाया गया है कि धारा 123 की उपधारा (आईआई) के खंड 2 में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति जो किसी उम्मीदवार या निर्वाचक को यह विश्वास दिलाने के लिए प्रेरित करता है या प्रयास करता है कि वह, या कोई भी व्यक्ति जिसमें वह रुचि रखता है, दैवीय नाराजगी या आध्यात्मिक निंदा का पात्र बन जाएगा या बना जाएगा, उसे ऐसे उम्मीदवार या निर्वाचक के चुनावी अधिकार के स्वतंत्र प्रयोग में हस्तक्षेप करने वाला माना जाएगा।

राहुल गांधी ने अहमदाबाद में विश्व कप क्रिकेट के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार के बाद राजस्थान में एक चुनावी भाषण में पीएम मोदी के खिलाफ 'पनौती' शब्द का इस्तेमाल किया था। आम तौर पर पनौती शब्द ऐसे व्यक्ति के लिए इंगित किया जाता है जो बुरी किस्मत लाता है। नोटिस में आयोग द्वारा जारी एक सामान्य परामर्श का भी जिक्र किया गया है, जिसमें चुनाव प्रचार के दौरान 'राजनीतिक संवाद के गिरते स्तर' पर चिंता व्यक्त की गई थी। आयोग ने गांधी को उच्चतम न्यायालय की उस टिप्पणी के बारे में भी बताया जिसमें कहा गया था कि यदि संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) द्वारा बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा की जाती है, तो प्रतिष्ठा के अधिकार को भी अनुच्छेद 21 द्वारा संरक्षित जीवन के अधिकार का एक अभिन्न हिस्सा माना जाता है और 'इन दो अधिकारों को संतुलित करना एक संवैधानिक आवश्यकता है'।

आयोग ने कहा, आपसे अनुरोध किया जाता है कि आप लगाए गए आरोपों पर अपना स्पष्टीकरण दें और कारण बताएं कि आयोग द्वारा आदर्श आचार संहिता और प्रासंगिक दंड प्रावधानों के कथित उल्लंघन के लिए उचित कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जाए। यदि आपके पास कोई जवाब है, तो वह 25 नवंबर की शाम छह बजे तक पहुंच जाए। अगर तब तक कोई जवाब नहीं मिलता है, तो आयोग द्वारा उचित कार्रवाई की जाएगी। विधानसभा चुनावों के मौजूदा दौर में राहुल गांधी को आयोग की ओर से पहली बार नोटिस जारी किया गया, जबकि उनकी बहन और कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी को दो बार नोटिस जारी किया जा चुका है।

व्यास जी के तहखाने को डीएम के सुपुर्दगी में देने के मामले में सुनवाई टली

29 नवंबर की तारीख मिली

वाराणसी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। ज्ञानवापी स्थित व्यास जी की गद्दी डीएम को सुपुर्दगी के मामले में जिला जज की अदालत में आज की सुनवाई टल गई है। एक अधिवक्ता के निधन के कारण सुनवाई नहीं हो पाई। अदालत ने अब 29 नवंबर की तारीख नियत की है। बता दें कि पक्षकार बनने के लिए विश्वनाथ मंदिर के वाद मित्र विजय शंकर रस्तोगी ने इसे सामान्य नहीं राष्ट्रीय मसला बताते हुए लंबी दलील रखने की बात कही। अदालती समय कम होने के कारण अदालत ने सभी पक्षकारों की सहमति से 24 नवंबर को लंच बाद सुनवाई की तिथि तय कर दी थी। बता दें कि शैलेंद्र कुमार पाठक व्यास ने बीते 25 सितंबर को ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यासजी का तहखाना जिलाधिकारी को सौंपने के लिए सिविल जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में वाद दाखिल किया था। वाद में कहा गया है कि व्यासजी का तहखाना वर्षों से उनके परिवार के कब्जे में रहा। वर्ष 1993 के बाद प्रदेश सरकार के आदेश से तहखाने की ओर बैरिकेडिंग कर दी गई। वर्तमान में नंदीजी के सामने स्थित व्यासजी के तहखाने का दरवाजा खुला हुआ है।

कांग्रेस सांसद बी मानिकम की आपत्ति पर लोकसभा सचिवालय सख्त

सार्वजनिक कार्यक्रम में न्योता नहीं दिए को लेकर वित्त मंत्रालय से मांगा जवाब

विरुधुनगर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के विरुधुनगर से कांग्रेस सांसद बी मानिकम टैगोर ने रविवार को इंडियन ओवरसीज बैंक की ओर से आयोजित एक समारोह में स्थानीय सांसदों को शामिल नहीं किए जाने पर आपत्ति जताई थी। जिसके बाद अब लोकसभा सचिवालय ने वित्त मंत्री के पर्सनल सेक्रेटरी और केंद्रीय वित्त मंत्रालय से जवाब मांगा है। सचिवालय ने इसके लिए दोनों लोगों को 15 दिन का समय दिया है। दरअसल, बी मानिकम टैगोर ने इस संबंध में लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर आपत्ति जताई थी। लोकसभा स्पीकर को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि विरुधुनगर क्षेत्र से सांसद होने के बाद भी समारोह के लिए छापे गए निमंत्रण कार्ड पर उनका नाम नहीं छापा गया। इसके साथ-साथ दो अन्य सांसदों, तेनकासी से धनुष एम कुमार, और रामनाथपुरम के सांसद कनि के नवास के नाम भी गायब थे।

'आयोजकों को निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करना चाहिए'

उन्होंने पत्र में लोकसभा स्पीकर से इस पूरे मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की थी। मानिकम ने कहा था कि आयोजकों को निर्धारित प्रक्रियाओं को पालन करना चाहिए और क्षेत्र से संबंधित सांसदों को निमंत्रण दिया जाना चाहिए। स्थानीय सांसदों का बहिष्कार केवल लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांतों का खंडन करता है। यह प्रशासन और सांसदों के बीच आधिकारिक व्यवहार पर समेकित दिशानिर्देशों के भी खिलाफ है।

सुधारात्मक कार्रवाई की थी मांग

उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि सरकारी कार्यालयों की ओर से आयोजित सार्वजनिक समारोहों में सांसदों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जाना चाहिए। टैगोर ने आशा व्यक्त की कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की गरिमा बनाए रखने और लोकतांत्रिक सिद्धांतों की अखंडता बनाए रखने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

15 साल की किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म, तीनों आरोपी साढ़े पांच घंटे तक करते रहे दरिंदगी

अशोकनगर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले में नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया है। तीन आरोपियों ने पहले नाबालिग का अपहरण किया फिर पांच घंटे तक उसके साथ दरिंदगी को अंजाम दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश जारी है। जानकारी के मुताबिक मामला अशोकनगर जिले के मुंगावली थाना क्षेत्र का है। गुरुवार दोपहर को पीड़िता अपने परिजनों के साथ मुंगावली थाने पहुंची और थाने में एक आवेदन दिया। इसमें उसने बताया कि रात साढ़े ग्यारह बजे वह बाथरूम के लिए अपने आंगन में गई।

सेंटपॉल स्कूल में 9वीं और 11वीं के छात्रों में मारपीट, भाजपा पार्षद के भतीजे को सरिया मारा

इंदौर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। 9वीं और 11वीं क्लास के स्टूडेंट्स के बीच हुई मारपीट का मामला थाने पहुंचा है। मारपीट में भाजपा पार्षद के भतीजे पर सरिये से हमला कर दिया गया, जिससे उसकी आंख में गंभीर चोट लगी है। मामला इंदौर के लाला रामनगर स्थित सेंटपॉल हायर सेकेंडरी स्कूल का है। मारपीट में छात्रों ने बाहरी साथियों को भी बुला लिया था। परिजन ने स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मारपीट करने वालों के खिलाफ घायल छात्र के परिजन और स्कूल प्रबंधन ने पलासिया थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। मारपीट में घायल एक स्टूडेंट भाजपा पार्षद पंखुड़ी डोसी का भतीजा है। एफआईआर कराने पलासिया थाने पहुंची डोसी का कहना है कि स्कूल परिसर में सुबह कुछ छात्रों के बीच विवाद हुआ था। छुट्टी होने पर आरोपी छात्र मारपीट की नियत से पहुंचे और गलतफहमी में उन्होंने मेरे भतीजे को सरिया मार दिया। उसकी आंख में गहरी चोट आई है। घटना को लेकर जब स्कूल प्रबंधन से बात की गई तो सभी ने चुप्पी साध ली। सुबह लगभग 10।30 बजे कक्षा 9वीं और 11वीं के स्टूडेंट्स के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई। जब मामला स्कूल प्रबंधन के पास पहुंचा तो प्रबंधन ने दोनों छात्रों के परिजन को स्कूल बुलाया। छात्रों को समझाइश देकर क्लास में भेज दिया। दोपहर में जब स्कूल की छुट्टी होने वाली थी तब 11वीं के छात्र ने अपने कुछ बाहरी दोस्तों को बुला लिया और 9वीं के छात्र और उसके दोस्तों के साथ मारपीट कर दी। इसी दौरान पार्षद का भतीजा भी घायल हो गया। बाद में हमला करने वाले छात्र वहां से भाग गए।

शाजापुर में तेंदुए ने दी दस्तक, दहशत में ग्रामीण वन विभाग ने लगाया पिंजरा

शाजापुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। शाजापुर में फिर से एक तेंदुए ने दस्तक दी है, जो यहां एक बछड़े का भी शिकार कर चुका है। जिसको लेकर वन विभाग की टीम ने भी स्थानीय लोगों से संपर्क कर उन्हें सावधानी बरतने की सलाह दी है और तेंदुए को पकड़ने के लिए बिरगोद में वन विभाग ने पिंजरा भी लगाया है। आपको बता दें कि ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम को तेंदुए के बारे में बताया था। जिसकी पुष्टि के लिए वन विभाग ने क्षेत्र का भ्रमण कर पैरों के निशान भी लिए थे। जिसके बाद अब वन विभाग ने भी माना कि यहां तेंदुआ है। इसके बाद से लगातार वन विभाग उसकी सर्चिंग कर रहा है। वहीं गुरुवार को वन विभाग के डिप्टी रेंजर ललित उपाध्याय, वन रक्षक सचिन पाटीदार, कमलेश सोनी वा रेस्क्यू टीम के सदस्य हरीश पटेल ने ग्राम बिरगोद में पिंजरा भी लगाया,

महिला ने 5 साल की बेटी के साथ रेप का लगाया आरोप

अदालत में निकला झूठा, कोर्ट ने कहा- 1 लाख जुर्माना भरो

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने एक महिला के ऊपर अपने विरोधियों के खिलाफ रेप का झूठा मुकदमा किए जाने को लेकर 1 लाख का जुर्माना लगाया। महिला ने पुलिस को दी गई शिकायत में एक शख्स के खिलाफ उसकी (महिला) 5 साल की बच्ची के साथ रेप करने का आरोप लगाया था। अदालत में यह मामला झूठा निकला, तो कोर्ट ने झूठी गवाही, झूठे तथ्य प्रस्तुत करने को लेकर कार्रवाई की। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, पूरी सुनवाई के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि सिर्फ अपनी व्यक्तिगत लड़ाई में सबक सिखाने के लिए महिला ने शिकायत में झूठ बोला और मामले की जांच कर रहे अधिकारियों को गुमराह किया। यह कानून का खुला दुरुपयोग है।

महिला ने कुबूला अपना गुनाह

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुशील बाला डागर ने कहा कि यह स्पष्ट है कि उसने गुस्से में आकर और खुद को रोज-रोज के झगड़ों से बचाने के लिए झूठी शिकायत दी है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि महिला ने इस कानून का इस्तेमाल कथित व्यक्ति से उसकी संपत्ति हथियाने के लिए किया था। संपत्ति विवाद को निपटाने के लिए यह झूठी शिकायत से आरोपी व्यक्ति को अपमान और मानहानि का सामना करना पड़ा। महिला ने ऐसा करके न सिर्फ कानून का दुरुपयोग किया, बल्कि मुद्दे की संवेदनशीलता के साथ भी समझौता किया। अदालत ने कहा कि इन दिनों पॉक्सो का इस्तेमाल आज कल लोग कई वजहों के कारण करने लगे हैं। उन्होंने कहा, आज कल लोग भूमि विवाद, विवाह विवाद, व्यक्तिगत द्वेष, राजनीतिक उद्देश्यों या व्यक्तिगत लाभ के लिए आरोपियों को लंबे समय तक जेल में रखकर अपमानित करने के लिए पोक्सो अधिनियम के तहत फर्जी मामले दर्ज कराए जा रहे हैं। अदालत ने कहा, यह प्रक्रिया कानून का घोर दुरुपयोग थी। इस तरह के कृत्य कानून के उद्देश्य को कमजोर करते हैं।

नोएडा में महिला को बस ने मारी टक्कर, हालत गंभीर डॉक्टरों ने एक पैर काटा

नोएडा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के सेक्टर 12 चौराहे के पास सब्जी खरीद कर लौट रही एक महिला को अज्ञात बस ने टक्कर मार दी। घटना में गंभीर रूप से घायल हुई महिला का एक पैर उपचार के दौरान डॉक्टरों ने काट दिया। सेक्टर-24 के थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि सेक्टर 12 के निवासी चंद्र मोहन पालीवाल ने बृहस्पतिवार रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 20 नवंबर को उनकी मां जब सब्जी खरीद कर सेक्टर 12 के पास एक चौराहे पर सड़क पार कर रही थी तभी एक अज्ञात बस चालक ने उनकी मां को टक्कर मार दी। पालीवाल ने कहा कि इस घटना में उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया,

शिवसेना विधायक संजय शिरसाट का दावा, 'पिछले साल नहीं मिला कोई व्हिप', उद्धव गुट ने लगाए ये आरोप

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना के विधायक संजय शिरसाट ने े दावा किया कि महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत करने वाले विधायकों को पिछले साल जून में कोई व्हिप नहीं मिला था। शिवसेना (यूबीटी) के नेता और पार्टी के मुख्य सचेतक सुनील प्रभु से लगातार तीसरे दिन हुई जिरह के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शिरसाट ने प्रतिद्वंद्वी गुट पर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के समक्ष निर्णय के लिए लंबित अयोग्यता याचिकाओं की सुनवाई में देरी करने की कोशिश का आरोप लगाया।

संजय शिरसाट ने कहा, 'व्हिप जारी करने पर सुनील प्रभु द्वारा (जिरह के दौरान) दिया गया स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं था। उन्होंने मेल या व्हाट्सएप पर जारी व्हिप पर कोई सबूत नहीं दिया है। मुझे भी कोई व्हिप नहीं मिला है।'' प्रभु ने दावा किया है कि उन्होंने तत्कालीन अविभाजित शिवसेना के सभी विधायकों को पिछले साल जून में एक बैठक में भाग लेने के लिए व्हिप जारी किया था। शिरसाट उन 16 विधायकों में से एक हैं जिनके खिलाफ पिछले साल अयोग्यता याचिका दायर की गई थी। इस मामले की सुनवाई सोमवार को भी जारी रहेगी। मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित शिवसेना के 40 विधायकों ने पिछले साल जून में ठाकरे के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने हस्तक्षेप किया और स्पीकर नारवेकर को 31 दिसंबर तक बागी सेना विधायकों की अयोग्यता पर फैसला देने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने दायर याचिकाओं पर निर्णय लेने में देरी के लिए स्पीकर की कड़ी आलोचना की। ठाकरे गुट सीएम शिंदे और उनके प्रति वफादार कई विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग कर रहा है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि स्पीकर शीर्ष अदालत के आदेश की अवहेलना नहीं कर सकते।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 246 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.13 2080 शनिवार, 25 नवंबर-2023 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

हमास ने 49 दिन बाद 25 बंधकों को छोड़ा

इनमें 12 थाईलैंड के नागरिक, ये इजराइल पहुंचे 13 इजराइली बंधक मिस्र के राफा बॉर्डर पहुंचे

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग के 49 दिन बाद हमास ने बंधक बनाए गए थाईलैंड के 12 नागरिकों को छोड़ दिया है। ये इजराइल पहुंच गए हैं। थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, हमास ने हमारे 12 नागरिकों को छोड़ दिया है। एंबेसी के अधिकारी उन्हें लेने जा रहे हैं। थाईलैंड सरकार के मुताबिक उसके 26 नागरिकों को हमास ने बंधक बनाया था।

इस बीच, हमास ने 13 इजराइली बंधकों को भी छोड़ दिया है। यानी हमास ने अब तक कुल 25 बंधकों को छोड़ा है। ये बंधक मिस्र के राफा बॉर्डर पर पहुंच गए हैं। इन्हें गाजा से मिस्र के रास्ते इजराइल के हत्जेरिम एयरबेस लाया जाएगा। इजराइल ने बंधकों को वापस लाए जाने वाले इस ऑपरेशन को 'हैवन्स डोर' नाम दिया है।

मिस्र ने यह जानकारी दी थी कि थाईलैंड के 12 बंधकों को छोड़ने पर भी सहमति बनी है। इसके पहले सिर्फ 13 इजराइली बंधकों को छोड़ने की बात कही जा रही थी। 4 दिन के सीजफायर के दौरान 150 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले कुल 50 बंधकों को छोड़ने पर सहमति बनी है।

इधर, इजराइल-हमास के बीच आज से 4 दिन के लिए युद्धविराम शुरू हो गया है। गाजा में 14 हजार से ज्यादा लोगों की मौत के बाद इजराइल ने हमले बंद कर दिए हैं। सीजफायर की शुरूआत सुबह 7 बजे (भारतीय समयानुसार 10:30 बजे) हुई। सूत्रों के मुताबिक घड़ी में 7 बजते ही इजराइल ने गाजा में हमले बंद कर दिए हैं।

इस बीच, गुरुवार को इजराइली सेना ने हमास नेवी के कमांडर अमर अबु जलाला सहित कई लड़ाकों को मार गिराया। रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने सीजफायर से पहले सैनिकों से मुलाकात की।

उन्होंने कहा, जब युद्ध दोबारा शुरू होगा, तब हम पूरी ताकत से लड़ेंगे। ये जंग अभी करीब 2 महीने और चलेगी। हमारा लक्ष्य हमास को पूरी तरह से मिटाना है। सीजफायर के दौरान हम हमास के ठिकानों का पता लगाकर, खुद को और तैयार करेंगे। >14

दुनिया एक परिवार, सभी को आर्य बनाएंगे : भागवत

अनुशासन का पालन करने के लिए सभी संप्रदायों को शुद्ध करने की जरूरत

बैंकॉक, 24 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस में हिस्सा लेने बैंकॉक गए हुए हैं। यहां उन्होंने शुक्रवार 24 नवंबर को कहा कि दुनिया एक परिवार है। हम सभी को आर्य यानी एक संस्कृति बनाएंगे। हालांकि, संस्कृति शब्द काफी नहीं है, एक बेहतर दुनिया के लिए मुझे संस्कृति कहना होगा। अनुशासन का पालन करने के लिए भारत के सभी संप्रदायों को शुद्ध करने की जरूरत है।

संघ प्रमुख ने यह भी कहा कि हिंदू परंपराओं में भले ही कुछ मतभेद हों, लेकिन ये धर्म का अच्छा उदाहरण पेश करती हैं। हम हर जगह जाते हैं, सबके दिल को छूने की कोशिश करते हैं, कुछ लोग राजी होते हैं तो कुछ राजी नहीं भी होते, लेकिन फिर हम सभी से जुड़ते हैं। वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस का आयोजन हर चार साल में होता है। वर्ल्ड हिंदू फाउंडेशन ने इस बार कार्यक्रम को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में ऑर्गनाइज किया है। 24 नवंबर को शुरू हुआ प्रोग्राम 26 नवंबर तक चलेगा।

> "हमारा विश्वास धर्म विजय पर है। धन विजय, भौतिक सुखों पर आधारित है। इसमें खुद का ध्यान रखा जाता है। असुर विजय में दूसरे समुदायों के लिए आक्रामक भाव रखा जाता है।
>
> **मोहन भागवत**
> बैंकॉक में वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस

हमारा धर्म विजय पर विश्वास

भागवत के मुताबिक, हम धर्म विजय पर भरोसा करते हैं। इसी पर हमारा धर्म टिका हुआ है। यह प्रक्रिया धर्म नियम पर आधारित है और इसी के फलस्वरूप धर्म हमारे लिए कर्तव्य बन जाता है। हमने धन विजय और असुर विजय का भी अनुभव किया है। धन विजय के मायने वस्तुओं से मिलने वाली खुशी से है, लेकिन इसमें इरादे ठीक नहीं होते। यह आत्मकेंद्रित होने जैसा है। देश ने 250 साल तक (अंग्रेजों की) धन विजय देखी। असुर विजय यानी अन्य समुदायों के लिए अग्रेशन का भाव रखना। उन्होंने (मुस्लिमों ने) 5200 साल शासन किया। इससे हमारी धरती पर तबाही मच गई थी।

राम मंदिर की गूंज पूरी दुनिया में होनी चाहिए :

वर्ल्ड हिंदू फाउंडेशन के प्रमुख और वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस के चीफ ऑर्गनाइजर स्वामी विज्ञानानंद ने कहा, हमने अयोध्या से प्रसाद बुलवाया है। अयोध्या में बनने वाले राम मंदिर की प्रतिकृति यहां (बैंकॉक) में तैयार हो रही है। हम अयोध्या से रामलला के जन्मस्थान की फोटो भी लाएंगे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले ही राम मंदिर की गूंज पूरी दुनिया में होनी चाहिए।

तीसरे विश्व हिंदू कांग्रेस सम्मेलन की थीम 'जयस्य आयतनं धर्मः' रखा गया है। इसका अर्थ होता है- धर्म, विजय का आधार। सम्मेलन 26 नवंबर तक चलेगा। इसमें दुनिया के कई क्षेत्रों में हिंदुओं के साथ हो रहे भेदभाव, अत्याचार और उससे निपटने के तरीकों के साथ हिंदुओं की उपलब्धियों पर भी विचार मंथन किया जाएगा। पहली वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस का आयोजन 2014 में दिल्ली और दूसरा 2018 में अमेरिका के शिकागो में हुआ था।

उत्तरकाशी में ऑगर मशीन के रास्ते में स्टील पाइप आया

काटकर बाहर निकाला, 15 मीटर खुदाई बाकी

उत्तरकाशी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड की उत्तरकाशी टनल में 12 नवंबर से फंसे 41 मजदूरों के बाहर निकलने का इंतजार पूरा देश कर रहा है, लेकिन रेस्क्यू में आ रही दिक्कत से सभी की सांसें अटकी हुई हैं। कभी सरिया तो कभी पत्थर उन तक पहुंचने में बाधा बन रहे हैं।

शुक्रवार को ड्रिलिंग का काम शुरू हुआ तो ऑगर मशीन के रास्ते में स्टील के पाइप आ गए, जिसके चलते पाइप मुड़ गया। स्टील के पाइप और टनल में डाले जा रहे पाइप के मुड़े हुए हिस्से को बाहर निकाल लिया गया। ऑगर मशीन को भी नुकसान हुआ था, उसे भी ठीक कर लिया गया। इसके बाद ड्रिलिंग के लिए ऑगर मशीन फिर मलबे में डाली गई, लेकिन टेक्निकल ग्लिच के चलते रेस्क्यू टीम को ऑपरेशन रोकना पड़ा। 31 घंटे से एक इंच भी ड्रिलिंग नहीं हुई है।

मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाइवेज के एडिशनल सेक्रेट्री महमूद अहमद ने शुक्रवार को बताया कि 46.8 मीटर की ड्रिलिंग हो चुकी है। अभी 15 मीटर की खुदाई बाकी है। टनल में 6-6 मीटर के दो पाइप डालने के बाद ब्रेकथ्रू मिल सकता है। अगर ब्रेकथ्रू नहीं मिला तो तीसरा पाइप डालने की भी तैयारी है।

उधर, एनडीआरएफ ने मजदूरों को निकालने के लिए मॉक ड्रिल की। साथ ही गुरुवार (23 नवंबर) की शाम ऑगर मशीन का प्लेटफॉर्म टूट गया था, जिसे ठीक किया गया। ग्राउंड पेनिट्रेशन रडार अध्ययन से पता चला है कि अगले 5 मीटर में कोई रुकावट नहीं है।

उत्तर प्रदेश (गोरखपुर) के रहने वाले प्रवीण कुमार यादव अमेरिकी ऑगर मशीन के ऑपरेटर हैं। प्रवीण इस पूरे बचाव अभियान में लगे रहे हैं। प्रवीण ने ही 45 मीटर अंदर पाइप में जाकर उस सरिया और स्टील पाइप को काटा था, जो ड्रिलिंग में दिक्कत कर रहा था। प्रवीण ने बताया कि मैं 3 घंटे पाइप के अंदर रहा। यहां ऑक्सीजन की कमी थी।

सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मिली राहत

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत 4 दिसंबर तक बढ़ा दी है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बेला त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली पीठ को सत्येंद्र जैन की रेगुलर जमानत पर सुनवाई करनी थी, लेकिन पीठ में शामिल जस्टिस एएस बोपन्ना सुनवाई के लिए उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में पीठ ने सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत 4 दिसंबर तक बढ़ाने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट अब 4 दिसंबर को ही सत्येंद्र जैन की रेगुलर जमानत की याचिका पर सुनवाई करेगा। इससे पहले मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सत्येंद्र जैन को 9 अक्टूबर तक अंतरिम जमानत दी थी। वहीं ईडी ने दावा किया कि आप नेता सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका लंबित होने का हवाला देकर ट्रायल कोर्ट में बार-बार सुनवाई स्थगित करने की मांग कर रहे हैं। ईडी ने आरोप लगाया कि सत्येंद्र जैन ट्रायल कोर्ट से 16 तारीखें ले चुके हैं।

संजय सिंह की ज्यूडिशियल कस्टडी 4 दिसंबर तक बढ़ी

52 दिन से हिरासत में हैं, जमानत याचिका लगाई, आज सुनवाई संभव

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाला केस में आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह 4 दिसंबर तक जेल में ही रहेंगे। स्पेशल जज एमके नागपाल ने उनकी ज्यूडिशियल कस्टडी 4 दिसंबर तक बढ़ा दी है।

वहीं, संजय के वकील मोहम्मद इरशाद ने बताया कि संजय की जमानत के लिए याचिका राऊज एवेन्यू कोर्ट में लगाई गई है, जिस पर शनिवार 25 नवंबर को सुनवाई हो सकती है। इससे पहले संजय को 10 नवंबर को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया था। जहां उनकी कस्टडी 24 नवंबर तक बढ़ाई गई थी। दिल्ली शराब घोटाला केस में संजय सिंह 52 दिन से हिरासत में हैं। ईडी ने संजय सिंह को 4 अक्टूबर को अरेस्ट किया था।

दिल्ली शराब घोटाला केस में इसी साल जनवरी में ईडी ने अपनी चार्जशीट में संजय सिंह का नाम जोड़ा था। इसको लेकर संजय सिंह ने काफी हंगामा मचाया था।

डीके शिवकुमार के खिलाफ सीबीआई जांच वापस

बीजेपी बोली- यह फैसला असंवैधानिक, मुख्यमंत्री इसे वापस लें

बेंगलुरू, 24 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने 23 नवंबर को इनकम से ज्यादा प्रॉपर्टी मामले में डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के खिलाफ सीबीआई जांच वापस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस मुद्दे पर राज्य में राजनीति शुरू हो गई है।

कर्नाटक बीजेपी प्रमुख बीवाई विजयेंद्र ने सरकार के इस फैसले को असंवैधानिक बताया है। साथ ही मुख्यमंत्री से फैसला वापस लेने की मांग की है। विजयेंद्र ने डिप्टी सीएम शिवकुमार से अपील की है कि वे कानूनी प्रक्रिया पर भरोसा करें और कैबिनेट की ओर से लिए गए ऐसे फैसलों का समर्थन न करें। बीजेपी चीफ विजयेंद्र ने कहा कि कर्नाटक और अन्य राज्यों में करोड़ों रुपये जब्त किए गए हैं। जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामले की जांच कर रही है, तो कैबिनेट का निर्णय अवैध है।

पूर्व सीएम बोले, सरकार डकैतों को बचाने के लिए सत्ता में है :

जेडीएस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि यह सरकार डकैतों को बचाने के लिए सत्ता में है। यह मामला कोर्ट में है, इसीलिए मैं इस बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहता। जिन लोगों में थोड़ी शर्म है वे अदालत का सम्मान करते हैं। जिन्हें शर्म नहीं है उन्हें परवाह नहीं होगी। वे इतने अहंकारी है कि वे कुछ भी खरीद सकते हैं।

डीके शिवकुमार बोले, मुझे इस बारे में अखबार से पता चला :

इस मामले पर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने दावा किया कि उन्हें कैबिनेट के फैसले के बारे में जानकारी नहीं थी। दरअसल, मैं कल कैबिनेट की बैठक में शामिल नहीं हो सका था। मुझे अखबार से इसकी जानकारी मिली। मैं बीते दो दिनों से तेलंगाना में चुनाव प्रचार कर रहा हूं।

उधर, कांग्रेस का कहना है कि डीके शिवकुमार के खिलाफ मामला राजनीति से प्रेरित था। भाजपा सिर्फ धमकी दे सकती है, उन्होंने सोशल मीडिया और एजेंसियों के माध्यम से इसकी कोशिश की थी। कल से वे डीके शिवकुमार के आय से अधिक प्रॉपर्टी से जुड़े मामले में यही काम कर रहे हैं। भाजपा इस मुद्दे पर सिर्फ गलत सूचना फैला रही है।

कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा, बीजेपी ने यह मामला कांग्रेस, सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार को कंट्रोल करने के लिए उठाया था। क्योंकि वे कर्नाटक में चुनाव हार रहे थे।

मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एक ईमेल भेजा गया, जिसमें टर्मिनल 2 को उड़ाने की धमकी दी गई है। ईमेल भेजने वाले ने विस्फोट को रोकने के लिए बिटकॉइन में दस मिलियन डॉलर की मांग की है।

छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को धमकी मिली। धमकी मिलने के बाद सहर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज किया गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। एयरपोर्ट मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) द्वारा संचालित किया जाता है। एयरपोर्ट को 11:06 बजे फीडबैक इनबॉक्स में धमकी मिली थी।

सेंडर ने विस्फोट को रोकने के लिए 48 घंटो के भीतर बिटकॉयन में एक मिलियन डॉलर की मांग की है। ईमेल में सेंडर ने कहा, तुम्हारे एयरपोर्ट के लिए यह आखिरी चेतावनी है।

मौत की सजा पाए 8 पूर्व नेवी अफसरों को बड़ी राहत

कतर कोर्ट ने स्वीकार की भारत की अर्जी

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। कतर अदालत ने पिछले साल गिरफ्तार किए गए आठ पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों को दी गई मौत की सजा पर विचार करने की भारत की अपील स्वीकार कर ली है। कतर कोर्ट ने 26 अक्टूबर को इन भारतीयों के लिए मौत की सजा का ऐलान किया था। विदेश मंत्रालय ने फैसले पर हैरानी जताई थी और आश्वासन दिया था कि सरकार सभी कानूनी विकल्प तलाश रही है।

आठ पूर्व नेवी अफसरों की मौत की सजा के खिलाफ भारत सरकार ने यह याचिका दायर की है। कतर की अदालत ने 23 नवंबर 2023 को इसे स्वीकार कर लिया और अब अपील का अध्ययन कर जल्द इस पर सुनवाई शुरू करेगी। कतर की सरकार ने नौसेना के पूर्व अफसरों पर लगाए गए आरोपों की जानकारी नहीं दी है।

गौरतलब है कि भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अफसर कतर में देहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजी एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज नामक कंपनी के लिए काम कर रहे थे। अगस्त 2022 में इन सभी को गिरफ्तार किया गया। 26 अक्टूबर 2023 को कतर की अदालत ने इन पूर्व अफसरों को मौत की सजा सुनाई थी। इन आठों भारतीयों को कथित तौर पर जासूसी के आरोप में पिछले साल अगस्त में गिरफ्तार किया गया था। दोहा में कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमांडर अमित नागपाल, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता और नाविक रागेश को गिरफ्तार किया गया।

कतर अदालत के इस फैसले को भारत ने चौंकाने वाला बताया था और मामले में सभी कानूनी विकल्प तलाशने की बात कही थी। सरकार ने कहा था कि कतर अदालत की ओर से भारतीय नौसेना के 8 पूर्व अधिकारियों को राहत दिलाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके बाद अब मौत की सजा के खिलाफ अपील दायर की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि भारत इस मामले पर कतर के अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहा है और सरकार भारतीय नागरिकों को सभी कानूनी और कांसुलर संबंधी सहायता देना जारी रखेगी। इस पूरी प्रक्रिया में फैसले को कतर सरकार द्वारा गोपनीय रखा गया है।

भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच सूर्य किरण युद्धाभ्यास की शुरूआत

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और नेपाल की थल सेनाओं के बीच शुक्रवार से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में 'सूर्य किरण संयुक्त युद्धाभ्यास-2023' की शुरूआत हो गई है। इसमें दोनों देशों की सेनाओं के 600 से अधिक जवान भाग ले रहे हैं। यह युद्धाभ्यास 24 नवंबर से 7 दिसंबर तक चलेगा।

यह जानकारी सेना के सार्वजनिक सूचना निदेशालय (एडीजीपीआई) ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए दी। जिसमें बताया गया कि इस साल सूर्य किरण युद्धाभ्यास का 17वां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले पिछले साल इस सैन्य अभ्यास का 16वां संस्करण नेपाल में आयोजित किया गया था। सूर्य किरण युद्धाभ्यास की शुरुआत दोनों देशों के बीच वर्ष 2011 में हुई थी। इसके बाद वार्षिक आधार पर क्रमवार रूप से इसका आयोजन किया जा रहा है।

अलग प्रशासन की मांग पर सरकार का रुख सख्त

तीन कुकी विधायकों को प्रमुख पदों से हटाया

इंफाल, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर सरकार ने अलग प्रशासन की मांग करने वाले तीन विधायकों को सरकार के महत्वपूर्ण पदों से हटा दिया है। इन तीनों विधायकों को हटाकर सरकार ने साफ कर दिया है कि वह किसी के सामने झुकने वाली नहीं है। उल्लेखनीय है कि सरकार पहले से ही कहती आ रही है कि अलग प्रशासन की मांग को किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। तीन विधायकों को हटाकर सरकार ने अपनी मंशा साफ कर दी है।

सूत्रों के मुताबिक मणिपुर सरकार ने तीन कुकी-जो विधायकों को विधान सभा के विभिन्न पदों से हटा दिया है, उनकी जगह नगा और मैतेई विधायकों को नियुक्त किया गया है। यह फैसला कुकी-जो हमर विधायकों की मणिपुर राज्य से एक अलग प्रशासन बनाने की मांग के मद्देनजर आया है। मणिपुर विधानसभा ने बुलेटिन जारी कर विभिन्न विधानसभा समितियों के अध्यक्ष के रूप में एक नागा और दो मैतेई विधायकों की नियुक्ति की घोषणा की। माओ विधानसभा क्षेत्र से चुने गए नागा विधायक लोसी दिखो को सरकारी आश्वासन समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया, उन्होंने सैतु विधानसभा क्षेत्र के कुकी विधायक हाओखोलेट किपगेन की जगह ली।

मणिपुर विधान सभा के सचिव के मेघजीत द्वारा बुधवार को जारी बुलेटिन के अनुसार, लामलाई विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र (मैतेइ) के विधायक खोंगबंताबम इबोम्चा ने पुस्तकालय समिति के अध्यक्ष के रूप में थानलोन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र (कुकी-जो) के विधायक वुंगजागिन वाल्टे का स्थान लिया है। वहीं काकचिंग विधानसभा क्षेत्र (मैतेई) के विधायक मायांगलांबम रामेश्वर ने सार्वजनिक उपक्रमों की समिति के अध्यक्ष के रूप में चुराचांदपुर विधानसभा क्षेत्र (कुकी-जो) के विधायक एलएम खौते की जगह ली है। उल्लेखनीय है कि 3 मई, 2023 को राज्य में हुई हिंसा के बाद से 10 कुकी विधायक कुकी-जो समुदायों के लिए अलग प्रशासन की मांग कर रहे हैं।

राज्यपाल अनिश्चितकाल तक विधेयक को लंबित नहीं रख सकते

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि राज्यपाल अनिश्चितकाल तक विधेयकों को अपने पास लंबित नहीं रख सकते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल के पास संवैधानिक ताकत होती है लेकिन वह इस ताकत का इस्तेमाल राज्य सरकार के कानून बनाने के अधिकार को कुंद बनाने के लिए नहीं कर सकते। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि राज्यपाल द्वारा विधेयकों को लंबित रखना संसदीय व्यवस्था में संविधान के मूलभूत सिद्धांतों के उलट है।

बता दें कि पंजाब सरकार ने राज्यपाल पर विधेयकों को मंजूरी नहीं देने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। वहीं राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित का कहना था कि जून महीने में बुलाया गया सत्र असंवैधानिक है, इसलिए उस सत्र में किया गया काम भी असंवैधानिक है। वहीं सरकार का तर्क है कि बजट सत्र का सत्रावसान नहीं हुआ है, इसलिए सरकार जब चाहे फिर से सत्र बुला सकती है। पंजाब सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बीती 10 नवंबर को दिए अपने फैसले में कहा कि बेशक राज्यपाल संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत किसी विधेयक को रोक सकते हैं लेकिन इसका सही तरीका ये है कि वह विधेयक को फिर से पुनर्विचार के लिए विधानसभा को भेजें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संघवाद और लोकतंत्र बुनियादी ढांचे का हिस्सा हैं और दोनों को अलग नहीं किया जा सकता। अगर एक तत्व कमजोर होगा तो दूसरा भी खतरे में आएगा। >14

भारत ने बनाई 4 दुर्लभ बीमारियों की दवाई

करोड़ों की जगह अब महज चंद लाख में होंगी उपलब्ध

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने चार दुर्लभ बीमारी की दवाई बनाई है। पहले इसकी कीमत करोड़ों में थी, लेकिन अब ये दवाई महज चंद लाख में उपलब्ध होगी। इसके अलावा सिकल-सेल बीमारी का सिरप भी बनाया जा रहा है। साल भर पहले भारत ने 13 तरह की दुर्लभ बीमारी की दवाई बनाने पर काम शुरू किया था, जिसमें से चार बीमारी की दवाई बनाने में कामयाबी मिली है।

भारत की इस सफलता से करोड़ों रुपये की दवाई अब महज कुछ लाख रुपये में देश में ही उपलब्ध होगा। भारत में करीब 8.4 करोड़ से 10 करोड़ दुर्लभ बीमारी के मरीज़ हैं। रेयर डिजीज की 80 प्रतिशत बीमारी जेनेटिक हैं, जो बचपन से बच्चों को जकड़ती हैं। भारत को साल भर में ही चार रेयर डिजीज की दवाइयों को बनाने में सफलता मिली है। इन दवाइयों को जन औषधि केंद्र में भी पहुंचाने की योजना है।

इन चार दुर्लभ बीमारी की दवाई भारत ने बनाई :

टायरोसेनिमिया टाइप 1 : सालाना खर्च पहले करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये, अब करीब ढाई लाख रुपये।

गौचर : ढाई करोड़ से साढ़े 6 करोड़ पहले खर्च, अब कीमत ढाई लाख रुपये।

विल्सन : 1.8 से 3.6 करोड़ सालाना खर्च आता था, अब कीमत साढ़े 3 लाख रुपये।

ड्रवित : करीब 6 से 20 लाख की कीमत सालाना, अब 1 से 5 लाख रुपये।

इन चार बीमारियों को लेकर जो दवाई बनाई गई है वो हैं :

निटिसिनोन, एलिल्गुसैट (3 करोड़ से 2.5 लाख), त्रिएंटाइन (2.2 करोड़ से अब 2.2 लाख) कैनबिडिओल (7 से 34 लाख अब 1 से 5 लाख)।

इन बीमारियों पर दवाई बनाने का काम जारी

फेनिलकेटोनुरिया, हाइपरअमोनमिया, सिस्टिक फाइब्रोसिस, सिकल सेल।

कुछ महीनो में चार और दवाई आने वाली है

दरांती कोशिका अरक्तता : ये अनुवांशिक बीमारी है, बचपन में बच्चों को टैबलेट खाने में 5 साल तक दिक्कत होती है, इसलिए सिरप पर काम किया जा रहा है। इसका टैबलेट मौजूद है और अब कंपनी ने सिरप भी बना लिया है और अप्रूवल के लिए सबमिट किया है। 70 हजार की जगह 400 रुपये में सिरप अब 'मेड इन इंडिया' की वजह से मुमकिन होगा। इस सिकल सेल एनीमिया को लेकर सीएसआईआर शोध कर रहा है। जीन को ठीक करने पर काम हो रहा है।

यूपी में हलाल बैन पर अब केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान बोले

क्या कोई आपको यह कह रहा है कि आप लोग जो भी खाते हैं उसे आप हलाल मत करिए

संभल, 24 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में इन इन दिनों कल्कि महोत्सव की धूम है। कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम ने 19 फरवरी 2023 को कल्कि मंदिर के शिलान्यास की घोषणा की है। स्थानीय लोग भी भक्तिपूर्ण माहौल में आनंद विभोर हैं। वहीं समापन कार्यक्रम में केरल के राज्यपाल आरिफ मौहम्पमद खान ने शिरकत की है। राम मंदिर पर बोलते हुए उन्होंने कहा, 'राम मंदिर पर पूरा देश सेलिब्रेट कर रहा है। ये विवाद नहीं, ये जोड़ने का विषय है। हलाल बैन पर पूछे गए सवाल पर पहले तो उन्होंने इसे राजनीतिक सवाल बताते हुए इस पर बोलने सज मना किया, लेकिन फिर बोले कि ये सवाल थोड़ा भ्रामक है। केरल के राज्यपाल आरिफ मौहम्पमद खान ने कहा कि कोई आपको ये कह रहा है आप लोग जो भी खाते है उसे आप हलाल मत करिए, एक बिजनेस के लिए इस्तेमाल और वो भी एनोथोराइस, तो उस पर तो आपको सरकार को ही अधिकार देना पड़ेगा कि वह मार्किट को रेगुलेट कर सके। केरल के

राज्यपाल आरिफ मौहम्पमद खान ने कहा, 'क्या आपको कोई ये कह रहा है कि अगर आप हलाल गोश्त खाना चाहते है तो उसे हलाल मत करिए, क्या आपको कोई ये कह रहा है। ये सवाल इस तरह नहीं होने चाहिए जिससे जनता में भ्रम पैदा हो। उस नाम से धार्मिक भावनाएं जुड़ जाती है और फिर इस सवाल से ऐसा लगेगा जैसे हलाल करने पर कोई पाबंदी लगा रहा है, वैसा नहीं है। हां उसका व्यापारिक लाभ उठाने के लिए उस नाम का इस्तेमाल होता है अगर तो सरकार का नियंत्रण होना ही चाहिए।

69000 सहायक अध्यापक भर्ती मामले में हाईकोर्ट ने तलब किए सचिव, 28 नवंबर को पेश होना होगा

प्रयागराज, 24 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 69 हजार सहायक अध्यापक भर्ती में गलत सवाल पर 1 अंक देने वाले मामले में गुरुवार को सुनवाई की। कोर्ट ने आदेश का पालन न करने पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने 28 नवम्बर को सचिव बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज प्रताप सिंह बघेल और सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी प्रयागराज अनिल भूषण चतुर्वेदी को तलब किया है।

कोर्ट ने दोनों सचिवों से स्पष्टीकरण मांगा है कि उनके खिलाफ आदेश की अवहेलना करने पर अवमानना कार्यवाही क्यों न की जाए। कोर्ट कहा है कि इससे पहले दोनों अधिकारी एक साथ बैठकर एक अंक देने के आदेश के अनुपालन का हल निकाले और ऐक्शन प्लान के साथ कोर्ट में आएं। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने उपेंद्र कुमार दयाल, अलका दुबे एवं अन्य अभ्यर्थियों की याचिका की अवमानना याचिका पर दिया है। याचिका पर एडवोकेट अनुराग त्रिपाठी ने बहस की। कोर्ट ने कहा दोनों

अधिकारियों ने हलफनामे दाखिल किए और एक दूसरे पर आदेश का पालन न हो पाने को लेकर आरोप लगाये। याचिका पर एक अंक देने का आदेश की सुप्रीम कोर्ट ने भी पुष्टि की है। इसके बावजूद आदेश का पालन करने का रास्ता नहीं निकल पा रहा है। अधिकारी एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हैं, जिसपर कोर्ट ने दोनों अधिकारियों को तलब किया है। सहायक अध्यापक भर्ती मामले मे एक प्रश्न के गलत उत्तर पर कोर्ट ने हल करने वाले अभ्यर्थियों को एक-एक अंक देकर परिणाम घोषित करने का आदेश दिया था। साथ ही कहा कि इसका पहले से चयनित अभ्याार्थियों पर कोई असर नहीं होगा। सरकार सुप्रीम कोर्ट तक गई किंतु कोई राहत नहीं मिली। आदेश का पालन न करने पर यह अवमानना याचिका दायर की गई है। एक साल बाद भी आदेश का पालन नहीं किया जा सका है। कोर्ट ने 25 अगस्त 2021 को हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के आदेश का कंप्लायंस न कर पाने पर स्पष्टीकरण देने हेतु दोनों सचिवों को व्यक्तिगत तौर पर बुलाया है। कोर्ट ने कहा है कि वे जवाब दें कि क्यों न अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाए। दोनों अधिकारियों की तरफ से एडफिडेविट दाखिल किया गया लेकिन कोर्ट एफिडेविट से संतुष्ट नहीं हुई और कहा कि दोनो अधिकारियों के वकील एक दूसरे पर सिर्फ आरोप लगा रहे हैं। याचियों के अधिवक्ता अनुराग त्रिपाठी और राहुल कुमार मिश्र ने कहा कि दोनों ही अधिकारी सिर्फ एक दूसरे पर जिम्मेदारी थोप कर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं। उन्होंने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट से 1 नंबर देने का आदेश होने के बाद से नियुक्ति देने में कोई कानूनी अड़चन नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट से राज्य सरकार 09/11/2022 को हार चुकी है, उसके बावजूद भी याचियों को 1 नंबर देने के आदेश का अनुपालन अब तक नहीं किया गया। कोर्ट ने इसके पहले मामले में बेसिक शिक्षा सचिव प्रताप सिंह बघेल से जवाब मांगा था। कोर्ट ने सचिव को 48 घंटे की मोहलत दी थी। जिस पर सचिव की ओर से गुरुवार को हलफनामा दाखिल किया गया। परीक्षा नियामक प्राधिकारी ने अपना हलफनामा पहले ही दाखिल कर दिया था, जिसके बाद कोर्ट ने सचिव से स्पष्टीकरण मांगा था। दोनों अधिकारियों के हलफनामे में सही जवाब न मिलने पर कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की और दोनों को तलब कर लिया।

पटना हाईकोर्ट के नए जस्टिस विवेक चौधरी को गवर्नर ने दिलाई शपथ

पटना, 24 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने आज शुक्रवार को राजभवन में पटना के नए जस्टिस विवेक चौधरी को शपथ दिलाई। इस अवसर पर बिहार मंत्रिमंडल के सदस्यगण, पटना हाईकोर्ट के जज, महाधिवक्ता, विभागीय प्रमुख इस अवसर पर उपस्थित रहे। पटना हाईकोर्ट के जज बने जस्टिस विवेक चौधरीः जस्टिस विवेक चौधरी को भारत सरकार के कानून व न्याय मंत्रालय द्वारा सुप्रीम कोर्ट कालेजियम की अनुशंसा पर कोलकाता हाईकोर्ट से पटना हाईकोर्ट स्थानांतरित किया गया है। उनके जज के रूप में योगदान देने के बाद पटना हाईकोर्ट में जजों की संख्या 35 हो जाएगी। जबकि जजों की स्वीकृत पद पटना हाईकोर्ट में 53 हैं। इस तरह अभी भी एक तिहाई पद रिक्त रहेंगे।

महिला सिपाही के लिंग परिवर्तन मामले में एचसी सख्त, सरकार को दिए आदेश; कहा- एक महीने में बने कानून

प्रयागराज, 24 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जेंडर रिअसाइनमेंट (लिंग परिवर्तन) के संबंध में नियम बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को एक माह का अतिरिक्त समय दिया है। महिला सिपाही नेहा सिंह की लिंग परिवर्तन की अनुमति मांगने वाली याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अजित कुमार ने यह आदेश दिया। प्रकरण की अगली सुनवाई पांच जनवरी को होगी। उप्र सरकार ने कोर्ट में दाखिल अनुपालन हलफनामा में कहा है कि याची की लिंग परिवर्तन संबंधी अर्जी डीजीपी ने निरस्त कर दी है। इस पर कोर्ट ने याची को संशोधन अर्जी दाखिल कर डीजीपी के आदेश को चुनौती देने की अनुमति दे दी।

इलाहाबाद एचसी की लखनऊ खंडपीठ का कड़ा रुख

कहा- काला कोट पहन गुंडई करने वालों से सख्ती से निपटें

लखनऊ, 24 नवंबर (एजेंसियां)। काला कोट पहनकर अराजकता फैलाने वाले अधिवक्ताओं पर हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने लखनऊ के पुलिस कमिश्नर से पूछा है कि काले कोट पहने अराजकता फैलाने वाले तत्वों से निपटने के लिए क्या प्रयास किये गए हैं और इसके लिए आगे क्या रणनीति बनायी गई है। कमिश्नर को इस ब्यौरे के साथ दो दिसंबर को व्यक्तिगत रूप से तलब किया गया है। वादी अनिल कुमार खन्ना सहित नौ याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए जस्टिस संगीता चंद्रा एवं जस्टिस नरेंद्र कुमार जौहरी की पीठ ने कहा है कि वर्ष 2010 में उसके सख्त आदेशों के चलते लखनऊ जिला अदालत परिसर में काले कोट में अराजकता फैलाने वालों पर शिकंजा कसा गया था तब स्थिति सुधर गई थी, किंतु

एक बार फिर से वहां काले कोट पहने अराजकतत्वों ने प्रभाव जमा लिया है, जिससे फिर सख्ती से निपटने की जरूरत है। कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर को दो दिसंबर को व्यक्तिगत रूप से तलब करते हुए उनसे पूछा है कि पिछले आदेशों के अनुपालन में ऐसे काले कोट पहने अराजकता फैलाने वाले तत्वों से निपटने के लिए क्या प्रयास किये गए हैं और उनसे निपटने के लिए आगे क्या रणनीति बनायी गई है। कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर से यह भी कहा है कि उसके सामने सुनवाई के लिए चल रही याचिकाओं में जिन अराजक घटनाओं का जिक्र किया गया है उन पर जांच करके रिपोर्ट दी जाए।

यूपी बार से पूछा, अदालत परिसर के बाहर काला कोट पहनने पर 13 वर्ष में कितनों पर हुई कार्रवाई

हाई कोर्ट ने यूपी बार कौंसिल से पूछा है कि वर्ष 2010 से वर्ष 2023 तक कितने अधिवक्ताओं के खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाही चली, इसका ब्यौरा अगली सुनवाई पर पेश किया जाए। जिन याचिकाओं पर सुनवाई हुई उनमें से एक याचिका पर पिछली सुनवाई में कोर्ट ने काले कोट पहनकर जमीन कब्जाने और दबंगई करने का संज्ञान लेकर यूपी बार कौंसिल को काले कोट को कोर्ट के बाहर पहनने पर रोक लगाने के संबंध में निर्देश जारी करने के लिए कहा था। इस पर यूपी बार कौंसिल की ओर से कहा गया कि प्रदेश के सभी बार एसोसिएशन को इस संबंध में निर्देश जारी किये गए हैं। बार कौंसिल आफ इंडिया रेगुलेशन के अध्याय दो भाग चार में पहले ही कोट बैंड पहनकर किसी सार्वजनिक स्थान पर जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस नियम का उल्लंघन करने वालों पर अनुशासनिक कार्यवाही करने का नियम है। इस पर कोर्ट ने यूपी बार कौंसिल से पूछा कि अब तक इस नियम का उल्लंघन करने वाले कितने अधिवक्ताओं के खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाही की गई है।

मंदिर में जाकर युवक ने खुद काटी अपनी गर्दन देवी मां को खुश करने के लिए उठाया था कदम

झांसी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के झांसी में देवी मां को खुश करने के लिए एक युवक ने खुद का गला काट लिया। यह घटना मंदिर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। गनीमत रही कि समय रहते वहां मौजूद लोगों ने युवक को पकड़ लिया और इसकी सूचना थाने की पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और रक्तरंजित युवक को उपचार के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती कराया। जिले के बरुआसागर थाना इलाके के बनगुवां गांव का रहने वाला नीरज रायकवार (26 साल) को गुरुवार की सुबह पुलिस ने झांसी मेडिकल कालेज में भर्ती कराया था। उसकी गर्दन से खून निकल रहा था। युवक का कहना है कि वह मजदूरी करता है। उसे काली मां को खुश करना था। इसके लिए वह क्षेत्र के मंसिल माता मंदिर पहुंचा और उसने अपनी गर्दन काटकर बलि देने का प्रयास किया।

मायावती का राहुल गांधी पर कटाक्ष

कांग्रेस पर चुन-चुनकर कसे तंज

लखनऊ, 24 नवंबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता अब जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं, लेकिन पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) की तरह ही अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण देने की मांग को मानने से इनकार कर दिया था। उन्होंने हाल ही में संसद में पारित महिला आरक्षण विधेयक में एससी, एसटी और ओबीसी को अलग से आरक्षण नहीं दिए जाने के लिए केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की भी आलोचना की। तेलंगाना के पेद्दापल्ली में बृहस्पतिवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि अधिकतर पिछड़े वर्गों ने कांग्रेस से एससी-एसटी की तरह ही आरक्षण की मांग की थी जिसने आजादी के बाद लंबे समय तक देश में शासन किया। उन्होंने कहा, ''एससी-एसटी, ओबीसी के वोट पाने के लिए कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता अब अपनी चुनावी सभाओं में प्रचार कर रहे हैं कि जाति आधारित जनगणना कराई जानी चाहिए।''मायावती ने कहा, ''...ये लोग (कांग्रेस) जाति जनगणना (अब) के बारे में बात कर रहे हैं। जब आजादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस सत्ता में थी, तो सबसे पिछड़े वर्ग के लोगों ने एससी-एसटी की तर्ज पर खुद को आरक्षण दिए जाने की मांग की थी।" ओबीसी के लिए आरक्षण की सिफारिश करने वाली काका कालेलकर आयोग और मंडल आयोग की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए मायावती ने कहा कि इन्हें कांग्रेस ने लागू ही नहीं किया। बसपा नेता ने कहा कि उनकी पार्टी ने मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू करने की मांग को लेकर आंदोलन किया था और केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर दबाव बनाया था। उन्होंने कहा कि लेकिन, सबसे पुरानी पार्टी ने रिपोर्ट को स्वीकार नहीं किया था।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ओबीसी समुदाय के लोगों को पता होना चाहिए कि मंडल आयोग की रिपोर्ट कांग्रेस के प्रयासों से नहीं, बल्कि बसपा के प्रयासों से तत्कालीन वीपी सिंह सरकार ने लागू की थी। मायावती ने यह दावा भी किया कि केंद्र सरकार और अधिकतर राज्य सरकारें कमजोर वर्गों को शोषण से राहत देने के लिए बने कानूनों को समुचित तरीके से लागू नहीं कर रही हैं। बसपा प्रमुख ने राज्य इकाई के अध्यक्ष के खिलाफ दर्ज एक मामले का हवाला देते हुए तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार पर 'दलित विरोधी' होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में इसी तरह मुस्लिम और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की हालत भी संतोषजनक नहीं लगती तथा उच्च वर्गों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की दशा 'शोचनीय' है।

हाथी पालतू है या जंगली आपदा और वन विभाग में ठनी, धनराशि को लेकर गरमाया मुद्दा

गोरखपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। अर्से तक भाजपा विधायक विपिन सिंह की शान रहा उनका हाथी गंगाराम अब जिला प्रशासन, आपदा और वन विभाग के लिए सिरदर्द बन गया है। परिस्थितियों और सरकारी तंत्र के फेर में उलझा गंगाराम कभी पहचान तो कभी अपनी खुराक को लेकर पिछले नौ महीने से चर्चा में है। गोरखपुर ग्रामीण विधायक विपिन अब उसे अपना नहीं बता रहे हैं तो वन विभाग उसे पालतू मान रहा है। गंगाराम से जुड़ा ताजा मामला तीन लाख रुपये की प्रतिपूर्ति की धनराशि को लेकर गरमाया है, जिसमें आपदा और वन विभाग में खींचतान बढ़ गई है। गोरखपुर शहर से सटे चिलुआताल थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर माफी गांव में इस साल फरवरी में महायज्ञ के दौरान कलश यात्रा में बिदके हाथी गंगाराम ने तीन लोगों की जान ले ली थी। मृतकों को पांच-पांच लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा हुई थी। राज्य आपदा मोचक निधि के अंतर्गत आपदा विभाग को चार-चार लाख रुपये और वन विभाग को एक-एक लाख रुपये देने थे, लेकिन हाईप्रोफाइल मामले के तूल पकड़ने के भय से आपदा विभाग ने तीनों मृतकों के स्वजन को पांच-पांच लाख रुपये दे दिए। अब आपदा विभाग स्वजन को अतिरिक्त दी गई तीन लाख रुपये की धनराशि वन विभाग से मांग रहा है। वन विभाग की दलील है कि गाइडलाइन के मुताबिक, जंगली हाथी के हमले में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने की दशा में तो विभाग आर्थिक सहायता देने के लिए अधिकृत है,

गोमांस ले जाने के आरोप में जब्त हुई थी मोटरसाइकिल

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

प्रयागराज, 24 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि उत्तर प्रदेश गोहत्या निषेध कानून और इसके नियम गोमांस के परिवहन पर लागू नहीं होते। जस्टिस पंकज भाटिया की बेंच द्वारा यह टिप्पणी वसीम अहमद नाम के एक व्यक्ति द्वारा दायर पुनर्विचार याचिका को स्वीकार करते हुए की गई। वसीम अहमद ने फतेहपुर के जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती देते हुए यह याचिका दायर की थी। गोमांस के परिवहन के आरोप में वसीम की मोटरसाइकिल जब्त कर ली गई थी।

'प्रतिबंध केवल गाय, बैल या सांड़ के परिवहन पर लागू'

जिला मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में कहा था कि उन्हें फतेहपुर के पुलिस अधीक्षक से एक रिपोर्ट

मिली थी जिसमें आरोप था कि वसीम की मोटरसाइकिल का इस्तेमाल गोमांस के परिवहन में किया गया था और चूंकि वसीम इस आरोप को गलत साबित करने के लिए साक्ष्य उपलब्ध कराने में विफल रहे, इसलिए मोटरसाइकिल जब्त कर ली गई। याचिकाकर्ता के वकील और अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने कहा,'इस कानून के संदर्भ में परिवहन पर प्रतिबंध केवल गाय, बैल या सांड़ के परिवहन पर लागू होता है और वह भी प्रदेश से बाहर किसी स्थान से उत्तर प्रदेश के भीतर किसी स्थान पर।'

गोमांस के परिवहन पर कोई प्रतिबंध नहीं हैः अदालत

कोर्ट ने कहा,'इस कानून या नियमों में यहां तक कि इस प्रदेश से बाहर किसी स्थान से इस प्रदेश के भीतर किसी स्थान पर गोमांस के परिवहन पर कोई प्रतिबंध नहीं है। मौजूदा मामले में इस प्रदेश में दो स्थानों के भीतर एक वाहन पर गोमांस का कथित परिवहन का ना तो निषेध है और ना ही विनियमित है।

इसलिए इस कानून के प्रावधानों का उल्लंघन कर परिवहन के आरोप में जब्तीकरण का आधार प्रथम दृष्टया सिद्ध नहीं होता। मुझे यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि जब्तीकरण के अधिकार का उपयोग बिना किसी कानूनी अधिकार और कानून की धारा 5ए (7) की गलत व्याख्या कर किया गया और इस कारण से जब्तीकरण का आदेश सही नहीं है और यह रद्द किए जाने योग्य है।'

दो सगे भाइयों की एक साथ हुई शादी सुहागरात से पहले दुल्हनों ने कर दिया कांड

हरदोई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में दो दुल्हनों ने दो सगे भाइयों के साथ विवाह किया और सुहागरात से पहले ही खीर में नशीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया। इसके बाद नगदी और जेवर लेकर फरार हो गईं। शादी के लिए दोनों सगे भाई का रिश्ता एक दलाल के जरिए तय हुआ था। दलाल को 80 हजार रुपए दिए थे। लड़कियों को लेकर दलाल शादी करने लड़कों के गांव पहुंचा था। शादी से पहले ही उसने निर्धारित रकम दूल्हों से लेने के बाद दोनों की गांव के एक मंदिर में शादी कराई।

रीति-रस्म पूरी होने के बाद दुल्हनें अपनी ससुराल पहुंचीं और वहां ससुरालीवालों और अपने पतियों को खीर बनाकर खिलाई। खीर में नशीला पदार्थ मिला

दिया और जब अगले दिन दूल्हे और उनके घर के लोग सोकर उठे तो दुल्हन घर का जेवर, नकदी और कीमती सामान लूटकर फरार हो चुकी थी। सुहागरात से पहले ही दुल्हनों और दलाल के हाथ लूटे गए दूल्हों ने पूरे मामले में पुलिस से फरियाद लगाई है। दुल्हनों के लूट और ठगी की इस घटना के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

पीलीभीत में दर्दनाक हादसाः ट्रक की टक्कर से पति-पत्नी समेत तीन की मौत, आठ माह का बेटा घायल

पीलीभीत, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पीलीभीत के न्यूरिया थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हुआ है। गांव औरिया और जनकपुरी के बीच टनकपुर हाईवे पर शुक्रवार सुबह ट्रक की टक्कर से बाइक सवार पति-पत्नी समेत तीन की मौत हो गई। दंपती का आठ महीने का बेटा गंभीर घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवार में चीख-पुकार मच गई। जानकारी के मुताबिक गांव औरिया निवासी अजयपाल, अपनी पत्नी सरोज कुमारी, बहन सुमन को लेकर बाइक से मेला देखकर लौट रहे थे। सरोज की गोद में आठ महीने का बेटा था। औरिया व जनकपुरी के बीच टनकपुर हाईवे पर सामने से आ रहे भूसी भरे ट्रक से उसकी बाइक टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही दंपती और युवती की मौत हो गई। आठ माह का बेटा महिला की गोद से छिटक कर दूर जाकर गिरा, जिससे वह गंभीर घायल हो गया। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने पीछे चल रहे दूसरे ट्रक को पकड़ लिया। उसमें भी भूसी लदी हुई थी।

हलाल विवाद पर कीर्ति आजाद बोले अगर आतंकवाद जुड़ा मामला है तो केंद्र सरकार कराये एनआईए से जांच

दरभंगा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। जैसे जैसे लोकसभा चुनाव 2014 नजदीक आ रहा है। वैसे वैसे नेता अपनी चुनावी तैयारी में तेजी से जुटते हुए दिख रहे हैं। इस कड़ी में दरभंगा के पूर्व सांसद और टीएमसी नेता कीर्ति जा आजाद दरभंगा स्थित अपने आवास पर पहुंचकर लोगों से मिल जुल रहे हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के बिहार में हलाल मार्का प्रोडक्ट पर प्रतिबंध लगाने की मांग पर कीर्ति आजाद जमकर भड़के। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मंत्री जी का बयान किसी मस्कारा जैसा है जिसकी बात सुन कर लोग हंसा करते हैं। यदि हलाल से

आतंकवाद जुड़ा है तो इसकी जांच तो केंद्र की सरकार करेगी एनआईए से इसकी जांच क्यों नही सरकार करा रही है? अगर किसी कानून का उलंघन हुआ है या मामला आतंकवाद से जुड़ा है फिर इसे तुरंत बंद करे और कार्रवाई करे।

महंगाई-बेरोजगारी जैसे देश के मुद्दे से भटकाया जा सके

पूर्व सांसद ने आरोप लगाया कि मंत्री गिरिराज सिंह सिर्फ उलूल-जलूल बात कर समय बर्बाद करते है। उन्होंने मंत्री को सलाह देते कहा केंद्रीय मंत्री खुद कैबिनेट की बैठक में पूरे मामले को उठाये और इसका फैसला अपने केंद्र की सरकार करवाये। उन्होंने कहा कि गिरिराज सिंह मंत्री हैं। मंत्री होने के नाते इनका हिन्दू मुसलमान नहीं चलता, भारत पाकिस्तान नही चलता है तो अब हलाल लेकर सामने आ गए है।

यह लोग नए नए मुद्दे खोजते रहते है जिससे देश विभाजित हो जाय। यहां सभी चीज़ों को मुद्दा बनाने की कोशिश की जा रही है सरकार अपने वादों के मुद्दों से हटाने के लिए यह बयानबाजी की जा रही है। यहां राम मंदिर को एक बार फिर मुद्दा बनाया जा रहा है। ताकि महंगाई-बेरोजगारी जैसे देश के मुद्दे से भटकाया जा सके। कीर्ति आजाद ने कहा कि बहुत सारे सामान पर हलाल लिखा हुआ सामान बाजार में है अगर वह कानूनी तरीके से सही है तो कोई समस्या नही अगर कानूनी तरीके से अवैध या गलत है तो इसे केंद्र सरकार कदम उठाए और इसे बंद कराए । इसका राजनीति करण और हिन्दू-मुसलमान करने की आवश्यकता नहीं है।

ये सिर्फ यहाँ आग लगाकर देश मे वोट बटोरना चाहते है। योगी सरकार के साथ केंद्र सरकार को घेरते कीर्ति आजाद ने कहा कि (बीफ) गाय के मांस का सबसे बड़ा एक्पोर्टर भारत है। उसमें भी उत्तर प्रदेश सबसे आगे है, जहां भाजपा की सरकार है, टैक्स तो उसपर भी लगता है। यहां भी जीएसटी यानी जजिया टैक्स भारत सरकार लगा रही है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 25 नवंबर, 2023

मेरा हैदराबाद

सुविचार
परिस्थितियाँ जितनी ज्यादा, आपको तोड़ती हैं, उससे कहीं ज्यादा आपको, मजबूत बना देती हैं !

तलसानी ने जामा मस्जिद जाफरी इलाके में प्रचार किया

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सनतनगर विधानसभा प्रत्याशी व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने शुक्रवार को सनतनगर के जामा मस्जिद जाफरी इलाके में चुनाव प्रचार किया। दोपहर की नमाज के बाद मुस्लिम भाई मस्जिद के बाहर एकत्र हुए और कई मुस्लिम भाइयों और मस्जिद के मौलानाओं ने मंत्री का सम्मान किया। सनत नगर डिवीजन बीआरएस के अध्यक्ष कोलानू बाल रेड्डी, पूर्व अध्यक्ष खलील, नेता नोमान, जमीर, करीम लाला, सुरेश गौड़, भूपाल रेड्डी, बाल राज, कर्णकर रेड्डी, इब्राहिम और अन्य लोग मंत्री के साथ थे। सनत नगर/विधायक प्रत्याशी मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि साढ़े नौ साल में उन्होंने दिखा दिया कि विकास का मतलब क्या होता है। बंसीलालपेट डिवीजन के मुस्लिम वक्फ बोर्ड, सेंट्रल व्यू अपार्टमेंट, बोइगुडा, सुन्नम बत्ती, फ्लोरा होटल, केटीआर पार्क इलाकों में मनोनीत विधायक स्टीफन सन के साथ डोर-टू-डोर अभियान चलाया। अभियान के दौरान मंत्री को शॉल-माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जो विकास 50 वर्षों में नहीं हुआ वह तेलंगाना राज्य के गठन के बाद मुख्यमंत्री केसीआर के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने बताया कि वह लगातार लोगों के बीच रहते हैं, उनकी जरूरतों को जानते हैं और उसके अनुरूप विकास कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले जो सड़कें बहुत कठिन थीं, उनमें सुधार किया गया, जल निकासी व्यवस्था में सुधार किया गया और सड़कों पर लगातार बहने वाले सीवेज की समस्या का समाधान किया गया. उन्होंने बताया कि जैसे ही लोग उनके ध्यान में समस्याएं लाते हैं, उन्हें हल करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

इसी प्रकार, कॉलोनियों में पार्क और ओपन जिम का निर्माण जनता के लिए उपलब्ध कराया गया है। इस मौके पर पार्षद कुर्मा हेमलता, पद्मराव नगर बीआरएस प्रभारी गुर्रम पवन कुमार गौड़, बंसीलाल पेटा प्रभाग अध्यक्ष वेंकटेशन राजू, नेता श्रीकांत रेड्डी, येसुरी महेश, श्रीनिवास, अब्बास, रजाक, कुमार यादव, वेंकट, नरसिंगा राव, लंका राजू और अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज मुरलीनगर शाखा का दीपावली स्नेह मिलन आज

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना मुरली नगर शाखा द्वारा दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन शनिवार दिनांक 25 नवंबर 2023 साय: 7:30 बजे से संकट मोचन हनुमान मंदिर मुरली नगर के पास किया जाएगा। यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति द्वारा शाखा के मानक मंत्री उमेश गोयल ने बताया कि सर्वप्रथम महाराज श्री अग्रसेन महाराज की पूजा अर्चना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा, खासकर महिलाओं के लिए कई कार्यक्रम किए जाएंगे एवं युवाओं के लिए भी कार्यक्रम किए जाएंगे, मनोज कुमार शर्मा म्यूजिकल ग्रुप द्वारा संगीत का कार्यक्रम आयोजित किया जावेगा।

महिलाओं द्वारा तंबोला कार्यक्रम भी किया जाएगा, शाखा द्वारा सदस्यों की उपस्थिति पर कूपन द्वारा लकी ड्रा करके 10 सदस्यों को रजत पद देकर सम्मान किया जाएगा। शाखा के अध्यक्ष दिनेश शाह बाजपुरिया द्वारा ने शाखा के सभी सदस्यों को सह परिवार सहित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए निवेदन किया गया तथा कार्यक्रम में पधार कर एवं सहयोग करके दीपावली मिलन को सफल बनावे।

हल्दी पर शोध किया जाएगा : अमित शाह

आर्मूर, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने आज कहा कि हल्दी पर शोध निज़ामाबाद जिले में किया जाएगा ताकि हल्दी किसानों को उनकी उपज के लिए अधिक पैसा मिल सके। राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की स्थापना के आदेश जारी किये गये। अमित शाह ने शुक्रवार को यहां एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अगले चरण में शोध कार्य किया जाएगा। प्रसंस्करण इकाइयां भी स्थापित की जाएंगी।

पिछले 10 वर्षों में सत्तारूढ़ बीआरएस ने सब कुछ गड़बड़ कर दिया है। वह पिछले चुनावों में जनता से किये गये वादों को लागू करने में विफल रही है। मुझे बताया गया कि करीब 30 साल पहले स्थानीय विधायक ने बस कांप्लेक्स के लिए आवंटित जमीन पर कब्जा कर लिया था, एक शॉपिंग कांप्लेक्स बनाया गया। अमित शाह से पूछा कि मुख्यमंत्री के.चद्रशेखर राव ने उन्हें टिकट क्यों दिया? ज़मीन पर कब्ज़ा किसने किया? उन्होंने तेलंगाना के एनआरआई की समस्याओं के समाधान के लिए बीड़ी श्रमिकों के लिए विशेष अस्पताल और एक एनआरआई मंत्रालय स्थापित करने का वादा किया।

तेलंगाना मुक्ति दिवस का जिक्र करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने चंद्रशेखर राव पर एमआईएम के ओवेसी के डर से कार्यक्रम आयोजित नहीं करने का आरोप लगाया. उन्होंने भाजपा के सत्ता में आने पर आधिकारिक तौर पर चुनाव आयोजित करने का वादा किया।

कलेश्वरम में कथित भ्रष्टाचार पर उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को दंडित किया जाएगा और उन्हें अवैध रूप से प्राप्त धन को वापस लेने के लिए मजबूर किया जाएगा। उन्होंने मियापुर भूमि में भ्रष्टाचार, ओआरआर ठेका देने, मिशन काकतीय और शराब घोटाले के बारे में भी बताया।

अमित शाह ने पेट्रोल और डीजल पर जीएसटी कम करने, धान के लिए एमएसपी 3,100 रुपये करने, उबले चावल खरीदने, किसानों से बिना किसी प्रीमियम के फसल बीमा योजना का विस्तार करने का भी वादा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस दोनों शासनों में धन की पेशकश करने वालों को मंत्रालय दिए जाएंगे, उन्होंने कहा कि वे अतीत में किए गए वादे के अनुसार एक बीसी नेता को मुख्यमंत्री बनाने के लिए प्रतिबद्ध थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 70 साल से अधिक समय तक राम मंदिर का निर्माण रोक दिया था और अब पीएम मोदी ने भूमि पूजन किया है और अब 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा होगी। उन्होंने तेलंगाना में बीजेपी के सत्ता हासिल करने पर लोगों को अयोध्या जाने के लिए मुफ्त यात्रा की पेशकश की।

कांग्रेस की जीत के बाद तेलंगाना के किसानों को कर्नाटक के किसानों की तरह भुगतना पड़ेगा : हरीश

संगारेड्डी, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि अगर तेलंगाना के किसान आगामी चुनावों में कांग्रेस को वोट देंगे तो उन्हें कर्नाटक के किसानों की तरह ही नुकसान होगा। शुक्रवार को नारायणखेड में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि पड़ोसी राज्य में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद कृषि क्षेत्र को बिजली की आपूर्ति नौ घंटे से घटकर तीन घंटे हो गई। उन्होंने कहा कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तेलंगाना में भाषण दे रहे हैं, जबकि उनकी अपनी पार्टी खड़गे के गृह राज्य कर्नाटक में भाषण देने में विफल रही है।

राव ने कांग्रेस नेताओं के इस दावे का खंडन किया कि तेलंगाना कांग्रेस द्वारा बनाया गया था और बताया कि राज्य का गठन तेलंगाना के लोगों द्वारा 14 साल की लंबी लड़ाई के बाद किया गया था। तेलंगाना पर कांग्रेस के दावे को देखकर अंग्रेज दावा करेंगे कि उन्होंने भारत को आजादी दे दी है। उन्होंने आगाह किया कि अगर कांग्रेस राज्य में सत्ता में आई तो रायथु बंधु या 24 घंटे बिजली की आपूर्ति नहीं होगी। मंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों के दौरान नारायणखेड़ में परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बुनियादी सुविधाओं में सुधार के लिए नारायणखेड नगर पालिका के लिए 50 करोड़ रुपये और विशेष रूप से नारायणखेड निर्वाचन क्षेत्र में ठंडास के लिए 110 करोड़ रुपये दिए। राव ने कहा कि नारायणखेड़ को राजस्व मंडल बनाने के साथ ही ग्राम पंचायतों को ठंडा बनाया गया। हरीश राव ने कहा कि डायलिसिस केंद्र और कई अन्य सुविधाएं स्थापित करने के अलावा नारायणखेड़ में क्षेत्रीय अस्पताल को 100 बिस्तरों वाले अस्पताल में उन्नत किया गया है। मंत्री ने नारायणखेड़ के मतदाताओं से राज्य में विकास और कल्याण जारी रखने के लिए महारेड्डी भूपाल रेड्डी को लगातार तीसरी बार विधानसभा में भेजने की अपील की।

केटीआर ने प्रगति प्रस्थानम पुस्तक का अनावरण किया

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामा राव ने शुक्रवार को यहां "प्रगति प्रस्थानम...एटलंडे तेलंगाना, एटलाइंडी तेलंगाना" पुस्तक का अनावरण किया। यह पुस्तक मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार द्वारा कार्यान्वित कल्याण और विकास योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी का संकलन है। इस अवसर पर, केटी रामा राव ने पुस्तक लिखने के लिए वरिष्ठ पत्रकार और सीएम पीआरओ रमेश हजारी की सराहना की, जो सांख्यिकीय आंकड़ों के साथ तेलंगाना योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताती है। यह पुस्तक उन सभी के लिए एक हैंड नोट के रूप में उपयोगी होगी जो तेलंगाना के विकास के बारे में विस्तार से जानना चाहते हैं। केटीआर ने कहा कि यह गर्व का क्षण है कि मुख्यमंत्री द्वारा लागू की जा रही हर नीति के परिणाम तेलंगाना के हर कोने तक पहुंच रहे हैं। तेलंगाना ने स्वर्ण युग की शुरुआत की है और पूरे देश के लिए एक आदर्श बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि योजनाओं के परिणामस्वरूप, तेलंगाना में गरीबी में गिरावट आई है और नीति आयोग की रिपोर्ट में भी इसका उल्लेख किया गया है। यह विश्वास जताते हुए कि केसीआर 2023 का चुनाव जीतेंगे और तेलंगाना के लोगों के आशीर्वाद से लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री का पद संभालेंगे, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने सभी से तेलंगाना राज्य के विकास के लिए फिर से समर्पित होने का आह्वान किया। उन्होंने रचनात्मक साहित्य, गीत लेखन, किताबें और सोशल मीडिया के माध्यम से सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए रमेश हजारे की प्रशंसा की। 'प्रगति प्रस्थानम' में बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई हर योजना के उद्देश्य के बारे में बताया गया और कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के जीवन में बदलाव के बारे में बताया गया। पेंशन, रैतु बंधु, रायथु भीमा, कल्याण लक्ष्मी, शादी मुबारक, आवासीय शैक्षणिक संस्थान, पट्टाना प्रगति, पल्ले प्रगति, चिकित्सा बुनियादी ढांचा विकास आईटी और हैदराबाद विकास आदि का डेटा के साथ विश्लेषण किया जाता है।

चिंतला की जीत खैरताबाद के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने आज खैरताबाद निर्वाचन क्षेत्र, हिमायत नगर मंडल, सोमाजीगुडा मंडल, खैरताबाद में भारतीय जनता पार्टी के विधायक उम्मीदवार चिंतला रामचंद्र रेड्डी के समर्थन में आयोजित भाजपा चुनाव अभियान में भाग लिया। केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई विकास और कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बोलते हुए, किशन रेड्डी ने भाजपा को समर्थन देने के लिए कमल के फूल के निशान पर वोट करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में स्थानीय भाजपा नेता, कार्यकर्ता, महिलाएं, युवा व अन्य लोग शामिल हुए।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.VSKP-ELECTG-23-24-WC-23, दिनांक : 21.11.2023

कार्य का नाम: लोको शेड (इलेक्ट्रिकल/डीजल), विशाखापट्टनम में 05 संख्यक विभिन्न आकारों के लोको (Locos) एवं सिंहाचलम नॉर्थ रेलवे स्टेशन में 01 संख्यक ट्रैक्शन सब-स्टेशन की एनर्जी ऑडिट।

निविदा मूल्य (रुपये में): 2,64,122/-, बिड सिक्युरिटी (रुपये में): 5,300/-, पूरा होने की अवधि : 60 दिन।

निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय: दिनांक 18.12.2023 को 1330 बजे, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** दिनांक 18.12.2023 को 1600 बजे।

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट http://www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (G)/ वाल्टियर

PR-806/O/23-24

IN THE COURT OF THE HON'BLE XVIII ADDL. SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT: HYDERABAD
O.S.No. 488 OF 2023

Between:
Sri Hari Kishan Gilda ...Plaintiff
AND
1. MRO, Charminar, Hyderabad
2. All Concerned ...Defendants
To,
All Concerned ...Defendant No.2

Please take Notice that the above Plaintiffs have filed Suit for Declaration against MRO, Charminar and All Concerned in respect of the Schedule of Property as mention below. The above case is stand posted for your appearance on **03-01-2024** at 10.30 A.M. As such you are hereby required to appear either in person or through Advocate or your Counsel before the Hon'ble Court on the above date and time, failing which the matter will be decided as per Law.

SCHEDULE 'A' PROPERTY: All that the part and parcel of the House property bearing H.No. 20-2-113 (PTIN No. 1052007910), H.No. 20-2-114 (PTIN No. 1052007911), admeasuring about 259 Sq.yards, Situated at Old Kabutarkhana, Chota Bazar, Hyderabad, and bounded by: **North**: House of Shri Ram Gopal Saheb, **South**: House belongs to Shri Ram Gopal, **East**: Common Road, **West**: Line.

SCHEDULE 'A' PROPERTY: All that the part and parcel of the House Property bearing H.No. 20-2-127 (PTIN No. 1052007917), admeasuring about: 20.13 Sq.yards, Situated at Old Kabutarkhana, Chota Bazar, Hyderabad, and bounded by: **North**: House of Vendor herein, **South**: House of Surya Prakash Rathi, **East**: Cement Road, **West**: House of Vendor herein.

// BY THE ORDER OF THE COURT //
Sd/- **ASHOK KUMAR AGARWAL, SYED ABDUL MAJID,**
Miss. KHUSHBOO AGARWAL, Advocates,
Office at 21-7-588 & 588/4/A, Kokarwadi, Ghansi Bazar, Hyderabad. Cell: 9849224518
Counsel for Plaintiff

कुतुबुल्लापुर विस क्षेत्र की हर समस्या का होगा समाधान : कूना

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जगदगिरिगुट्टा डिवीजन के अंतर्गत बिरप्पा नगर, मुग्धुम नगर, पोलाला बस्ती, रिंग बस्ती, श्रीनिवास नगर, भगत सिंह मार्ग, सीसला बस्ती कुतबुल्लापुर में भाजपा उम्मीदवार कूना श्रीशैलम गौड़ ने चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। बीजेपी के प्रचार अभियान में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और कूना श्रीशैलम गौड़ का समर्थन किया।

इस मौके पर कुना श्रीशैलम गौड़ ने कहा कि वह बीआरएस विधायक द्वारा कब्जा की गई जमीनों पर कब्जा कर लेंगे और उन जमीनों को गरीबों में बांट देंगे. उन्होंने चेतावनी दी कि कुथबुल्लापुर में टीआरएस के दोस्तों का कब्ज़ा बेकाबू हो गया है और अगर वह जीतेंगे तो उनकी समस्या का समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने देश में तीन करोड़ घर बनाए हैं और तेलंगाना के लिए दो लाख 40 हजार घर मंजूर किए हैं. लेकिन इस केसीआर सरकार ने गरीबों को एक भी घर वितरित किए बिना धन को कालेश्वरम में स्थानांतरित कर दिया है। उन्होंने कहा कि गरीबों को घर, राशन कार्ड, पेंशन और घर का मालिकाना हक दिया जाएगा और बेरोजगारों को समर्थन दिया जाएगा। भाजपा प्रत्याशी श्रीशैलम गौड़ ने कहा कि वह जूनियर कॉलेज बस्ती दवखानों के साथ-साथ जगदगिरिगुट्टा में एक बस डिपो लाएंगे और बस्तियों में बुनियादी सुविधाएं बनाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने मतदाताओं से अनुरोध किया कि वे इस महीने की 30 तारीख को होने वाले चुनाव में कमल के फूल के निशान पर वोट करें और उन्हें विधायक के रूप में जिताएं। इस अवसर पर भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जेके शेखर यादव मंडल अध्यक्ष पुन्ना रेड्डी, नेता मेकला सुरेश रेड्डी, अरकला सुधा, महेंद्र, नरेश गौड़, वसुंधरा, गांधी राजू यादव, सिद्धिराम रेड्डी, मधु, अरुणा रेड्डी, अरुण, श्रवण, राजमणि, गीता, परसुराम, मुप्पीदी रवि, स्थानीय भाजपा, जनसेना नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

चकरीपुरम स्थित स्व. नेमारामजी मुलैवा की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प-अर्पित करते हुए तुलसाराम, धनराज सानपुरा, जुगराज, लालाराम मुलैवा एवं समाज बन्धु।

तेलंगाना में सभी भ्रष्ट नेता जाएंगे जेल : राजनाथ सिंह

कीसरा, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि तेलंगाना में भाजपा सरकार के सत्ता में आने पर भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को जेल भेजा जाएगा। चुनाव प्रचार के तहत मेडचल जिले के कीसरा मंडल के रामपल्ली में भाजपा द्वारा आयोजित 'विजय संकल्प सभा' में राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर राजनाथ सिंह ने कहा कि इस बार हम तेलंगाना में बीजेपी की सरकार बनाएंगे। पिछले 10 सालों में सीएम केसीआर ने जनता से कई वादे किये हैं, लेकिन उनमें से कोई भी पूरा नहीं हुआ. पिछले 27 वर्षों से हमने गुजरात को देश में एक मॉडल के रूप में विकसित किया है। मैं सीएम केसीआर से पूछ रहा हूं कि वह तेलंगाना राज्य को इसी तरह विकसित करने में क्यों विफल रहे? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी सरकार और सीएम केसीआर परिवार भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब बीजेपी सत्ता में आएगी तो वह परिवारवाद के खिलाफ काम करेगी. उन्होंने दावा किया कि एबी वाजपेयी से लेकर नरेंद्र मोदी तक बीजेपी सरकारों और नेताओं पर भ्रष्टाचार का एक भी दाग नहीं है. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने हर घर में नौकरी देने का वादा किया था, लेकिन प्रश्नपत्र लीक कर उन्हें धोखा दिया. उन्होंने इस बात की आलोचना की कि राज्य सरकार द्वारा किसी भी दलित परिवार को तीन एकड़ जमीन नहीं दी गयी है. उन्होंने मतदाताओं से मेडचल भाजपा उम्मीदवार एनुगु सुदर्शन रेड्डी की जीत सुनिश्चित करने की अपील की।

अग्रवाल समाज शाहअलीबंडा शाखा द्वारा दीपावली स्नेह मिलन कल

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज शाहअलीबंडा शाखा द्वारा दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद का आयोजन 26 नवंबर रविवार को दोपहर 12.30 बजे से मारवाड़ी भवन मैदान खां चौक में किया जाएगा। शाखा के मानद मंत्री पंकज गोयनका ने बताया कि सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। अवसर पर शाखा के नव सदस्यों का स्वागत सत्कार किया जाएगा। शाखा के अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल तथा कार्यक्रम के संयोजक राजू अग्रवाल और सह संयोजक संजय अग्रवाल एवं सत्यनारायण गुलखंडिया ने शाखा के सदस्यों को सह परिवार कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

लाडनूं जैन परिषद का आपसी मिलन कल

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लाडनूं जैन परिषद, हैदराबाद द्वारा अपने सदस्य परिवारों के आपसी मिलन तथा मनोरंजन के लिए प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाले दिवाली स्नेह मिलन दिनांक 26 नवंबर 2026 रविवार को प्रगति रिसोर्ट में आयोजित किया जाएगा। लाडनूं जैन परिषद ने दिवाली स्नेह मिलन में अपने सभी सदस्य परिवारों आमंत्रण दिया है तथा अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए अपने खुद के साधनों के अतिरिक्त बसों की व्यवस्था भी की है। समारोह में आने वाले बड़े, महिलाओं तथा बच्चों सभी ले लिए अनेक मनोरंजक व रोमांचक खेलों का आयोजन रखा गया है, नवीनता लिए इन मनोरंजक गेम्स की संयोजिकाएं ज्योति दुगड़ , प्रेक्षा भूतोडिया तथा डोली बोथरा हैं।

दिवाली स्नेह मिलन में सबसे लोकप्रिय व रोमांचक सिल्वर तम्बोला भी इस वर्ष का विशेष आकर्षण रहेगा। प्रगति रिसोर्ट में सभी के लिए आउट डोर तथा इनडोर गेम्स के अलावा स्विमिंग पूल की सुविधा प्रदान की गई है। नवीनता लिए शानदार और भव्य आयोजन के संयोजक प्रताप बैद और सौरभ दुगड़ रहेंगे। सभा अध्यक्ष राजकुमार सुराणा तथा मंत्री सतीश दुगड़ ने सभी सदस्य परिवारों से अधिक से अधिक संख्या में पधारने का आग्रह किया हैं।

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यु बोर्ड कॉलोनी, गड्डिअन्नाराम, हैदराबाद-500 036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad - 500 036, Telangana, INDIA
150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

निविदा सूचना

ऑल-इन-वन डेस्कटॉप/कंप्यूटर एवं स्कैनर की खरीद हेतु निविदा के लिए आवेदन है। पूर्ण विवरण इस **वेबसाइट** http://niimh.nic.in **या** http://ccras.nic.in एवं https://eprocure.gov.in/epublish से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर टेलीफोन नंबर 040-24067388 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रभारी सहायक निदेशक

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 25 नवंबर - 2023

मोदी की गारंटी बनाम गहलोत की गारंटी पर टिका चुनाव

राजस्थान में सर्दी ने प्रवेश कर लिया है, लेकिन राज्य का राजनीतिक तापमान अपने चरम पर पहुंच गया है। विधानसभा चुनाव प्रचार का अंतिम दिन बीत चुका और सभी दलों ने पिछले एक महीने में मतदाताओं को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हालांकि, अंत में चुनाव मोदी की गारंटी बनाम अशोक गहलोत की गारंटी पर आकर टिक गया है।

कांग्रेस जिसने पिछले कुछ महीनों में योजनाओं का अंबार लगा दिया और चुनाव से चंद रोज पहले सात गारंटियां लेकर आई। वो अब इन गारंटियों के सहारे चुनावी वैतरणी को पार करना चाहती है। भाजपा पूरी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्मे और पांच साल में बदलाव के रिवाज के भरोसे है।

राजस्थान में तीन दशक से यह एक परपंरा बन गई है कि 5 साल कांग्रेस सत्ता में रहती है और 5 साल भाजपा। 1998 के बाद तो कांग्रेस की ओर से अशोक गहलोत और भाजपा की ओर से वसुंधरा राजे ही मुख्यमंत्री बनती आ रही हैं। दोनों नेताओं ने कुल मिलाकर 25 साल तक राज किया है।

2018 से अशोक गहलोत मुख्यमंत्री की कुर्सी पर हैं और अपनी पार्टी में भारी अंतर्विरोधों के बावजूद उन्होंने अपनी कुर्सी को बचाए रखा है, क्योंकि 2018 में जब पार्टी साधारण बहुमत से चुनाव जीती थी तो यही माना गया था कि कुर्सी पर पहला अधिकार सचिन पायलट का बनता है, क्योंकि उनके पार्टी अध्यक्ष रहते चुनाव लड़ा गया था, लेकिन तब सीनियर अशोक गहलोत कुर्सी पर बैठ गए थे। हालांकि, तब से लेकर चुनाव तक सचिन बनाम गहलोत ही राजस्थान में चला।

अब चुनाव प्रचार में कांग्रेस यह नहीं कह रही है कि जीते तो अशोक गहलोत ही मुख्यमंत्री होंगे। बार-बार कांग्रेस नेता यही दोहरा रहे हैं कि चुनाव के बाद विधायक और आलाकमान तय करेगा कि किसको कुर्सी मिले? लेकिन अशोक गहलोत को करीब से जानने वाले जानते हैं कि यदि पार्टी पुनः सत्ता में आई तो कुर्सी पर कौन बैठेगा?

पार्टी के भीतर अंदरुनी लड़ाई से जूझ रहे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कुछ महीने पहले फ्री बिजली, चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना में 25 लाख का बीमा, महिलाओं को रोडवेज यात्रा में छूट, महिलाओं को फ्री मोबाइल जैसी कई योजनाएं शुरू कीं। चुनाव से पहले वो 7 गारंटियां लेकर भी आए, जिनमें ओल्ड पेंशन स्कीम पर कानून बनाना, 2 रुपए किलो पर गोबर खरीदना, मुफ्त में अंग्रेजी शिक्षा, कॉलेज जाने वाले हर बच्चे को लैपटॉप, महिलाओं को साल में 10,000 रुपए, 15 लाख का आपदा राहत बीमा आदि शामिल हैं।

कांग्रेस पार्टी ने मतदान से 4 दिन पहले अपना जो घोषणा पत्र जारी किया, उसमें जातीय जनगणना से लेकर फसलों पर एमएसपी कानून, लाखों नौकरियां, चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा 50 लाख, ब्याज मुक्त कर्ज समेत ढेरों वादे किए गए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हर सभा और मंच पर यही बात दोहरा रहे हैं कि यह उनकी गारंटी है...। आश्चर्यजनक बात है कि अशोक गहलोत तो अपने नाम की गारंटी दे रहे हैं, लेकिन चुनाव के बाद वही मुख्यमंत्री बनेंगे, इस बात की गारंटी कांग्रेस नहीं दे रही है।

जहां तक भारतीय जनता पार्टी की बात है तो यहां भी नेतृत्व को लेकर एक अंतरद्वंद्व चला आ रहा है। पार्टी ने किसी को भी मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया है। चुनाव से कुछ महीने पहले पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बदल दिया था। यही कारण है कि राजस्थान में इस समय भाजपा में चेहरों की भरमार है।

मुख्यमंत्री की रेस में कई नेता लगे हुए हैं, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, राजेंद्र राठौड़, सतीश पूनियां, दीया कुमारी, बाबा बालकनाथ, डॉ. किरोड़ी लाल मीणा जैसे नाम लिए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नाम की चर्चा भी होती रहती है। इन सब के बावजूद चुनाव के अंत में बात मोदी की गारंटी पर आ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान के मतदाताओं को स्वयं की गारंटी दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि उनकी गारंटी है कि पेट्रोल-डीजल सस्ता करेंगे, गरीब महिलाओं को 450 रुपए में गैस सिलेंडर देंगे, मेधावी छात्राओं को स्कूटी और छात्रों को लैपटॉप दिया जाएगा, बेघरों आवास देंगे, 2025 तक हर घर तक पानी पहुंचाएंगे समेत कई और गारंटी हैं। भाजपा ने संकल्प पत्र भी जारी किया है, जिसमें कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार की जांच, पेपरलीक की जांच, महिला सुरक्षा, रोमियो स्क्वाड समेत ढेरों वादे किए गए हैं।

सभी नेताओं को रैलियों में भीड़ भी जुट रही है। मतदाता स्पष्ट कुछ नहीं बता रहा। मतलब, किसकी गारंटी पर अब मतदाता ज्यादा भरोसा करेगा, इसका खुलासा 3 दिसंबर को चुनाव परिणाम के दिन ही होगा।

नई रणनीति की जरूरत

शांत बहाली के तमाम दावों के बीच एक बार फिर जम्मू के राजौरी में दहशतगर्दों से मुठभेड़ में दो अधिकारियों समेत पांच सुरक्षाबलों के मारे जाने और एक के गंभीर रूप से घायल होने की दुखद घटना सामने आई है। ऐसे में सवाल लाजमी है कि चौकसी और कड़ाई के तमाम दावों के बावजूद जम्मू-कश्मीर में आतंकी संगठनों पर अंकुश लगाने में आखिर क्या कठिनाई सामने आ रही है। अब तो हालात इतने बेकाबू हो गए हैं कि शायद ही कोई महीना ऐसा गुजरता है, जब आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच संघर्ष नहीं होता हो। सेना तलाशी अभियान में जुटी रहती है और आतंकी घात लगाकर सैनिकों को शहीद कर रहे हैं। पिछले हफ्ते की ही बात है जब सुरक्षाबलों ने राजौरी इलाके में ही छह आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। बता दें कि पिछले डेढ़-दो वर्षों में इस इलाके में आतंकवादी घटनाएं बढ़ी हैं। इसी तरह की घटना दो महीने पहले भी हुई थी, जिसमें सेना और कश्मीर पुलिस के तीन अफसर तथा दो जवान शहीद हो गए थे। इस तरह दहशतगर्दों के घात लगा कर हमले करने की छिटपुट घटनाएं तो आए दिन की बात हो गई है। लेकिन सैन्य अभियानों पर हमले और उनमें जवानों तथा अफसरों के मारे जाने की बढ़ती घटनाएं नए सवाल खड़े कर रही हैं। जिस तरह आतंकी अत्याधुनिक हथियारों और सूचना तकनीक लैस रहने लगे हैं, वह भी सोचने वाली बात है। आखिर वे जिस तरह से लगातार सुरक्षाबलों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखते हैं, तो उनसे पुराने तरीकों से निपटना चुनौतीपूर्ण हो गया है। अब समय आ गया है कि दहशतगर्दों से निपटने के लिए नई रणनीत अपनानी होगी। कश्मीर घाटी से आतंकवाद खत्म करने के इरादे से पिछले नौ सालों से लगातार सघन तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके तहत आतंकी संगठनों को वित्तीय मदद पहुंचाने वालों की पहचान कर जेलों में डाले गए हैं। पाकिस्तान के साथ सड़क मार्ग से होने वाली तिजारत पर रोक लगने से माना जा रहा था कि सीमा पार से उन तक पहुंचने वाले हथियारों पर रोक लग गई है। दावा तो यह भी किया जा रहा है कि अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली और सतत चौकसी के कारण घुसपैठ का सिलसिला काफी थम गया है। अलगाववादी संगठनों के बैंक खातों और उनके वित्तीय लेन-देन पर कड़ी नजर रखी जा रही है। नोटबंदी के बाद जब दावा किया गया था कि इससे दहशतगर्दों की कमर टूट जाएगी, लेकिन वे दावे खोखले साबित हो रहे हैं। नतीजतन, आतंकवादी आसानी से अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो रहे हैं। अच्छी बात है कि आए दिन मुठभेड़ में आतंकियों के मारे जाने के समाचार होते हैं, फिर भी उनकी सक्रियता में कहीं से अपेक्षित कमी नजर नहीं आ रही। वे अपनी रणनीति बदल कर कभी टारगेट किलिंग पर उतर आते हैं, तो कभी घात लगा कर सुरक्षाबलों के काफिले या उनकी छावनियों पर हमला कर देते हैं। जगजाहिर है घाटी में दहशतगर्दी को उकसाने के पीछे पाकिस्तान का ही हाथ है। इसके बाद भी घाटी में उन्हें कौन पाल-पोस रहा है और क्यों उनकी गतिविधियों पर लगाम लगाना चुनौती बना हुआ है, इसका आकलन कर उसके अनुरूप कदम न उठाए जाने की जरूरत है। जाहिर है कि बिना स्थानीय समर्थन के आतंकवादियों का लंबे समय तक घाटी में टिके रह पाना संभव नहीं है। बीती कुछ घटनाओं से यह भी स्पष्ट हो गया है कि आतंकी और अलगाववादी संगठनों के उकसावे पर बड़ी संख्या में कश्मीरी युवा फिर से हथियार उठाने लगे हैं। शैक्षणिक संस्थानों और दूसरे सरकारी महकमों में भी ऐसे लोगों की मौजूदगी लगातार पहचानी जा रही है, जो युवाओं को बरगलाने की कोशिश करते हैं। ऐसे बदले हालात में दहशतगर्दों का मनोबल तभी टूटेगा, जब उन्हें स्थानीय लोगों का समर्थन मिलना बंद होगा। इसके लिए सबसे पहली प्राथमिकता यह होना चाहिए कि स्थानीय लोगों का भरोसा कैसे जीता जाए?

हिंदी से बढ़ता वैश्विक व्यवसाय

संजीव ठाकुर

वर्तमान में हिंदी को वैश्विक स्तर पर उपभोक्तावाद से जोड़ा गया है। और बीच-बीच में हिंदी के मध्य उर्दू और अंग्रेजी ने अपनी जगह बनाई है। आज स्थिति यह है कि हिंदुस्तान में ही हिंदी से ज्यादा अंग्रेजी के कई शब्द मिलाकर हिग्लिश भाषा बोली जाती है। न्यूज़ चैनल में न्यूज़ एंकर विशुद्ध हिंदी की जगह हिग्लिश ही बोलकर अपनी इतिश्री कर लेते हैं। और तो और अब हिंदी के बड़े साहित्यकार भी हिंदी में अंग्रेजी तथा उर्दू के शब्द मिलाकर लिख रहे हैं, बोल रहे हैं, और पढ़ रहे हैं। विडंबना यह है कि भारत में 140 उपभोक्ता की उपस्थिति में विशुद्ध हिंदी का प्रयोग करना थोड़ा कठिन हो जाता है।जैसे हम टी,वी, को दूरदर्शन नहीं कहते, इंटरनेट को इंटरनेट ही लिखा जाता है, अंतरजाल नहीं लिखा जाता ।यह जितनी अंग्रेजी की शब्दावली हिंदी में जुड़ी हुई है,यह संचार माध्यम टी,वी व्हाट्सएप,फेसबुक,ट्विटर, इंटरनेट सीधे-सीधे उपभोक्ताओं के बाजार वाद के कारण जुड़े हुए हैं। हिंदुस्तान में लगभग 140 करोड़ उपभोक्ता निवास करते हैं, और उन तक पहुंचने के लिए हिंदी का प्रयोग अंग्रेजी तथा उर्दू की मिलावट के साथ किया जाता है। वैश्विक स्तर पर भी देखा जाए तो हिंदुस्तानी मूल के लोग श्रीलंका,मॉरीशस,फिजी, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा,ऑस्ट्रेलिया,न्यू जीलैंड, साउथ अफ्रीका में फैले हुए हैं। ऐसे में हिंदी का वैश्विक विस्तार अपने आप हिंदी भारतीय अप्रवासी, प्रवासी भारतीय लोगों के माध्यम से होने लगता है।फिर अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रॉस, इटली, जापान,चाइना इनके उत्पादक को भारत के उपभोक्ताओं के बीच बेचने के लिए उन्हें हिंदी की आवश्यकता होती है, भारत एक शक्तिशाली उपभोक्ता बाजार है। एक साथ एक ही जगह इतने ग्राहक मिलना किसी अन्य देश में असंभव है। इन परिस्थितियों में विश्व का हर देश अपने बनाए गए उत्पादन का बाजार खोजने भारत की ओर खिंचा चलाआता है। और हिंदी को माध्यम बनाकर वह अपना माल बेचना शुरू करता है। और इसके लिए टी,वी, इंटरनेट, कंप्यूटर,व्हाट्सएप तथा फेसबुक में हिंदी में विज्ञापन देकर उसका प्रचार प्रसार करता है। विज्ञापनों में हिंदी का व्यापक रूप से प्रचार और प्रसार वैश्विक स्तर पर होने लगा है।

डॉक्टर जयंती प्रसाद नौटियाल ने भाषा शोध अध्ययन 2012 में यह दावा किया है कि विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिंदी ही है। हिंदी में अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं का उपयोग करने वालों को पीछे छोड़ दिया है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा बनाए जाने का निर्णय लिया था। इसी तारतम्य में भारत में प्रत्येक पर 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में व्यापक स्तर पर देश की राजधानी दिल्ली चलेगी ग्राम पंचायत तक मनाया जाता है। डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा है हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द या भाषा का तिरस्कार नहीं किया। वैसे भी अंग्रेजों के आगमन के पूर्व हिंदी देवनागरी लिपि में उर्दू तथा फारसी शब्दों का समावेश होता रहा है। अंग्रेजों के आने के बाद इसने अंग्रेजी शब्दों को भी आत्मसात किया। हिंदी एक विशाल ह्रदय की विशाल भाषा है। इसमें अन्य भाषा के अपभ्रंश आने से हिंदी कभी मूल रूप से दिग्भ्रमित या विकृत नहीं हो पाई है। यही वजह है कि हिंदी वैश्विक स्तर पर धीरे-धीरे विस्तारित, प्रचारित एवं प्रसारित होती जा रही है।

'सनातन धर्म' के बदलते अर्थ

डॉ सत्यवान सौरभ

'सनातन धर्म' एक शब्द है जिसका प्रयोग अक्सर हिंदू धर्म का वर्णन करने के लिए किया जाता है। यह जीवन और विश्वास प्रणाली के एक प्राचीन और स्थायी तरीके का प्रतीक है। यह किसी एक संस्थापक, पंथ या पवित्र पुस्तक से बंधा नहीं है, बल्कि उभरते अनुभवों के आधार पर सत्य की निरंतर खोज की विशेषता है। 'सनातन धर्म' हिंदू परंपरा के भीतर मान्यताओं, प्रथाओं और दर्शन की एक विशाल श्रृंखला को समाहित करता है। 'सनातन धर्म' शब्द अब हिंदू धर्म का पर्याय बन गया है, जिसमें इसके अनुष्ठान, दर्शन और प्राचीन आध्यात्मिक परंपराएं शामिल हैं। हालाँकि, यह व्यापक उपयोग अपेक्षाकृत हाल ही में हुआ है और इसे मुख्य रूप से समाज के वर्गों द्वारा बढ़ावा दिया गया है। शब्दों के अर्थ स्थान, संदर्भ और कारण से प्रभावित होकर समय के साथ विकसित होते हैं। सनातन धर्म शाश्वत, कालातीत और अपरिवर्तनीय परंपराओं का प्रतिनिधित्व करता है जो भारत-खंड (भारतीय उपमहाद्वीप) के भूभाग में विकसित हुए हैं। ये परंपराएँ इस संस्कृति में इतनी समाहित हो गईं कि, इस भौगोलिक इकाई पर पुष्पित, पल्लवित और विकसित हुई संस्कृति को सनातन धर्म के नाम से जाना जाने लगा। यह अब्राहमिक धर्म की तरह कोई धर्म नहीं बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। इस धर्म का आधार हिंदू धर्म है, हालाँकि बौद्ध धर्म और जैन धर्म जैसी अन्य धाराओं ने भी इसमें अपना बहुमूल्य योगदान दिया।भले ही कुछ आध्यात्मिक नेता जातिगत विशेषाधिकार को संबोधित करते हैं, लेकिन वे शायद ही कभी व्यक्तियों को अपनी कट्टरता का सामना करने के लिए मजबूर करते हैं। जातिगत भेदभाव का प्रचार करने वाले ग्रंथों और प्रथाओं की आलोचनात्मक जांच का अभाव है। जातिवादी व्यक्तियों के कार्यों की जिम्मेदारी अक्सर जातिगत हिंसा से खुद को दूर रखने वालों द्वारा स्वीकार नहीं की जाती है। समकालीन चर्चाओं में, हिंदू धर्म के भीतर प्रगतिशील के रूप में पहचान रखने वालों के बीच बहस चल रही है और जो लोग खुद को अधिक रूढ़िवादी या रुढ़िवादी व्याख्या के साथ जोड़ते हैं। इस बहस के केंद्र में 'सनातन धर्म' शब्द रहा है। 'सनातन धर्म' शब्द अब हिंदू धर्म का पर्याय बन गया है, जिसमें इसके अनुष्ठान, दर्शन और प्राचीन आध्यात्मिक परंपराएं शामिल हैं। हालाँकि, यह व्यापक उपयोग अपेक्षाकृत हाल ही में हुआ है और इसे मुख्य रूप से समाज के वर्गों द्वारा बढ़ावा दिया गया है। शब्दों के अर्थ स्थान, संदर्भ और कारण से प्रभावित होकर समय के साथ विकसित होते हैं। रूढ़िवादिता के आलोचकों का तर्क है कि उपसर्ग 'सनातन' का उपयोग कुछ गुटों द्वारा प्राचीन पाठ्य सिद्धांतों के स्थायित्व पर जोर देने के लिए किया गया है, इसलिए वो हिंदू धर्म के भीतर परिवर्तन और सुधार का विरोध करना चाहते है। वे इसे प्रगति और समावेशिता में बाधा के रूप में देखते हैं। पूरे इतिहास में, हिंदू धर्म के भीतर आर्य समाज और रामकृष्ण मिशन जैसे विभिन्न सुधार आंदोलनों ने अस्पृश्यता और मूर्ति पूजा सहित पारंपरिक प्रथाओं को चुनौती देने की कोशिश की है। इन सुधारकों ने 'सनातन धर्म' को अस्वीकार नहीं किया, बल्कि इसका लक्ष्य इसमें सुधार और विकास करना था। कई लोग जाति को व्यवसाय से जुड़ी एक प्राकृतिक सामाजिक व्यवस्था मानते हैं, जो हिंदू धर्म का अभिन्न अंग है। इन जातियों के प्रगतिशील व्यक्ति जाति से जुड़ी हिंसा को समाप्त करने का आह्वान करते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि जाति व्यवस्था को ही। वे अक्सर ऐतिहासिक और वर्तमान वास्तविकताओं को दरकिनार करते हुए वर्ण, जाति और जाति के बीच भेद से जूझते हैं। उनके लिए, हिंदू धर्म की आलोचना, जब उनकी अन्य आलोचनाओं के साथ देखी जाती है, तो आक्रामक हो सकती है।

स्वामी दयानंद सरस्वती ने सुधारों की वकालत करते हुए धर्म की शाश्वत और कालातीत प्रकृति पर जोर देते हुए 'वैदिक धर्म' को 'सनातन नित्यधर्म' कहा। महात्मा गांधी, एक गौरवान्वित 'सनातनी', ने महिलाओं को भारतीय समाज की मुख्यधारा में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, यह प्रदर्शित करते हुए कि सुधार 'सनातन धर्म' का एक हिस्सा हो सकता है। स्वामी विवेकानन्द ने, श्री नारायण गुरु के आंदोलन से पहले, केरल में हिंदू धर्म की स्थिति की आलोचना की थी, लेकिन ऐसा उन्होंने 'सनातन धर्म' में गहराई से निहित परिप्रेक्ष्य से किया था। उन्होंने धर्म के भीतर गतिशीलता और सुधार की वकालत की। सनातन धर्म का एक मूल सिद्धांत आत्मा की शाश्वत प्रकृति और पुनर्जन्म (पुनर्जन्म या संसार) की अवधारणा में विश्वास है। यह मानता है कि आत्मा अमर है और मुक्ति (मोक्ष) प्राप्त होने तक जन्म और मृत्यु के चक्र से गुजरती है। सनातन धर्म की मूल अवधारणाएँ हिंदू धर्म तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि जैन और बौद्ध धर्म तक भी विस्तारित हैं। ये परंपराएँ शाश्वत आत्मा और पुनर्जन्म के चक्र में विश्वास साझा करती हैं, जिससे सनातन धर्म उनके बीच एक एकीकृत अवधारणा बन जाती है। यह स्पष्ट करना महत्वपूर्ण है कि सनातन धर्म यहूदी धर्म, ईसाई धर्म और इस्लाम जैसे धर्मों पर लागू नहीं होता है, जो पुनर्जन्म और शाश्वत आत्मा में विश्वास साझा नहीं करते हैं। इन धर्मों के अलग-अलग धार्मिक दृष्टिकोण और उत्पत्ति हैं। सनातन धर्म शब्द को 19वीं सदी के अंत में प्रमुखता मिली। उपयोग और महत्व में इस बदलाव का श्रेय उस समय के विभिन्न ऐतिहासिक और सांस्कृतिक कारकों को दिया जा सकता है। 19वीं सदी के अंत में मिशनरियों और ब्रह्म समाज और आर्य समाज जैसे समाज सुधारकों के नेतृत्व में सुधार आंदोलनों का उदय हुआ।

उत्सवधर्मी देश में धर्मनिरपेक्षता की गलत व्याख्या से प्रगति धीमी रही

पंकज गांधी

देश में जिस तरह से दिवाली पर खुलकर बाज़ार सामने से आ इसे व्यापार और इकॉनमी के लिए प्रमोट कर रहें हैं ,वह खुले तौर पर एक संकेत देता है. भारत की आत्मा एक उत्सवधर्मी प्रकृति की रही है. अगर भारत का विकास उसके आत्मा या प्रकृति के विपरीत किया जायेगा तो विकास में घर्षण या संघर्ष हमेशा रहेगा और वांछित फल नहीं प्राप्त होगा. बात सन 2016 की है. मैं सड़क मार्ग से लखनऊ से गोरखपुर जा रहा था और रास्ते में अयोध्या से गुजर रहा था। अयोध्या आया और गुजर गया. एक यात्री के तौर पर कुछ पता ही नहीं चला कि विश्व के लगभग 15% आबादी का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र अयोध्या है और यह भारत के विभिन्न हिस्से ही नहीं, लगभग विश्व भर में फैले हिन्दुओं चाहे वो इंग्लैंड ,स्कॉटलैंड, अमेरिका, यूरोप के अन्य देश, ऑस्ट्रेलिया , मॉरीशस , फ़िजी,गुयाना, त्रिनिदाद, थायलैंड, कंबोडिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर एवं अन्य देश हो, की मनः स्मृति में अयोध्या की कहानी और इतिहास अंकित है और ऐसे लोग अगर अयोध्या से गुजरें और यह शहर खामोशी से गुजर जाये तो इसे इस देश की नाकामी ही कहेंगे। राम मंदिर का विवाद एक जगह था. इसे अगर किनारे रख देवें ,तब भी इस शहर पर काम होना चाहिये था। जैसे हमने ताजमहल को एक धर्म विशेष का मजार होने के बावजूद भी धर्म निरपेक्ष मानते हुये पूरे विश्व में टूरिज़्म के नाम पर प्रचार प्रसार किया, वैसे भारत की ऐतिहासिक विरासत हिन्दू धर्म के पौराणिक स्थल को लेकर भी एक विश्व स्तरीय टूरिज़्म प्लान बनना चाहिये था । यह भारत के अर्थव्यवस्था में एक नये दृष्टिकोण के साथ बड़ी सफलता के एक अध्याय जैसे जुड़ना होता । भारत में पर्यटन पूंजी के तौर पर अयोध्या समेत अन्य पौराणिक स्थल जिसमें मथुरा, काशी, 12 ज्योतिर्लिंग, 51 शक्ति पीठ, चारों धाम, चारो शंकराचार्य के स्थान के अलावा वैष्णो देवी मंदिर, सिद्धिविनायक मंदिर, गंगोत्री एवं यमुनोत्री मंदिर उत्तराखंड, स्वर्ण मंदिर अमृतसर , अमरनाथ , लिंगराज मंदिर उड़ीसा, गोरखनाथ मंदिर, कांचीपुरम मंदिर, खजुराहो मंदिर, विरूपक्षा मंदिर हम्पी, अक्षरधाम मंदिर गुजरात, गोमतेश्वर मंदिर कर्नाटक, साईं बाबा मंदिर शिर्डी, श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर केरल, लक्ष्मी नारायण मंदिर दिल्ली, रंगनाथस्वामी श्री रंगम, पद्मावती मंदिर तिरुपति, एक्म्ब्रेश्वर मंदिर कांची, कामाख्या मंदिर असम, कालीघाट मंदिर कोलकाता, छतरपुर मंदिर दिल्ली, सूर्य मंदिर कोणार्क, बृहदीस्वरा मंदिर तंजावुर, सोमनाथ मंदिर गुजरात, तिरुपति बाला जी देव स्थानम आंध्र प्रदेश, चिरकुल बाला जी हैदराबाद, यादाद्रि मंदिर तेलंगाना, मीनाक्षी मंदिर मदुरै, कनक दुर्गा विजयवाड़ा आदि ऐसे अनेक मंदिर हैं जिसकी सरकार चाहे तो अलग अलग टूरिस्ट सर्किट बना कर टूरिज़्म विकसित कर सकती है और इन शहरों को इनकी धार्मिक प्रसिद्धि के हिसाब से थीम सिटी के रूप में विकसित कर सकती है। भारत के पास सिर्फ हिन्दू सनातन का ही यह टूरिस्ट सर्किट नहीं मौजूद है. विश्व भर मे फैले बुद्ध समाज के लिए हमारे पास सिद्धार्थनगर, रामग्राम,कुशीनगर, सारनाथ, कलिंग, सांची स्तूप आदि महत्वपूर्ण स्थान हैं जहां हम विश्व भर के कई देशों जैसे कि श्रीलंका, थायलैंड, चाइना, म्यांमार जैसे अन्य देशों से इन स्थानों का टूरिस्ट सर्किट बना के अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन विकसित कर सकते हैं। जैन धर्म के भी अनुयायी पूरे विश्व में फैले हैं और धन से सक्षम भी हैं. उनके लिए हम ईसा से 599 वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के क्षत्रिय कुण्डलपुर में जन्म लिए जैन धर्म के तीर्थंकर महावीर जैन के जन्म स्थान,गुजरात के कच्छ के जैन मंदिरों, दिल्ली का दिगंबर जैन लाल मंदिर,गोमतेश्वर मंदिर कर्नाटक, रणकपुर मंदिर राजस्थान आदि मंदिरों का एक टूरिस्ट सर्किट बना के इन सक्षम तीर्थ यात्रियों को पर्यटन के लिए आकर्षित कर सकते हैं। जिस तरह से हमने आगरा को, पिंक सिटी जयपुर को प्रचारित प्रसारित किया और लोगों को आकर्षित किया, उसी तरह भारत की इन टूरिस्ट पूंजीगत धरोहरों का भी भारतीय इकॉनमी के लिए इस्तेमाल होना चाहिये।

भारत के पास ये संपत्तियां वर्षों से पड़ी हुई हैं. इस पर किसी का आर्थिक आधार पर दृष्टि नहीं गया। दृष्टि डालें तो अयोध्या को हवाई मार्ग से उन सभी देशों और नगरों से जोड़ा जाये जहां राजा राम के राज्य का विस्तार हुआ था या संबंध था या वनवास के दौरान वह जहां जहां गये, मसलन अयोध्या-नासिक, अयोध्या-जनकपुर, अयोध्या- श्री लंका, अयोध्या-कंबोडिया, अयोध्या-इंडोनेशिया-बाली, अयोध्या-थायलैंड, एवं अन्य संबन्धित देश, श्री कृष्ण की भी एक सर्किट बनाई जा सकती है जिसमे मथुरा-वृन्दावन को द्वारिका से हवाई मार्ग से जोड़ा जा सकता है ।

लापरवाह ड्राइवर की प्रगति में बाधा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक सामान्य सुबह की यात्रा। सड़कें वाहनों से खचाखच भरी हुई हैं, हर कोई आगे निकलने की बेताब कोशिश में एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रहा है। हवा धुंए से घनी है, और लगातार बजने वाली हॉर्न से अराजकता की सिम्फनी पैदा होती है। यह वहां सभी के लिए मुफ़्त है, जिसमें ड्राइवर एक-दूसरे से बचते हैं, लाल बत्तियाँ चलाते हैं, और लापरवाही से यातायात में आते-जाते रहते हैं। रैश ड्राइविंग की दुनिया में, गति सीमाएं केवल सुझाव हैं, और रुकने के संकेत भी अदृश्य हो सकते हैं। सड़क के नियमों को उसी तिरस्कार के साथ देखा जाता है जैसे कूड़े के टुकड़े को बिना सोचे-समझे एक तरफ फेंक दिया जाता है। यह प्रत्येक व्यक्ति अपने लिए है, और धिक्कार है उस किसी को जो एक लापरवाह ड्राइवर की प्रगति में बाधा डालने का साहस करता है।उदाहरण के लिए, राकेश का मामला लीजिए। उसे हमेशा की तरह काम के लिए देर हो रही है, और वह खोए हुए समय की भरपाई के लिए कुछ भी करने को तैयार है।

जैसे ही वह सड़क पर सावधानी बरतता है, उसे बमुश्किल ही उन पैदल चलने वालों का ध्यान आता है जिनसे वह बाल-बाल बच जाता है या अन्य वाहन चालकों के गुस्से वाले हॉर्न पर ध्यान नहीं देता है जिसे वह काट देता है।

उसका एकमात्र ध्यान अपनी मंजिल तक पहुंचने पर है, परिणाम भुगतने होंगे। इस बीच, राधा अपने बच्चों को स्कूल ले जा रही हैं, और सुबह की भीड़ की अराजकता से निपटने की कोशिश कर रही हैं। वह लगातार किनारे पर है, जब वह स्टीयरिंग व्हील पकड़ती है तो उसके पोर सफेद हो जाते हैं, और जब वह टक्कर के बाद टकराव से बचती है तो उसका गला सूख जाता है। दैनिक आवागमन का तनाव उस पर भारी पड़ता है, और वह सोचती है कि क्या वास्तव में उसके लिए पैदल स्कूल जाना बेहतर होगा। और हमें यातायात पुलिस के बारे में नहीं भूलना चाहिए, उन बहादुर आत्माओं को सड़कों पर कुछ हद तक व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश करने का काम सौंपा गया है। वे अपने पैरों पर खड़े हैं, अपनी बाहों को उन्मत्तता से लहरा रहे हैं और अराजकता को नियंत्रित करने के निरर्थक प्रयास में अपनी सीटियाँ बजा रहे हैं। यह एक सिसिफियन कार्य है, क्योंकि वे असहाय होकर देखते हैं कि लापरवाही से चलने वाले ड्राइवर उनकी आंखों के सामने नियमों का उल्लंघन करते हैं। लापरवाही से गाड़ी चलाने के परिणाम बहुत वास्तविक हैं, और ये कोई हंसी की बात नहीं है। हर दिन, हम उन ड्राइवरों के कारण होने वाली दुखद दुर्घटनाओं की कहानियाँ सुनते हैं जो धीमी गति से चलने और सावधानी बरतने को तैयार नहीं थे। कुछ लोगों की लापरवाह हरकतों के कारण जिंदगियाँ नष्ट हो जाती हैं, परिवार नष्ट हो जाते हैं और समुदाय टूट जाते हैं। और फिर भी, यह चक्र जारी है, ड्राइवर गति और अधीरता के आकर्षण से मुक्त होने में असमर्थ प्रतीत होते हैं।

देव दीपावली से जुड़ी मान्यताएं

26 और 27 नवंबर को कार्तिक माह की अंतिम तिथि पूर्णिमा है। इसे देव दीपावली कहते हैं। इस तिथि पर भगवान विष्णु ने पहला अवतार मत्स्य यानी मछली के रूप में लिया था। उस समय जब जल प्रलय आया था, तब मत्स्य अवतार ने ही पूरी सृष्टि की रक्षा की थी। कार्तिक पूर्णिमा पर गुरु नानक देव जी की जयंती भी मनाई जाती है।

कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। जानिए कार्तिक पूर्णिमा से जुड़ी खास बातें...

माना जाता है कि इस तिथि पर शिव जी ने त्रिपुरासुर नाम के दैत्य का वध किया था, इस कारण इस तिथि को त्रिपुरारी पूर्णिमा भी कहते हैं।

कार्तिक पूर्णिमा को देवताओं की दीपावली कहा जाता है। मान्यता है कि इस तिथि पर सभी देवता दीपोत्सव मनाते हैं।

इस पूर्णिमा पर कार्तिक स्नान समाप्त हो जाएंगे। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने की परंपरा है। सूर्यास्त के बाद पवित्र नदियों में दीपदान किया जाता है। नदी की पूजा, आरती की जाती है। इस पर्व पर हवन और दान-पुण्य करने से अक्षय पुण्य मिलता है।

कार्तिक पूर्णिमा पर करें ये शुभ काम

पूर्णिमा पर भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़नी और सुननी चाहिए। जरूरतमंद लोगों को फल, अनाज, दाल, चावल, गर्म वस्त्रों का दान करें।

कार्तिक पूर्णिमा पर नदी स्नान नहीं पा रहे हैं तो घर ही पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान करें। स्नान करते समय सभी तीर्थों का और नदियों का ध्यान करना चाहिए।

दिन की शुरुआत सुबह-सुबह सूर्य को जल चढ़ाकर करें। जल तांबे के लोटे से चढ़ाएं। अर्घ्य देते समय सूर्य के मंत्रों का जाप करना चाहिए।

किसी गोशाला में हरी घास और धन का दान करें। गायों की देखभाल करें।

शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। कर्पूर जलाकर आरती करें। शिव जी के साथ ही गणेश जी, माता पार्वती, कार्तिकेय स्वामी और नंदी की भी विशेष पूजा करें। हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करें।

ऐसे कर सकते हैं दीपदान

कार्तिक पूर्णिमा पर नदी किनारे दीपदान करने की परंपरा है। कुछ लोग दीप जलाकर नदी में प्रवाहित भी करते हैं। इसे ही दीपदान कहते हैं।

दीपदान करने से पहले दीपक की पूजा करनी चाहिए और फिर नदी किनारे रखें। अगर घर में दीपदान करना चाहते हैं तो दीपक जलाएं, पूजा करें और घर के आंगन में रखें।

रसोई घर में इन पांच बातों का ख्याल रखें महिलाएं, वरना पति हो सकता है कंगाल

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर का सबसे अहम हिस्सा होता है किचन। किचन को लेकर भी वास्तु शास्त्र में कई अहम नियम बताए गए हैं। जिनका पालन अगर नहीं किया जाए तो व्यक्ति को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है। आइए जानते हैं किचन में किन 5 बातों का महिलाओं को रखना चाहिए ख्याल।

वास्तु शास्त्र की व्यक्ति के जीवन में अहम भूमिका होती है। खासतौर पर व्यक्ति को वास्तु का ख्याल तब रखना चाहिए जब वह अपना घर बना रहा हो। क्योंकि, अगर घर का वास्तु ठीक नहीं होगा तो घर में अशांति रहती है।

साथ ही आपकी रसोई का वास्तु भी ठीक होना चाहिए। कहा जाता है कि घर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा रसोई ही होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, रसोई में महिलाओं को काम करते समय कुछ बातों का ख्याल रखना चाहिए। वरना पति को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा कहा जाता है कि जैसा अन्न खाया जाता है वैसा ही मन बनता है। लेकिन साथ ही एक बात और भी कही जाती है। वह यह कि खाना पकाते समय जो भाव खाना बनाने वाले के मन में होते हैं, वही भाव खाने वाले के मन में भी आते हैं।

इसलिए ज्योतिष शास्त्र के अनुसार रसोइये के लिए दिशा का ध्यान रखकर खाना बनाना जरूरी है

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कभी भी दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके खाना नहीं बनाना चाहिए। ऐसा करने से खाना बनाने वाले और खाने वाले दोनों के जीवन में गरीबी आ सकती है।

इसके अलावा इस दिशा में खड़े होकर खाना बनाने से हमेशा सिरदर्द, जोड़ों में दर्द और माइग्रेन की समस्या हो सकती है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पश्चिम और दक्षिण दिशा के अलावा उत्तर दिशा में भी खाना पकाने से नुकसान हो सकता है। ऐसा करने से घर में आर्थिक परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं और कभी-कभी दरिद्रता की स्थिति भी आ सकती है।

यह दिशा खाना पकाने के लिए शुभ होती है

वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर खाना बनाते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर है तो यह सबसे शुभ माना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि पूर्व की दिशा सूर्य की दिशा मानी जाती है और ऐसा माना जाता है कि इस दिशा में सूर्य की रोशनी सबसे पहले और सबसे तेजी से फैलती है। ऐसे में सबसे ज्यादा सकारात्मक ऊर्जा भी इसी दिशा में रहती है।

चूल्हा और गैस चूल्हा परिवार के धन और समृद्धि का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए इन्हें हमेशा साफ रखना चाहिए। वरना आपकी समृद्धि पर बुरा असर पड़ सकता है। यहां तक कि आपके परिवार के स्वास्थ्य पर भी।

घर के मुख्य दरवाजे के बाहर से गैस चूल्हा या चूल्हा आदि दिखाई नहीं देना चाहिए। अगर आपके घर में भी ऐसा हो रहा है तो इसे छिपाने के लिए हल्का पर्दा लगाना बेहतर है। रसोईघर किसी भी कीमत पर शौचालय के ऊपर या नीचे तथा सीढ़ियों आदि के नीचे नहीं बनाना चाहिए। ऐसी रसोई न सिर्फ सेहत पर बुरा असर डालती हैं बल्कि धन-दौलत पर भी बुरा असर डाल सकती हैं।

देव दीपावली : महादेव ने तोड़ा दिवोदास का अहंकार, किया त्रिपुरासुर का वध

सुरेश गांधी

कहते है जब पृथ्वी का निर्माण हुआ तो प्रकाश की प्रथम किरण काशी की धरती पर पड़ी। तभी से काशी ज्ञान तथा आध्यात्म का केंद्र माना जाता है। काशी की इन्हीं विशेषताओं के बीच पिछले तीन दशकों में जाह्वी के सुरम्य तट पर देव दीपावली ने ऐसा रुप धारण किया कि पूरी दुनिया से लोग इसे देखने आने लगे। कहते है इस दिन काशी के घाटों पर एक-दो नहीं, बल्कि साक्षात 33 करोड़ देवी-देवता का वास होता है। चौरासी घाटों पर 51 लाख से भी अधिक जलते दीपों के बीच स्वर्ग की अनुभूति होती है। काशी में देव दीपावली मनाने की परंपरा अति प्राचीन काल में सिर्फ पंच गंगा घाट पर ही थी, लेकिन धीरे धीरे इसका विस्तार होता गया और 1989 से सभी चौरासी घाटों पर परंपरा शुरु हो गयी जो अब महोत्सव का रुप ले चुका है। अब तो पूरे देश में यह पर्व मनाया जाने लगा है। हाल यह है कि गंगा घाट ही नहीं नगर के तालाबों, कुओं एवं सरोवरों पर भी देव दीपावली की परम्परा मनाई जाने लगी है। देव दीपावली की रात देवता पृथ्वी पर उतरते हैं। इसलिए देव आराधना का यह पर्व आध्यात्मिक-धार्मिक लोगों की आस्था और आकर्षण का केंद्र बन गया। गंगा घाटों के साथ ही गंगा के उस पार रेत पर भी लाखों दीपक जलाएं जाते है। इस कारण इसमें किये गये दान, जपादि का दस यज्ञों के समान फल होता है। इसकी महत्ता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि देव दीपावली महोत्सव, का देश-विदेश में हर किसी को बेसब्री से इंतजार होता है। राष्ट्रवाद, संस्कृति, स्वच्छता को समर्पित इस लोकपर्व को वैश्विक आकर्षण का केन्द्र बनाने में संस्थाओं का विशेष योगदान है। इस लोकपर्व को कैसे संस्कृति व परम्परा के साथ अलग अंदाज में दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जाए, इसे लेकर संस्थाएं महीनेभर पहले से अपने-अपने तरीके से जुटे रहते है। देव दीपावली महासमिति के अध्यक्ष पं. वागीशदत्त मिश्र कहते हैं कि यह स्थिति सरकार की कोशिश नहीं, बनारस में कई दशकों से काम कर रही संस्थाओं के मजबूत प्रयास का परिणाम रहा है। इसमें कोई दीप तो कोई तेल की व्यवस्था करता है। तो कोई आयोजन को नई थीम देता है। आयोजन में करीब पांच हजार से अधिक लोगों की सहभागिता होती है। जिनमें नाविक से लेकर फूल-माला बेचने वाले तक होते हैं। गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष पं. सुशांत मिश्र ने बताया कि देवदीपावली की गंगा आरती के लिए दो माह पहले से तैयारी शुरू हो जाती है। उसमें 200 से अधिक लोगों की सहभागिता रहती है।

गंगाजी की अद्भूत आरती

दशाश्वमेध घाट काशी विश्वनाथ मंदिर के निकट ही स्थित है। कहा जाता है कि ब्रह्मा जी ने इसका निर्माण भगवान भोलेनाथ के स्वागत में किया था। ब्रह्माजी ने यहां दस

अश्वमेध यज्ञ किये थे। प्रत्येक संध्या पुजारियों का एक समूह यहां अग्नि-पूजा करता है, जिसमें भगवान शिव, गंगा नदी, सूर्यदेव, अग्निदेव एवं संपूर्ण ब्रह्मांड को आहुतियां समर्पित की जाती हैं। यहां देवी गंगा की भी भव्य आरती की जाती है। प्रतिदिन सूर्यास्त के पश्चात गोधुलि बेला में काशी के अधिकतर घाटों पर 'गंगा आरती' का आयोजन होता है, परन्तु दशाश्वमेघ घाट पर होने वाली गंगा आरती अद्भुत है। गंगा आरती करने वाले ब्राह्मणों की एक-एक गतिविधि देखकर लोग आश्चर्य में पड़ जाते हैं। गंगा आरती के दौरान अगरबत्ती से आरती करने का तरीका, चंवर डुलाने का अंदाज एवं शंखध्वनि श्रद्धालुओं का ध्यान अपनी तरफ खींचती है। यह आराधना पूरे विश्व में 'गगा आरती' के रूप में विख्यात है। आरती के लिये घाट की सिढ़ियों पर विशेष तौर से चबूतरो का निर्माण कराया गया है। चबूतरों पर 5,7,11 की संख्या में प्रशिक्षित पण्डों द्वारा घण्टा-घड़ियाल एवं शंखों के ध्वनि के साथ गंगा की आरती एक साथ सम्पन्न की जाती है। इन पण्डों की समयबद्धता इतनी सटीक होती है कि झाल आरती पात्र (हर पात्र में 108 दीप होते हैं), से आरती, पुष्प वर्षा एवं अन्य क्रिया एक समय में एक साथ होता है। दर्शक घाट की सिढ़ियों एवं नौकाओं से इस आराधना का साक्षी बनने के लिये उत्सुक रहते हैं।

पंचगंगा घाट

बनारस में पंचगंगा घाट का संबंध कबीर से है। इसी घाट की सीढ़ियों पर लेटे कबीर को स्वामी रामानंद ने राम नाम की दीक्षा दी थी। कार्तिक पूर्णिमा के दिन इसी घाट पर देव दीपावली मनाई जाती है। इस घाट पर अहिल्याबाई होल्कर द्वारा बनवाया गया खूबसूरत हजारा दीप स्तंभ भी है। सीढ़ियों पर जगमगाते हजारों दीप और सामने कलकल बहती गंगा की लहरों पर थिरकते छोटे-छोटे दीप मन को बांध लेते थे। लेकिन 1980 के दशक से देव दीपावली का विस्तार होता गया और अब यह आयोजन सभी चौरासी घाटों तक फैलकर महोत्सव का रूप ले चुका है। अब इसकी ख्याति सात समुद्र पार तक पहुंच गई है। काशी में केवल घाटों पर ही नहीं, बल्कि नगर के तालाबों, कुंओं एवं सरोवरों पर भी देव दीपावली मनाई जाने लगी है। गंगा पार रेती पर भी लाखों दीपक जलाए जाते हैं।

पौराणिक मान्यताएं

कहा यह भी है कि जाता है कि त्रिशंकु को राजर्षि विश्वामित्र ने अपने तपोबल से स्वर्ग पहुंचा दिया। देवतागण इससे उद्विग्न हो गए और त्रिशंकु को देवताओं ने स्वर्ग से भगा दिया। श्रापग्रस्त त्रिशंकु अधर में लटके रहे। त्रिशंकु को स्वर्ग से निष्कासित किए जाने से क्षुब्ध विश्वामित्र ने पृथ्वी-स्वर्ग आदि से मुक्त एक नई समूची सृष्टि की ही अपने तपोबल से रचना प्रारंभ कर दी। उन्होंने कुश, मिट्टी, ऊंट, बकरी-भेड़, नारियल, कोहड़ा, सिंघाड़ा आदि की रचना का क्रम प्रारंभ कर दिया। इसी क्रम में विश्वामित्र ने वर्तमान ब्रह्मा-विष्णु-महेश की प्रतिमा बनाकर उन्हें अभिमंत्रित कर उनमें प्राण फूंकना आरंभ किया। इससे सारी सृष्टि डांवाडोल हो उठी। हर ओर कोहराम मच गया। हाहाकार के बीच देवताओं ने राजर्षि विश्वामित्र की अभ्यर्थना की। महर्षि प्रसन्न हो गए और उन्होंने नई सृष्टि की रचना का अपना संकल्प वापस ले लिया। देवताओं और ऋषि-मुनियों में प्रसन्नता की लहर दौड़ गई। पृथ्वी, स्वर्ग, पाताल सभी जगह इस अवसर पर दीपावली मनाई गई। यही अवसर अब देव दीपावली के रूप में विख्यात है।

कहा जाता है कि वामन अवतार लेने के बाद जब नारायण स्वर्गलोक पहुंचे तो वहां उनका भव्य स्वागत किया गया। देवताओं ने हरि का वैसा ही अभिनंदन किया जैसा कि अयोध्या लौटने पर श्रीराम का हुआ था। जिस दिन भगवान विष्णु स्वर्गलोक पहुंचे वो कार्तिक पूर्णिमा का ही दिन था। वो दिन आज भी देवदीपावली के रूप में मनाया जाता है।

मान्यता है कि भगवान शिव ने जब त्रिपुरासुर नामक दैत्य का वध किया तब स्वर्ग में देवताओं ने देव दीपावली मनाई थी और तभी से इस पर्व को मनाने का चलन है।

जलेंगे एक लाख गोबर के दीये

पर्यटन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक काशी के 84 घाटों पर जनसहभागिता के जरिये दीये जलाए जाएंगे। इस बार गोबर से बने दीये भी जलेंगे। छह लाख दीये घाटों पर और पांच लाख दीये उस पार रेती पर जलेंगे। इसके जरिये गोसंरक्षण की मुहिम को बल मिलेगा। वहीं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम पहल होगी।

बर्फबारी में भी अपने आप खौलता है पानी

गुरुनानक देव जी ने यहां पकाई थी रोटी, मान्यता- शेषनाग के हुंकार से धधक रहा पानी

चंडीगढ़ से कुल्लू जाते हुए रास्ते में लगभग 45 किलोमीटर पहले भुंतर से मणिकर्ण के लिए एक संकरा-सा रास्ता कटता है। पार्वती नदी के किनारे ऊबड़-खाबड़ सड़क से होते हुए मणिकर्ण पहुंचा जा सकता है। यह वही स्थान है जहां गर्म पानी के स्रोत को सिखों के पहले गुरु नानक देव जी ने खोजा था। पार्वती घाटी की गोद और पार्वती नदी के किनारे बसा छोटा सा इलाका है मणिकर्ण। पहाड़ी बाजार से होते हुए जाएं तो रास्ते में जगह-जगह धुंआ दिखता है। दूर से देखने पर लगता है कि किसी ने कुछ जलाया होगा तभी धुंआ उठ रहा है। पास जाकर पता चला कि यह गर्म पानी का प्राकृतिक कुंड है, जहां से धुंआ निकल रहा है। मैंने कुंड के पानी के अंदर हाथ डाला। कुछ ही सेकेंड में हाथ बाहर निकालने पड़े। मान्यता है कि यहां मौजूद गंधकयुक्त गर्म पानी में जो कोई भी स्नान कर ले, उसकी कई बीमारियां, खास तौर से जोड़ों का दर्द ठीक हो जाता है।

पूरे मणिकर्ण में आपको पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग स्नानघर मिलेंगे। यहां मौजूद मंदिरों में से किसी एक में भी आप स्नान कर सकते हैं, जैसे शिव मंदिर या राम मंदिर और विष्णु कुंड, या मणिकर्ण साहिब गुरुद्वारा। मणिकर्ण साहिब गुरुद्वारा यह स्थान हिंदुओं और सिखों दोनों के लिए ही तीर्थ है। गुरुद्वारे से ठीक पहले एक शिवमंदिर है। बल्कि कहें कि मंदिर और गुरुद्वारे की एक ही दीवार है। इस शिवमंदिर का इतिहास अपने आप में अहम है।

शिव मंदिर के पुजारी देवेंद्र भारद्वाज बताते हैं कि सतयुग में 11 हजार साल तक शिव और मां पार्वती ने यहां तपस्या की थी। एक दफा जब मां पार्वती नहा रही थीं तो उनके कान की बाली की एक मणि पानी में जाकर गिर गई। भगवान शिव ने अपने गणों से उस मणि को ढूंढने के लिए कहा। बहुत देर तक ढूंढने के बाद भी मणि नहीं मिली। ऐसे में भगवान शिव नाराज हो गए और उन्होंने अपना तीसरा नेत्र खोल लिया। इससे नैना देवी पैदा हुईं। नैना देवी ने भगवान शिव को बताया कि वह मणि शेषनाग के पास है। देवताओं के कहने पर शेषनाग ने वह मणि तो वापस कर दी, लेकिन इतनी जोर से हुंकार भरी की यहां का पानी गर्म हो गया। इस वजह से यहां का नाम मणिकर्ण पड़ा। पुजारी जी की कहानी से यह मतलब निकला कि शेषनाग के गुस्से की वजह से पानी उबल रहा है!

शिव मंदिर और मणिकर्ण इलाके का नाम कैसे पड़ा यह जानने के बाद गुरुद्वारे का रुख किया। मणिकर्ण साहिब गुरुद्वारा जाने के लिए चार सीढ़ियां उतरकर अंदर ही अंदर एक पतली सी गली है। जैसे ही इस गली के अंदर घुसते हैं लगता है कि सेंट्रलाइज्ड हीटर लगी किसी इमारत के अंदर आए हैं। इतनी तपिश कि फौरन स्वेटर उतार देना पडा। स्वेटर उतारने के बाद भी गर्मी लग रही है। सबसे पहले यहां का लंगर हॉल देखा। लंगर में कढ़ी, काले चने, चावल और रोटी परोसी जा रही है। सुनते हैं कि यह सारा लंगर आग पर नहीं बल्कि पानी पर पका है। लंगर तो खैर हमेशा स्वादिष्ट ही होता है, लेकिन इस लंगर की बात ही कुछ और है। इस मीठे पानी में पके लंगर का स्वाद भी मीठा है। लंगर का स्वाद लेने के बाद चाय पी और फिर गुरुद्वारे की ओर रुख किया। गुरुद्वारे में बाणी हो रही है। पाठ हो रहा है। इस गुरुद्वारे की दीवार पर हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीरें लगी हुई हैं। ऐसा किसी और गुरुद्वारे पर नहीं देखा है। मणिकर्ण साहिब गुरुद्वारे का निर्माण 1940 में नारायण हरि नाम के व्यक्ति ने करवाया था। यहां का लंगर जिस कुंड में पकता है वह मंदिर परिसर में है। इस सात मंजिला गुरुद्वारे में लगभग 3,000 श्रद्धालुओं के रहने की व्यवस्था है। लगभग 200 सेवादार स्थाई तौर पर यहां रहते हैं। सेवादार सिमरण कौर अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद से ही गुरुद्वारा साहिब में ही रहती हैं और सेवा करती हैं। सिमरण कौर बताती हैं-सेवादारों के रहने की व्यवस्था गुरुद्वारे में है। वो सुबह साफ-सफाई से लेकर शौचालय साफ करने और लंगर की सेवा का काम करते हैं। गुरुद्वारे का प्रतिनिधित्व बाबा श्री राम जी कर रहे हैं। उनके ससुर नारायण हरि ने 1940 में इस स्थान की खोज की थी और यहां गुरुद्वारा बनवाया था। वे कहते हैं, 'यहां का खास आकर्षण 94.4 डिग्री पर उबलने

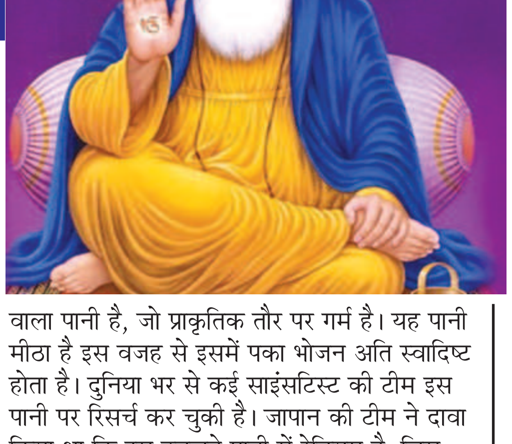

वाला पानी है, जो प्राकृतिक तौर पर गर्म है। यह पानी मीठा है इस वजह से इसमें पका भोजन अति स्वादिष्ट होता है। दुनिया भर से कई साइंसटिस्ट की टीम इस पानी पर रिसर्च कर चुकी है। जापान की टीम ने दावा किया था कि इस उबलते पानी में रेडियम है, जिस वजह से यह पानी उबलता है। रेडियम की वजह से ही यह पानी मीठा भी है।' गुरुद्वारे के ठीक नीचे एक गुफा है। इस गुफा में जाने के लिए अंधेरा संकरा रास्ता है जहां झुककर जाना होता है। यह गुफा भी इतनी गर्म है कि यहां आपके पांव जलने लगते हैं। लगता है कि आप तप रही भट्टी की गोद में बैठ गए हैं। बाहर की सर्दी से बचने के लिए और शांति के लिए लोग इस गुफा में आकर बैठते हैं। बाबा रामजी के मुताबिक सबसे पहले गुरु नानक देव जी ने अपने सेवकों के साथ इस कुंड में खाना पकाया था, इसके बाद से ही खौलते हुए पानी में लंगर बनाने की परंपरा शुरू हुई।

मरदाना को लगी भूख तो गुरु नानक देव जी ने ढूंढा कुंड

सिखों के पहले गुरु नानक देव अपनी यात्राओं के दौरान अपने सेवकों बाला और मरदाना के साथ यहां आए थे। मरदाना को भूख लगी तो उन्होंने गुरु नानक देव जी से कहा कि यहां न आग है और न बर्तन है। गुरु नानक देव जी ने कहा कि आप रोटियां बनाओ और इस पत्थर को यहां से हटा दो। पत्थर हटाने पर मरदाना ने देखा कि वहां से गर्म पानी निकल रहा है। गुरु नानक देव जी ने कहा कि यह रोटियां इस पानी में छोड़ दो। पानी में रोटियां छोड़ने के बाद मरदाना ने देखा कि रोटी डूब गई। मरदाना ने कहा कि अब क्या करें। फिर गुरु नानक देव जी ने कहा कि भगवान का नाम लेकर एक और रोटी पानी में डालो। मरदाना ने वैसा ही किया तो वह रोटी बन गई।

इससे गुरु नानक देव यह संदेश देना चाहते थे कि भगवान का नाम लेकर कोई कुछ देता है तो उसका डूबा हुआ भी तर जाता है। इसी पानी में पूरियां और समोसे भी बनाए जाते हैं। यहां इन समोसे को सिड्डू कहते हैं। इन्हें घी के साथ खाया जाता है। गुरु नानक देव जी ने यहां सिड्डू बनाकर खाया था। मान्यता यह भी है कि गुरु नानक देव जी ने इस मीठे पानी को खोजा और इसमें खाना पकाया था इसलिए ही यहां बना खाना स्वादिष्ट और मीठा होता है।

नागिन, जानी-दुश्मन और इंतकाम जैसी फिल्मों के डायरेक्टर राजकुमार कोहली का 93 की उम्र में निधन

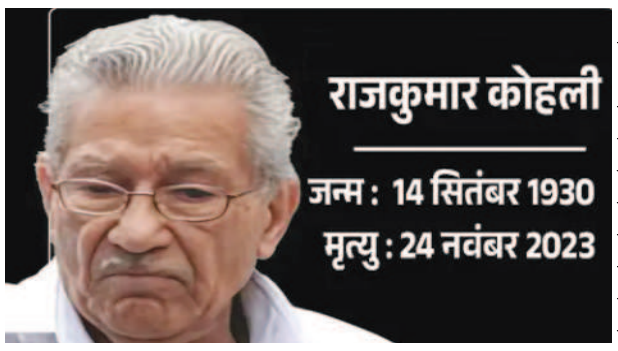

वेटरन फिल्ममेकर राजकुमार कोहली का 93 साल की उम्र में निधन हो गया है। शुक्रवार की सुबह 8 बजे हार्ट अटैक से उनकी मौत हुई। वे अपने घर के बाथरूम में मृत पाए गए। सूत्रों का कहना है, राजकुमार सुबह नहाने के लिए बाथरूम गए थे। बहुत समय बीत जाने के बाद भी जब वे नहा कर बाहर नहीं आए, तो उनके बेटे अरमान बाथरूम का दरवाजा तोड़ अंदर गए। बेसुध पड़े राजकुमार को फिर तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनका अंतिम संस्कार आज शाम उनके निवास स्थान से होगा। उन्हें आखिरी बार सलमान खान की फिल्म प्रेम रतन धन पायो में देखा गया था।

एक्टर अरमान कोहली के पिता थे

राजकुमार कोहली एक्टर अरमान कोहली के पिता थे। उन्होंने अरमान को मल्टी-स्टारर एक्शन फिल्म विद्रोही से लॉन्च किया था। इसके बाद उनकी डायरेक्शन में बनी तीन और फिल्में औलाद के दुश्मन, कहार और जानी दुश्मनः एक अनोखी कहानी रिलीज हुई थीं। हालांकि, ये चारों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से पिट गई थीं।

इस तरह से 'एनिमल' के खलनायक बने बॉबी देओल, खुलासा करते हुए बोले- बेरोजगारी के दिन भी काम आ गए

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'एनिमल' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। बीते दिन गुरुवार, 23 नवंबर को फिल्म का धांसू ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसे देखने के बाद से फैंस का उत्साह और बढ़ गया है। ट्रेलर में रणबीर कपूर के साथ-साथ बॉबी देओल का भी खूंखार अवतार देखने को मिला। वहीं दिल्ली में आयोजित फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बॉबी देओल ने खुलासा किया कि उन्हें यह भूमिका कैसे मिली।

बॉबी ने कहा, "मुझे काम ही नहीं मिल रहा था, लगा नहीं था कि ऐसा किरदार मुझे मिल सकता है। एक दिन मुझे संदीप रेड्डी वांगा का मैसेज आया। उन्होंने कहा कि मैं आपसे मिलना चाहता हूं तो मैंने बोला यार क्या यह सच है वे असली संदीप ही हैं या कोई मस्ती तो नहीं कर रहा? मैंने पता किया तो पता चला कि यह तो संदीप रेड्डी वांगा ही हैं। मैंने तुरंत फोन लगाया और कहा कि चलो मिलते हैं।"

बॉबी देओल ने आगे बताया कि हम मिले उन्होंने मुझे एक तस्वीर दिखाई। उनके पास एक फोटो थी, जब मैं ज्यादा कुछ काम नहीं कर रहा था, लेकिन मैं सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग खेलता था। वहां एक फोटो खिंच गई थी, जहां मैं कहीं दरवाजा ढूंढ रहा था। उन्होंने तस्वीर दिखाते हुए कहा कि मैं आपको इसके लिए फिल्म में लेना चाहता हूं, क्योंकि आपकी यह जो फोटोग्राफ है, इसमें जो आपकी अभिव्यक्ति है, वो मुझे चाहिए। मैंने कहा चलो बेरोजगारी के दिन काम आ गए।

'एनिमल' में बॉबी देओल खलनायक के किरदार में नजर आएंगे। बॉबी के इस लुक ने उनकी खलनायकी में चार चांद लगा दिए हैं। ट्रेलर में बॉबी की बहुत छोटी सी झलक दिखाई गई है, लेकिन वही ट्रेलर में जान डालने के लिए काफी है। ट्रेलर में देखने को मिला था कि अपने पिता अनिल कपूर के प्यार में रणबीर कपूर जानवर बन जाते हैं, जिसके बाद उनका मुकाबला बॉबी देओल से होता है।

वहीं, फिल्म के रिलीज की बात करें तो संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म एक दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। 'एनिमल' में रणबीर कपूर के साथ अनिल कपूर, बॉबी देओल और रश्मिका मंदाना समेत कई दिग्गज सितारों ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं।

पर्दे पर साथ नजर आएंगे रणबीर कपूर और प्रभास? निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने दिया संकेत

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी फिल्म 'एनिमल' का ट्रेलर जारी हो चुका है। रणबीर कपूर अभिनीत यह फिल्म अगले महीने पहली तारीख को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस बीच रणबीर कपूर को लेकर एक खबर यह भी वायरल हो रही है कि वह आने वाले वक्त में साउथ सुपरस्टार प्रभास के साथ स्क्रीन साझा करते नजर आ सकते हैं। दोनों स्टार्स के साथ आने की खबर असल में संदीप रेड्डी वांगा से पूछे गए एक सवाल के बाद तैर रही है।

हाल ही में 'एनिमल' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना और बॉबी देओल के अलावा निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा भी उपस्थित रहे।

इस दौरान संदीप रेड्डी वांगा से पूछा गया कि जैसे 'स्पाईवर्स' और 'कॉपवर्स' बॉलीवुड में नए चलन बन गए हैं, क्या इस तर्ज पर आने वाले वक्त में रणबीर कपूर की 'एनिमल' और प्रभास की 'स्पिरिट' भी एक साथ आ सकती हैं।

रणबीर कपूर ने भी बड़ी उत्सुकता के साथ संदीप से इस सवाल का जवाब जानना चाहा और पूछा कि 'क्या 'एनिमल' और 'स्पिरिट' साथ आ सकते हैं'? इस पर निर्देशक ने जवाब दिया, 'फिलहाल सोचा तो नहीं है, लेकिन अगर ऐसा कुछ होगा तो बताऊंगा'। बता दें कि रणबीर की 'एनिमल' के साथ-साथ प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' का निर्देशन भी वही कर रह हैं। इसमें प्रभास एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में होंगे।

संदीप रेड्डी वांगा की तरफ से यह तो स्पष्ट कर दिया गया है कि फिलहाल तो दोनों सितारों को साथ लाने की उनकी कोई तैयारी नहीं है।

लेकिन, भविष्य में इसकी संभावनाएं जरूर हैं। बात करें 'एनिमल' की तो इस फिल्म में अनिल कपूर भी नजर आएंगे। वे रणबीर के पिता की भूमिका में दिखेंगे। उनके अलावा साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं।

हाल ही में संदीप रेड्डी वांगा ने खुलासा किया कि उन्हें यह फिल्म बनाने में तीन साल से अधिक समय लगा है। साथ ही

उन्होंने फिल्म में रणबीर कपूर के काम की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने रणबीर की तुलना कमल हासन और हॉलीवुड स्टार अल पचिनो, रॉबर्ट डी नीरो से की।

कॉमेडी और लव स्टोरी फिल्मों में काम करने को बेकरार हैं सेलिना, मगर इस बात को लेकर हैं चिंतित

अभिनेत्री सेलिना जेटली आज अपना 42वां जन्मदिन मना रही हैं। 'नो एंट्री' 'सी कंपनी' और 'मनी है तो हनी है' जैसी फिल्मों में नजर आईं अभिनेत्री इन दिनों अपने पति और तीनों बच्चों के साथ ऑस्ट्रिया में रह रही हैं। सेलिना जेटली हाल ही में अपने करियर और इंडस्ट्री में कमबैक को लेकर बात करती नजर आईं। इस दौरान उन्होंने कॉमेडी और लव स्टोरीज पर आधारित फिल्मों में काम करने की इच्छा जाहिर की।

शॉर्ट फिल्म की सफलता पर जताई खुशी

हाल ही में एक मीडिया वेबसाइट के साथ बातचीत के दौरान सेलिना ने अपनी अभिनय यात्रा पर बात की। सेलिना जेटली ने अभिनय की दुनिया में वापसी को लेकर भी बात की और इस पर खुशी जाहिर की। अभिनेत्री ने कहा कि कोविड लॉकडाउन के बीच भी उनकी शॉर्ट फिल्म 'सीजन्स ग्रीटिंग्स' की सफलता ने उन्हें वापसी के लिए प्रेरित किया है।

स्क्रिप्ट की कमी पर जताई चिंता

सेलिना ने आगे कहा कि उन्होंने कभी अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में फिल्मफेयर पुरस्कार की कल्पना नहीं की थी, लेकिन 'सीजन्स ग्रीटिंग्स' ने उन्हें यह मौका दिया। बता दें कि 'सीजन्स ग्रीटिंग्स' के लिए सेलिना को कैलिफोर्निया में 9वें सर्वश्रेष्ठ शॉर्ट्स फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कृत किया गया था। बातचीत के दौरान सेलिना ने बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में अलग हटकर और अपरंपरागत स्क्रिप्ट की कमी पर भी चिंता जाहिर की।

लोगों को चाहती हैं हंसाना

सेलिना का कहना है कि कॉमेडी और लव स्टोरी वाली ऐसी स्क्रिप्ट नहीं हैं, जो अलग हटकर हों और शानदार हों। अभिनेत्री ने कहा कि अधिकांश स्क्रिप्ट्स में क्राइम और हिंसा का बोलबाला है। वह कॉमेडी फिल्मों के जरिए लोगों को हंसाना चाहती हैं और लव स्टोरीज के जरिए दिलों की धड़कन बढ़ाना चाहती हैं।

दिशा पाटनी को डांस व अच्छा खाना पसंद

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी ने अपनी फिल्मी करियर के साथ-साथ अपनी खूबसूरती और प्रभावशाली प्रदर्शन से लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। वह आजकल चर्चा में हैं और उनके बारे में जानने की उत्सुकता बढ़ रही है। इसलिए, यहां हम आपके लिए दिशा पाटनी के संबंधित 10 जानने योग्य तथ्य पेश कर रहे है।

दिशा पाटनी, एमिटी यूनिवर्सिटी, लखनऊ की स्कॉलर थीं जहां उन्होंने कंप्यूटर साइंस में बी.टेक किया है। उन्होंने स्वयं द्वारा विकसित अपना एक ऐप लॉन्च किया है, जिसके माध्यम से वह अपने प्रशंसकों के साथ प्रतिदिन वार्तालाप करती हैंदिशा पाटनी ने अपने कंप्यूटर साइंस में बी.टेक में अत्यधिक उत्कृष्टता प्रदर्शित की थी। इससे पहले की फिल्मी करियर, उन्होंने एक सफल सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्य किया था। दिशा पाटनी की फिल्म "भारत" ने उन्हें बॉलीवुड में सफलता पाने में सहायता की। उन्होंने इस फिल्म में सलमान खान के साथ काम किया और अपनी प्रशंसक बढ़ाने में कामयाब रही है।

दिशा पाटनी एक हिंदी सिनेमा की जानी-मानी अदाकारा हैं। उन्होंने अपने लुक्स और स्टाइल के कारण बड़ी पहचान बनाई है। 2013 में उन्होंने मिस इंडिया फेमिना प्रतियोगिता में पहली उपविजेता की पदवी हासिल की थी। इस प्रतियोगिता के बाद से उनकी करियर में तेजी से उछाल आई और उन्होंने अपनी प्रतिभा और कामयाबी से लोकप्रियता प्राप्त की। उन्होंने बॉलीवुड फ़िल्म इंडस्ट्री में अपनी छाप छोड़ी है और विभिन्न फ़िल्मों में महत्वपूर्ण भूमिकाओं को निभाया है।

वह टाइगर श्रॉफ के साथ फ़िल्म "बागी" में श्रद्धा कपूर की भूमिका निभाने की चर्चा में थीं। हालांकि, अंततः, यह भूमिका श्रद्धा कपूर को ही सौंपी गई। दिशा ने इस बात का स्पष्टीकरण किया कि वह निराश नहीं हुईं और उन्होंने इसे केवल अपनी करियर का एक छोटा चरण माना है। दिशा पाटनी जो बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुकी हैं। उन्होंने अपनी पहली फ़िल्म 'एम.एस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' के माध्यम से बॉलीवुड के 100 करोड़ क्लब में शामिल होने का गर्व महसूस किया है। इस फ़िल्म ने करीब 129 करोड़ रुपये की कमाई की, जिससे यह बॉलीवुड की दूसरी सबसे अधिक कमाई करने वाली बायोपिक बन गई है।

यह फ़िल्म भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर आधारित है और दिशा पाटनी ने इसमें पत्नी के किरदार में बहुत अच्छी प्रदर्शन किया हैं। इससे पहले उन्होंने टेलीविजन के कुछ सीरियल में काम किया था, लेकिन इस फ़िल्म ने उन्हें बॉलीवुड में अच्छी पहचान दिलाई है। दिशा पाटनी की प्रतिभा और अदाकारी को देखते हुए, उन्हें आगे कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स मिल रहे हैं और उम्मीद है कि वे और अधिक सफलता प्राप्त करेंगी।

बेफ़िक्रा गीत में एक साथ चित्रण किए जाने के बाद दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ के प्रेम सम्बन्ध की अफवाहें फैली गईं। लोगों के बीच यह खबर गर्मी और उत्साह का कारण बनी, क्योंकि ये दो सुंदर और प्रशंसनीय कलाकारों के बारे में हमेशा से रहस्यमय थीं। दिशा और टाइगर की चेमिस्ट्री उनके चार्टबस्टर गाने में दिखी, जिसने लोगों को वाकई मोह लिया।

हालांकि, हाल ही में इस अफवाह की सत्यता सोशल मीडिया पर पोस्ट करके इसे इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे टाइगर के साथ सिर्फ़ करीबी दोस्त हैं और कोई भी रोमांटिक संबंध नहीं है। यह सब गलत है। दिशा पटानी एक फिटनेस फ्रीक कहलाती हैं जिसका अर्थ है कि वह अपनी सेहत और फिटनेस के प्रति अत्यधिक ध्यान देती हैं। उनकी शारीरिक सौंदर्यता और बेहतर स्वास्थ्य का रहस्य है उनके नियमित व्यायाम, आहार और व्यक्तिगत देखभाल की अनुपालना।

विक्रम स्वैनहैं के द्वारा प्रदान की जाने वाली ट्रेनिंग दिशा और टाइगर को उच्च स्तर की शारीरिक ताकत, समर्थक और सुगठित मांसपेशियों, और उनकी शारीरिक प्रतिस्पर्धा में मदद करती हैं। इसके अलावा, विक्रम स्वैनहैं उन्हें उचित आहार, पोषण और व्यक्तिगत फिटनेस रणनीतियों के बारे में भी सलाह देते हैं।

दिशा पाटनी बॉलीवुड में प्रमुखता से आने से पहले अपनी कई यादगार कमर्शियल ऐड फ़िल्में की हैं। उन्होंने विभिन्न उद्योगों के लिए ऐड्स फ़िल्में की हैं, जो बाजार में अपनी पहचान बना रही हैं। इनमें से कुछ मशहूर उदाहरण हैं, जिन्होंने उन्हें दर्शकों के दिलों में बसने में मदद की है।

दिशा पटानी ने जैकी चैन के साथ फ़िल्म "कुंग फू योगा" में भी अभिनय किया था। यह फ़िल्म 2017 में चीन में रिलीज़ हुई थी और उस समय यह चीन में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कॉमेडी फ़िल्म बन गई थी।

फ़िल्म में दिशा पटानी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वह एक चीनी लड़की का किरदार निभाती है जो जैकी चैन के साथ मित्रता और सहयोग का रिश्ता बनाती है। उनकी मिलकर चुपचापी और मस्ती भरी कॉमेडी अभिनय का दर्शन किया जाता है। दिशा पटानी ने अपने अभिनय के माध्यम से दर्शकों को हंसाने और मनोरंजित करने का काम किया है।

दिशा पाटनी को रात में दोस्तों के साथ घूमना काफ़ी पसंद है और उन्हें अपने दोस्तों के साथ रात में घूमते हुए देखा भी गया है। नाईट आउट्स के दौरान वह कार चलाना पसंद करती हैं। "दिशा पाटनी को रात्रि में दोस्तों के साथ घूमना बहुत पसंद है और उन्हें अपने दोस्तों के साथ रात्रि में घूमते हुए भी देखा गया है। रात्रि आउट्स के दौरान वह कार चलाने का भी शौक़ है।"

उन्हें खाना खाने का बहुत शौक है और वह विभिन्न व्यंजनों का आनंद लेती हैं। वह अलग-अलग खाद्य सामग्री से विभिन्न पकवान बनाने में माहिर हैं। वह खाने की खुशबू, स्वाद और उसकी बनावट को बहुत महत्व देती हैं। उन्हें डांस करना भी बहुत पसंद है और वह एक तानातनी डांसर हैं। उन्होंने अपने डांस कौशल को मान्यता प्राप्त करने के लिए कठिनाइयों का सामना किया है, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने अपने डांस के कुछ विडियो बनाए हैं और उन्हें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया है। यह वीडियो उनके फॉलोअर्स के बीच काफी प्रसिद्ध हुए हैं और उन्हें इससे बहुत खुशी मिली है।

हाल ही में, उन्होंने अपने नए डांस वीडियो के लिए 'शेप ऑफ यू' नामक एक वीडियो पर डांस करते हुए एक वीडियो बनाया है। इस वीडियो में उनके आंतरिक तानातनी, कला और गतिविधि को प्रदर्शित किया गया है। वह अपने शानदार डांस मूव्स के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध करती हैं। उनके डांस की गतिविधा, अभिव्यक्ति और स्टाइल काफी अद्भुत हैं। यह वीडियो उनके फॉलोअर्स को गहराई से प्रभावित करता है और उन्हें उनकी कला के प्रति और भी अधिक प्यार और सम्मान मिलता है।

इस इंटरव्यू में दिशा ने अपने बारे में एक महत्वपूर्ण खुलासा किया था। उन्होंने बताया कि उन्हें ट्रेनिंग के दौरान एक दुर्घटना का सामना करना पड़ा था, जिसके कारण उनकी छह महीने की याददाश्त चली गई थी। वह बताती हैं कि ट्रेनिंग के दौरान, जब वह कंक्रीट की छत पर प्रशिक्षण ले रही थीं, तो उन्हें एक हादसे का सामना करना पड़ा। इस हादसे में, उन्हें सिर के बल गिर जाने का अनुभव हुआ। यह घटना उनकी याददाश्त को गंभीर रूप से प्रभावित कर दिया और उन्हें छह महीने तक कुछ भी याद नहीं रहा।

विक्की कौशल ने मसान के शूटिंग दिनों को किया याद

बताया- बिना अनुमति शूट किया था फिल्म का सीन

बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सैम बहादुर' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। विक्की फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त चल रहे हैं। विक्की ने हाल ही में याद किया कि उन्होंने कैसे फिल्म 'मसान' में एक महत्वपूर्ण सीन शूट किया था। नीरज घेवान के निर्देशन में बनी फिल्म 'मसान' ने अपने अभिनय करियर की पारी शुरु की थी। एक बातचीत के दौरान विक्की ने कहा कि इंडी फिल्म में ज्यादातर सीन को गुरिल्ला शैली में शूट किया जाता। इसका मतलब है कि उनके पास अधिकारियों से उचित अनुमति नहीं थी। फिर भी गुप्त रूप से उन्हें फिल्म के लिए वह फुटेज मिल गया था।

विक्की ने मसान के शूटिंग दिनों को किया याद

विक्की कौशल ने खुलासा किया कि एक दृश्य है, जिसमें विक्की का किरदार नदी में एक अंगूठी फेंकता है। वह सीन सिर्फ निर्देशक नीरज और सिनेमैटोग्राफर अविनाश अरुण की उपस्थिति में अचानक शूट किया गया था।

उन्होंने बताया कि उस समय उनके पास इतने कम पैसे थे कि वह अपने कुछ कपड़े अपने सूटकेस में ले जाते थे। अभिनेता ने बताया कि 'दुख कहे खत्म नहीं होता' सीन में उन्हें रोना नहीं था। नीरज ने एक सीन शूट किया जिसमें आंशू स्क्रिप्टेड थे। क्योंकि उनके पास खुद के लिए कुछ समय था। इसलिए नीरज घेवान ने फैसला किया कि उन्हें उनके रोने के बिना दूसरा सीन चाहिए।

इस तरह शूट किया था फिल्म का एक सीन

नीरज घेवान ने विक्की से होटल से उनके कपड़े लाने के लिए कहा और अविनाश ने एक स्ट्रीट लैंप के नीचे एक छोटे डिजिटल कैमरे के साथ शॉट सेट किया। अपने सामान की देखभाल के लिए एक स्थानीय बच्चे को नियुक्त किया। विक्की ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'वह वास्तव में प्रोडक्शन मैन बन गया था।' अभिनेता ने याद करते हुए कहा कि कैसे नीरज ने अपनी पहनी हुई सफेद टी-शर्ट उतार दी और उसे विक्की के चेहरे पर रोशनी डालने के लिए उस रिफ्लेक्टर के रूप में इस्तेमाल किया था।

2015 कान्स में हुआ था मसान का प्रीमियर

विक्की ने कहा, 'वह दृश्य फिल्म में है, और हमने इसे बिना सोचे-समझे शूट करने का फैसला किया, कोई टीम नहीं, कोई मेकअप नहीं, केवल हम तीन थे।' 2015 कान्स फिल्म फेस्टिवल में मसान का प्रीमियर हुआ था।

कुछ महीनों बाद फिल्म को रिलीज किया गया था। समीक्षकों ने फिल्म की खूब प्रशंसा की थी। बता दें कि विक्की अगली स्टारर 'सैम बहादुर' एक दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का रणबीर कपूर स्टारर एनिमल से मुकाबला होगा।

हार्दिक पांड्या और एम एस धोनी के बाद रिंकू सिंह के धुआंधार प्रदर्शन के बाद आया बड़ा बयान

रिंकू सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापट्टनम में खेले गए पहले टी20 मैच में काफी जबरदस्त बल्लेबाजी की और टीम को मैच जिताया। इसके बाद से ही उनकी काफी तारीफ हो रही है। वहीं पूर्व क्रिकेटर अभिषेक नायर ने रिंकू सिंह की तुलना दिग्गजों से की है। उनके मुताबिक एम एस धोनी और हार्दिक पांड्या के बाद रिंकू सिंह भारत के नए फिनिशर हैं।

भारतीय टीम ने विशाखापट्टनम में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को रोमांचक तरीके से दो विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर 208 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने इस टार्गेट को 19.5 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस मैच में सूर्यकुमार यादव ने काफी जबरदस्त पारी खेली और 42 गेंद पर 9 चौके और 4 छक्के की मदद से 80 रन बनाए। हालांकि टीम को जीत दिलाने में रिंकू सिंह का योगदान काफी

अहम रहा, जिन्होंने निचले क्रम में आकर 14 गेंद पर 22 रनों की पारी खेली।

रिंकू सिंह बेहतरीन फिनिशर बन चुके हैं - अभिषेक नायर

रिंकू सिंह के इस पारी की अभिषेक नायर ने काफी तारीफ की। उन्होंने मैच के बाद जियो सिनेमा पर बातचीत के दौरान कहा, रिंकू सिंह ने डोमेस्टिक क्रिकेट और आईपीएल में भी ये कारनामा किया है। वहीं भारतीय टीम को तीसरी बार उन्होंने इस तरह से मैच जिताया है। भारतीय टीम को उनसे स्पेशल पारी की जरूरत थी और उन्होंने ऐसा कर दिखाया। उन्होंने 5-7 साल से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला है लेकिन मैच्योरिटी काफी ज्यादा है। इससे पता चलता है कि फिनिशिंग में उन्हें महारत हासिल है। ये आसान नहीं होता है और हार्दिक और एम एस धोनी ने हमारे लिए ये काम किया है। हालांकि इनके बाद हमारे पास ऐसा कोई ऑप्शन नहीं था जो फिनिशर का रोल अच्छी तरह से निभा सके। रिंकू सिंह अब वो काम कर रहे हैं।

सूर्यकुमार यादव ने टी-20 क्रिकेट में जड़ा 'अनोखा शतक', किरोन पोलार्ड का तोड़ डाला रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच बनकर दर्ज की बड़ी उपलब्धि, रोहित शर्मा को इस मामले में पछाड़ा

विशाखापट्नम में खेले गए 5 मैचों की T20I सीरीज के पहले मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर 1-0 की बढ़त बनाई। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने बड़ी जीत दर्ज की और T20I फॉर्मेट में अपना सबसे बड़ा टारगेट हासिल किया। भारतीय टीम को जीत दिलाने में कप्तानी का डेब्यू करने वाले सूर्यकुमार यादव का अहम योगदान रहा, जिन्होंने एक बेहतरीन पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी जीता। इस अवार्ड के साथ ही सूर्यकुमार T20I फॉर्मेट में तीसरे सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच चुने जाने वाले खिलाड़ी बने। उन्होंने नियमित भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को पीछे छोड़ा।

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 209 का लक्ष्य दिया था। जवाबी पारी में भारत के दोनों ओपनर सस्ते में आउट हो गए थे लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने आक्रामक अंदाज से पारी को संभाला। इशान किशन (58) के साथ तीसरे विकेट के लिए 112 रन जोड़ते हुए सूर्यकुमार ने भारत को मजबूत स्थिति में पहुँचाया और खुद 42 गेंदों में 80 रन बनाकर आउट हुए। बाद में भारत ने एक गेंद शेष रहते मुकाबला अपने नाम किया

सूर्यकुमार यादव बने T20I में तीसरे सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड जीतने वाले खिलाड़ी

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जो इस फॉर्मेट में सिर्फ 54 मैचों में उनका 13वां अवार्ड है। उन्होंने सबसे ज्यादा बार इस अवार्ड जीतने के मामले में तीसरे स्थान पर जगह बनाई और रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 148 T20I में 12 बार यह अवार्ड जीता है। वहीं, अगर T20I में सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड जीतने वाले खिलाड़ियों की बात करें, तो टॉप पर भारत के विराट कोहली और दूसरे स्थान पर अफगानिस्तानी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी हैं। विराट ने 115 मैचों में 15 बार और नबी ने 109 मैचों में 14 बार प्लेयर ऑफ द मैच बनने की उपलब्धि हासिल की।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने गुरुवार को पहले मैच में एक अनोखा शतक जमाकर वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान किरोन पोलार्ड का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। विशाखापट्टनम में खेले गए मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करके निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 208 रन बनाए। जवाब में भारत ने 19.5 ओवर में 8 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया।

भारत की जीत के हीरो कप्तान सूर्यकुमार यादव रहे, जिन्होंने केवल 42 गेंदों में 9 चौके और चार छक्के की मदद से 80 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव ने इस दौरान टी20 इंटरनेशनल प्रारूप में नंबर-3 या उससे नीचे आकर खेलते हुए 100 छक्के लगाने की उपलब्धि हासिल की। इस तरह का कारनामा करने वालों की लिस्ट में भारतीय खिलाड़ी चौथे स्थान पर काबिज है। सूर्यकुमार यादव ने केवल 47 पारियों में 100 छक्के पूरे किए। उन्होंने वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान किरोन पोलार्ड का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 83 पारियों में 99 छक्के लगाए थे। नंबर-3 या नीचे आकर टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के जमाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन के नाम दर्ज है। मोर्गन ने 107 पारियों में 120 छक्के जमाए हैं। वहीं, भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली 106 छक्कों के साथ इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर काबिज हैं। दक्षिण अफ्रीका के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज डेविड मिलर 98 पारियों में 105 छक्के के साथ इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर जमे हुए हैं।

इशान किशन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली जीत के बाद इन दो खिलाड़ियों की जमकर की तारीफ

भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापट्टनम में खेले गए पहले टी20 मैच में काफी रोमांचक तरीके से जीत हासिल की और इसको लेकर टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इस मैच में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दो खिलाड़ियों मुकेश कुमार और कप्तान सूर्यकुमार यादव की काफी आलोचना की।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत में सूर्यकुमार यादव और मुकेश कुमार का काफी अहम योगदान रहा। मुकेश कुमार को विकेट तो कोई नहीं मिला लेकिन अपने चार ओवरों के स्पेल में उन्होंने सिर्फ 29 रन दिए। मुकेश कुमार ने आखिरी ओवर में काफी जबरदस्त यॉर्कर डाले। वहीं इस इस मैच में सूर्यकुमार यादव ने भी काफी जबरदस्त पारी खेली और 42 गेंद पर 9 चौके और 4 छक्के की मदद से 80 रन बनाए।

इशान किशन ने मुकेश कुमार और सूर्यकुमार यादव को लेकर दिया बयान

मैच के बाद जियो सिनेमा पर बातचीत के दौरान इशान किशन ने मुकेश कुमार और सूर्यकुमार यादव को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा,गेंदबाजों ने काफी शानदार काम किया। पहले हम दबाव में थे लेकिन मुकेश कुमार को क्रेडिट जाता है, जिन्होंने इतनी बेहतरीन गेंदबाजी की। सूर्या भाई को क्रेडिट जाता है, जिन्होंने इतना बेहतरीन तरीके से खेला। वो गेंदबाजों के ऊपर अटैक करके खेल रहे थे। जिस गेंद पर मैं आउट हुआ, उस पर उन्होंने सिंगल लेने के लिए कहा था। रिंकू सिंह का प्रदर्शन भी काफी अच्छा रहा।

आपको बता दें कि भारतीय टीम ने विशाखापट्टनम में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को रोमांचक तरीके से दो विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर 208 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने इस टार्गेट को 19.5 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

आपको बता दें कि भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है और सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम जरूर इस सीरीज को अपने नाम करना चाहेगी।

दक्षिण अफ्रीका ने दिग्गज महिला खिलाड़ी को बनाया तीनों फॉर्मेट में कप्तान, बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए स्क्वाड भी घोषित

दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी खिलाड़ी लॉरा वोल्वार्ट को आधिकारिक तौर पर तीनों फॉर्मेट में टीम का कप्तान बना दिया गया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश के खिलाफ अगले महीने से शुरू होने वाली T20I सीरीज के स्क्वाड की भी घोषणा कर दी। स्क्वाड में 15 खिलाड़ियों को चुना गया है और तीनों फॉर्मेट के कप्तान के तौर पर वोल्वार्ट की यह पहली चुनौती होगी।

24 वर्षीय वोल्वार्ट दक्षिण अफ्रीका के लिए तीनों ही फॉर्मेट में खेल चुकी हैं। उन्होंने एक टेस्ट, 86 वनडे और 59 T20I में अपने देश का प्रतिनिधत्व किया है। उनके नाम टेस्ट में 32, वनडे में 3421 और T20I में 1313 रन दर्ज हैं।

लॉरा वोल्वार्ट को सुने लूस के कप्तानी छोड़ने के बाद कार्यवाहक कप्तान नियुक्त किया गया था। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान और

न्यूजीलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीकी टीम का प्रतिनिधित्व किया था। दोनों ही टीमों के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में दक्षिण अफ्रीका ने 2-1 से जीत दर्ज की थी।

बांग्लादेश के खिलाफ T20I सीरीज लॉरा वोल्वार्ट के लिए आसान नहीं होगी, क्योंकि टीम के स्क्वाड से सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाली कुछ अहम खिलाड़ी गैरमौजूद रहेंगी। तेज गेंदबाज अयाबोंगा खाका घुटने की चोट के कारण नहीं खेल पाएंगी। वहीं ऑलराउंडर क्लो ट्रायन ग्रोइन इंजरी का शिकार हो गई हैं, जबकि नदीन डी क्लर्क को साइड स्ट्रेन की समस्या है। इसके अलावा अनुभवी ऑलराउंडर मरिजाने कैप को आराम दिया गया है और वो वनडे सीरीज में वापसी करेंगी।

सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 और दक्षिण अफ्रीका की इमर्जिंग खिलाड़ी अयंदा हलुबी और एलिज़-मारी मार्क्स को पहली बार छोटे प्रारूप में अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ 3 मैचों की T20I सीरीज की शुरुआत 3 दिसंबर से बेनोनी में होगी। इसके बाद आखिरी दो मुकाबले क्रमशः 6 और 8 दिसंबर को किमबर्ले में खेले जायेंगे। वहीं, वनडे सीरीज 16 से 20 दिसंबर के बीच खेली जाएगी।

बांग्लादेश के खिलाफ T20I सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम

लॉरा वोल्वार्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तजमीन ब्रिट्स, एनेरी डर्कसेन, माइक डी रिडर, लारा गुडऑल, अयांडा हलुबी, सिनालो जाफ्ता, मसाबाटा क्लास, सुने लूस, एलिज़-मारी मार्क्स, नोनकुलुलेको एमलाबा, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो शांगसे, डेल्मी टकर।

टी20 अंतर्राष्ट्रीय में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले 2 भारतीय खिलाड़ी

टी20 क्रिकेट को लोग काफी पसंद करते हैं। इसमें फैंस को खूब चौके-छक्के देखने को मिलते हैं और इसी वजह से इस फॉर्मेट को काफी पसंद किया जाता है। आईपीएल समेत दुनिया भर में टी20 लीग की शुरुआत ने इस फॉर्मेट को काफी लोकप्रिय बना दिया है।

2007 में टी20 का पहला वर्ल्ड कप खेला गया था और उसे भारतीय टीम ने जीता था। उसके बाद से लगातार टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन होता रहा है और इस फॉर्मेट ने काफी सफलता हासिल की है। किसी भी टीम के दौरे में टी20 सीरीज का आयोजन जरूर होता है। आजकल लोगों के पास समय काफी कम है और इस फॉर्मेट में उन्हें कम समय में रोमांचक मैच देखने को मिल जाते हैं।

जैसे-जैसे टी20 क्रिकेट आगे बढ़ा है, वैसे-वैसे इसको स्टार खिलाड़ी भी मिलते गए हैं। कई खिलाड़ियों ने अभी तक इस फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन कर मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता है। शाहिद अफरीदी, क्रिस गेल, ड्वेन ब्रावो और ग्लेन मैक्सवेल जैसे प्लेयर टी20 के माहिर माने जाते हैं। वहीं भारतीय खिलाड़ी भी कम नहीं हैं। इस फॉर्मेट में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन लाजवाब रहा है। खासकर बल्लेबाजों ने शानदार खेल दिखाया है।

रोहित शर्मा भारतीय टीम के जबरदस्त सलामी बल्लेबाज हैं। उन्होंने अभी तक टी20 क्रिकेट में कई मैच अपने दम पर

जिताए हैं। वो इस फॉर्मेट में कई शतक भी जड़ चुके हैं। रोहित शर्मा 2007 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे।

वो अभी तक कुल 148 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं और इस दौरान 139.24 की स्ट्राइक रेट से 3853 रन बना चुके हैं। उन्होंने अपने टी20 करियर में कुल 4 शतक जड़े हैं, इससे पता चलता है कि वो इस फॉर्मेट के कितने बड़े प्लेयर हैं। रोहित शर्मा अभी तक कुल 12 बार मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड अपने टी20 करियर में जीत चुके हैं।

विराट कोहली- 15 मैन ऑफ द मैच अवॉर्डविराट कोहली एक जबरदस्त बल्लेबाज हैं।

विराट कोहली एक जबरदस्त बल्लेबाज हैं।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली क्रिकेट के सभी प्रारूप में माहिर माने जाते हैं। शायद ही वर्तमान क्रिकेट में कोहली जैसा कोई बल्लेबाज़ है, जो तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता रखता है। कोहली ने 115 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलकर 52.73 की औसत और 137.96 की स्ट्राइक रेट से 4008 रन बनाए हैं। कोहली के नाम टी20 क्रिकेट में अनेकों रिकॉर्ड दर्ज हैं। विराट कोहली ना केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा मैन ऑफ द मैच जीतने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अभी तक 15 मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड अपने नाम किए हैं।

रोहित शर्मा और विराट कोहली को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए चुना जाना चाहिए : वसीम अकरम

आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 का समापन हो गया है और अब अगले साल T20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन होना है। इसके लिए अभी से चर्चा का दौर शुरू हो गया है कि भारत के रोहित शर्मा और विराट कोहली को आगामी आईसीसी टूर्नामेंट का हिस्सा होना चाहिए या नहीं। पिछले वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल के बाद से, इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों ने भारत के लिए सबसे छोटे फॉर्मेट में एक भी मैच नहीं खेला है। इसी वजह से इनके भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालाँकि, पाकिस्तानी दिग्गज वसीम अकरम ने इन दोनों के ही अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप में चुने जाने की बात कही।

विराट कोहली और रोहित शर्मा T20I के में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वहीं, रोहित के नाम सबसे ज्यादा T20I मैच खेलने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। हालाँकि, पिछले साल के वर्ल्ड कप के बाद से इन दोनों ही खिलाड़ियों ने वनडे पर ध्यान लगाया था और छोटे फॉर्मेट की एक भी सीरीज में हिस्सा नहीं लिया था। वसीम अकरम ने कहा, T20 वर्ल्ड कप में अब कुछ ही महीने बचे हैं।

मैं दोनों को चुनूंगा। वे भारत के लिए मुख्य खिलाड़ी होंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है। T20 में आपको थोड़े अनुभव की जरूरत होती है। आप केवल युवा लड़कों पर भरोसा नहीं कर सकते।

गौरतलब हो कि हाल ही में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप में इन दोनों ही खिलाड़ियों का प्रदर्शन जबरदस्त रहा था और भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 2 बल्लेबाज साबित हुए थे। विराट ने 11 पारियों में 765 रन बनाकर एक संस्करण में सबसे ज्यादा रनों का रिकॉर्ड बनाया था।

वहीं रोहित ने भी 11 पारियों में 597 रन बनाये थे, जो किसी भी भारतीय कप्तान द्वारा एक संस्करण में सबसे ज्यादा हैं। ऐसे में दोनों के पास फॉर्म की समस्या नहीं है। अब देखना होगा कि आने वाले समय में इन दोनों खिलाड़ियों का T20I में क्या भविष्य रहता है।

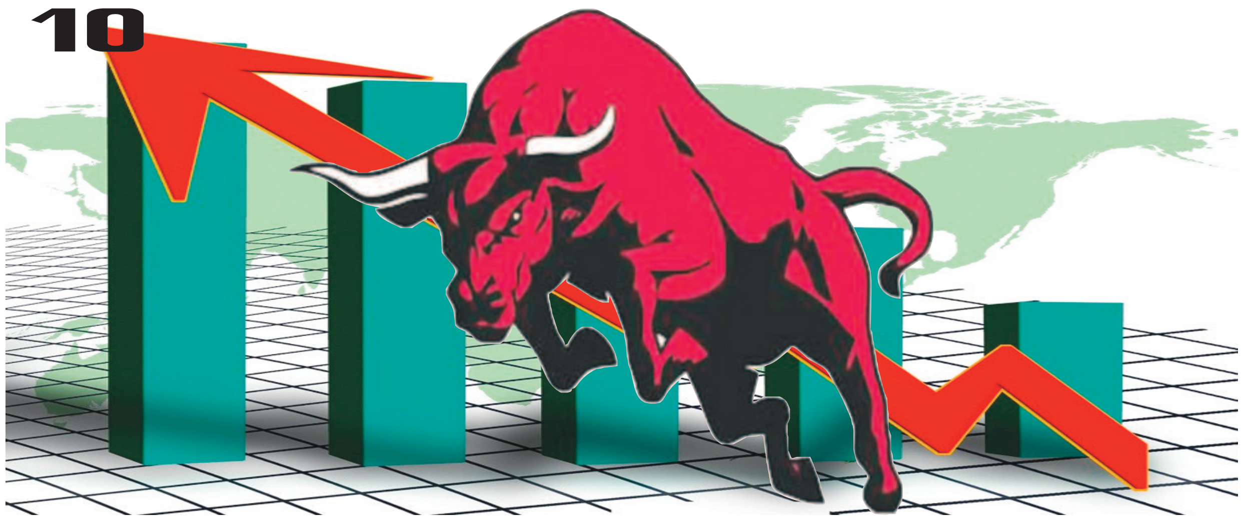

अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

कोर्ट ने लिखित दलीलें मांगी, कहा- हिंडनबर्ग रिपोर्ट को सही मानने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने सोमवार तक सभी पक्षों से लिखित दलीलें मांगी हैं। आज यानी शुक्रवार, 24 नवंबर को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। सीजेआई ने कहा- हमें अमेरिकी कंपनी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को तथ्यात्मक रूप से सही मानने की जरूरत नहीं है। हिंडनबर्ग यहां मौजूद नहीं है, हमने सेबी से जांच करने को कहा है। वहीं मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी ने कहा कि वह जांच के लिए अब और समय नहीं मांगेगी। 8 महीने से वो

इस मामले की जांच कर रही है।24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए गए थे। केस की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 6 सदस्यीय कमेटी बनाई थी। इसके अलावा मार्केट रेगुलेटर सेबी(भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड) को भी जांच करने के लिए कहा था, लेकिन सेबी अभी तक अपनी रिपोर्ट पेश नहीं कर पाई है।अदालत ने कहा कि मार्केट रेगुलेटर सेबी को सभी 24 मामलों में जांच पूरी करनी होगी। इससे पहले, सेबी ने 25 अगस्त को अपनी स्टेटस रिपोर्ट में कहा था कि उसने 24 में से 22 मामलों में अपनी जांच पूरी कर ली है।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट को पूरी तरह सत्य के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। हिंडनबर्ग रिपोर्ट की सत्यता का परीक्षण करने का कोई साधन नहीं है और इसलिए सेबी से जांच करने को कहा गया है। याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि बाजार नियामक की कार्रवाई संदिग्ध है क्योंकि उनके पास 2014 से अडाणी से जुड़ी डिटेल्स हैं। डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने 2014 में सेबी चेयरमैन के साथ ये डिटेल्स शेयर की थी।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सेबी को किसी अखबार में छपी खबर, चाहे वह फाइनेंशियल टाइम्स में ही क्यों न हो, को सच्चाई के रूप में लेने के लिए नहीं कहा जा सकता। एफटी ने गौतम अडाणी के भाई से जुड़ी रिपोर्ट पब्लिश की थी।एक्सपर्ट कमेटी के पुनर्गठन पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि यह कमेटी के साथ बहुत अन्याय होगा और लोग सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त समिति में काम करना बंद कर देंगे।सेबी की ओर से अब तक रिपोर्ट नहीं सौंपे जाने के कारण बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी।

रुपया रिकॉर्ड ऑल टाइम लो पर पहुंचा

डॉलर के मुकाबले 4 पैसे गिरकर 83.38 पर बंद हुआ, इंपोर्ट से लेकर अमेरिका में पढ़ना महंगा

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। घरेलू बाजारों में नकारात्मक रुख के बीच रुपया अपने रिकॉर्ड ऑल टाइम लो पर पहुंच गया है। शुक्रवार को इसमें अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4 पैसे की गिरावट देखने को मिली और यह 83.38 रुपए प्रति डॉलर के अब तक के सबसे मिचले स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले 20 नवंबर को डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे गिरकर 83.35 के अपने सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ था।फॉरेन एक्सचेंज ट्रेडर्स के मुताबिक विदेशी फंड्स के देश से बाहर जाने की वजह से रुपए पर दबाव रहा। इंटर-बैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट बाजार में रुपया 83.34 रुपए प्रति डॉलर पर खुला और कारोबार के अंत में 83.38 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। गुरुवार को रुपया 83.33 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपए में गिरावट का मतलब है कि भारत के लिए चीजों का इंपोर्ट महंगा होना है। इसके अलावा अमेरिका में घूमना और पढ़ना भी महंगा हो गया है। मान लीजिए कि जब डॉलर के मुकाबले रुपए की वैल्यू 50 थी तब अमेरिका में भारतीय छात्रों को 50 रुपए में 1 डॉलर मिल जाते थे। अब 1 डॉलर के लिए छात्रों को 83.38 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। इससे फीस से लेकर रहना और खाना और अन्य चीजें महंगी हो जाएंगी। नवंबर में रुपया 0.1% तक गिरा है। चालू वित्त वर्ष में रुपया 1.4% तक कमजोर हुआ है, जबकि मौजूदा कैलेंडर वर्ष में अब तक यह 0.7% गिर चुका है। हालांकि मजबूत विदेशी प्रवाह की मदद से चालू कैलेंडर वर्ष के पहले 6 महीने में रुपया 0.16% तक चढ़ा है।6 प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 0.42% की गिरावट के साथ 103.48 पर आ गया, जो शुक्रवार को 104.16 पर था। वहीं, ब्रेंट क्रूड ऑयल फ्यूचर्स के भाव 0.66% की तेजी के साथ 81.14 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

सोने के दाम में मामूली उछाल, चांदी की कीमत भी बढ़ी

शादी के सीजन में लेटेस्ट रेट

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। शादी के सीजन के आगाज के साथ ही सोने-चांदी की डिमांड अचानक बढ़ जाती है। अगर आप भी सोना खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो राहत की खबर है। सोने और चांदी कीमतों में मामूली तेजी देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 61,000 के स्तर के ऊपर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी 73,000 के नीचे पहुंच गई है। जानते हैं वायदा बाजार में फिलहाल ताजा रेट्स क्या हैं

सोने-चांदी की कीमत में आई मामूली बढ़त

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन वायदा बाजार में सोना फिलहाल कल के मुकाबले 78 रुपये उछाल के साथ 61,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बना हुआ है। वहीं बीते कल सोने के रेट 61,072 रुपये पर देखे गए थे। शुक्रवार को चांदी भी मामूली तेजी के साथ हरे निशान पर बनी हुई है। इसके भाव में 18 रुपये की बढ़त आई है और यह फिलहाल 72,916 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। वहीं 23 नवंबर को चांदी 72,901 रुपये पर थी। घरेलू मार्केट के अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना 0.09 फीसदी तेजी के साथ 1,993.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी में भी तेजी बरकरार है और यह 0.01 फीसदी बढ़त के साथ 23.765 डॉलर प्रति औंस बनी हुई है।

24 नवंबर, 2023 को प्रमुख शहरों के सोने-चांदी के ताजा रेट्स जानें-

दिल्ली- 24 कैरेट सोना 62,120 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 76,200 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है। मुंबई- 24 कैरेट सोना 61,970 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 76,200 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है। कोलकाता- 24 कैरेट सोना 61,970 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 76,200 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है। चेन्नई- 24 कैरेट सोना 62,500 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 79,200 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है। गाजियाबाद- 24 कैरेट सोना 62,120 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 76,200 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है। पुणे- 24 कैरेट सोना 61,970 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 76,200 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है। नोएडा- 24 कैरेट सोना 62,120 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 76,200 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है।

ताज होटल ग्रुप पर साइबर हमले से 15 लाख कस्टमर का डाटा चोरी होने का दावा

अटैकर ने मांगा पांच हजार डालर, रखी तीन शर्तें

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। टाटा समूह के स्वामित्व वाले ताज होटल ग्रुप पर पर 5 नवंबर को तथाकथित साइबर अटैक हुआ था। खबरें आई हैं कि हैकर्स ने ताज होटल के लगभग 15 लाख कस्टमर्स का डाटा उनके पास होने का दावा किया है। उन्होंने इस डाटा को वापस करने के लिए 5000 डॉलर और तीन शर्तें भी रखी हैं। हालांकि, ताज होटल्स ग्रुप ने कहा कि चिंता करने की कोई बात नहीं है। हम मामले की जांच कर रहे हैं और कस्टमर्स का डाटा सुरक्षित है। हमने सुरक्षा एजेंसियों को भी इस स्थिति की जानकारी दे दी है।

हैकर्स ने 4 लाख से अधिक की रकम मांगी, रखी हैं ये तीन शर्तें

लाइव मिंट की खबर के मुताबिक साइबर हैकर्स ने ताज होटल ग्रुप से कस्टमर डाटा के बदले 4 लाख रुपये से ज्यादा (5 हजार डॉलर) की मांग की है। हैकर्स ने अपने ग्रुप का नाम डीएनए कुकीज बताया है। उन्होंने कहा है कि अभी तक यह डाटा किसी को नहीं दिया गया है। उन्होंने डाटा को वापस करने के लिए तीन शर्तें रखी हैं। सबसे पहले तो उन्होंने बातचीत के लिए किसी उच्च पदस्थ मध्यस्थ को लाने को कहा है। साथ ही उनकी दूसरी मांग है कि वह टुकड़ों में डाटा नहीं देंगे। तीसरी शर्त में उन्होंने कहा कि हमसे डाटा के और सैंपल नहीं मांगे जाएं। इन हैकर्स ने 5 नवंबर को 1000 कॉलम एंट्री वाला डाटा लीक किया था।

15 लाख लोगों का डाटा खतरे में !

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इस साइबर अटैक से लगभग 15 लाख कस्टमर प्रभावित हुए हैं। उनके पर्सनल नंबर, घर का पता और मेंबरशिप आईडी जैसी कई सूचनाएं हैकर्स के पास पहुंच गई हैं। धमकी देने वाले हैकर्स ने कहा है कि उनके पास साल 2014 से 2020 तक का डाटा मौजूद है।

क्या कहा आईएचसीएल ने

इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रवक्ता ने बताया कि हमें भी हैकर्स के इस दावे के बारे में पता चला है। हालांकि ये डेटा नॉन-सेंसिटिव है और इस डाटा में कुछ भी संवेदनशील नहीं है। कंपनी को अपने कस्टमर्स के डाटा की चिंता है। इसलिए हम इस दावे की जांच कर रहे हैं। हमने साइबर सिक्योरिटी एजेंसियों और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम को भी मामले जानकारी दे दी है। साथ ही कंपनी के सुरक्षा सिस्टम की जांच भी की जा रही है। कस्टमर्स को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। आईएचसीएल हॉस्पिटेलिटी सेक्टर में ताज, विवांता, जिंजर समेत कई ब्रांड चलाती है।

'हम हफ्ते में तीन दिन काम की ओर बढ़ सकते हैं'

गेट्स ने एआई की क्षमता पर की ये टिप्पणी

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव और इसकी क्षमता हमेशा से चर्चा का विषय रही है। कई जानकार मानते हैं कि यह मनुष्य की क्षमताओं पर भारी पड़ सकता है। दूसरी ओर कई लोग यह भी मानते हैं कि एआई की क्षमता और बुद्धिमत्ता के कारण नौकरियां आधी रह जाएंगी। हालांकि एक पॉडकास्ट के दौरान माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने कहा कि एआई नौकरियां तो नहीं छीनेगा पर यह नौकरियों का स्वरूप हमेशा के लिए बदल देगा। गेट्स ने इस दौरान एआई और हफ्ते में तीन दिन काम के मसले पर अपनी राय रखी। बिल गेट्स ने ट्रेवर नोआ के पॉडकास्ट व्हाट नाऊ के दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता की क्षमता और उसके खतरों पर चर्चा की। इस दौरान अरबपति ने कहा कि कामकाज में एआई का

इस्तेमाल होने से हमें हफ्ते में तीन काम की ओर बढ़ सकते हैं। पॉडकास्ट के दौरान इस बात पर चर्चा की गई कि कैसे तकनीक मानवता को फायदा पहुंचा रहा है हमारे जीवन में अच्छे काम करने के तरीके को बदल रहा है। 45 मिनट के सेशन के दौरान गेट्स ने मानवता के लिए इस्तेमाल में आने वाली तकनीक जैसे एआई पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि असरकारी बदलाव और सरकार की मदद से अब लोगों को हफ्ते में 40 से 48 घंटे ही काम करने की जरूरत रह जाएगी। एआई के कारण लोगों के पास पहले की तुलना में अधिक खाली समय होगा। एआई के कारण एक ऐसा समय भी आएगा जब लोगों को कठिन परिश्रम करने की जरूरत नहीं होगी। गेट्स ने कहा कि भविष्य में ऐसा समय भी आ सकता है जब लोगों को हफ्ते में केवल तीन ही काम करने की जरूरत होगी, और यह बिल्कुल सामान्य होगा। कई अध्ययन में यह बात सामने आई कि 2033 तक अमेरिका और ब्रिटेन में लोग हफ्ते में चार दिन काम करने की प्रथा की ओर बढ़ सकते हैं। गेट्स ने कहा कि एआई के बढ़ते प्रभाव के नतीजे ना केवल नाटकीय होंगे बल्कि यह पर्सनल कंम्प्यूटर के युग की शुरुआत जैसा बड़ा बदलाव भी होगा।

बिखर गए आईटी स्टॉक,दूसरे दिन भी रहा बाजार पर प्रेशर

गिरकर बंद हुए सेंसेक्स-निफ्टी

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में आज शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन दबाव बना रहा। आईटी शेयरों में तेज गिरावट के चलते सप्ताह के अंतिम दिन दोनों प्रमुख सूचकांकों बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी को नुकसान उठाना पड़ गया।

कल से बना हुआ है दबाव

घरेलू बाजार के ऊपर कल से ही दबाव बना हुआ था। गुरुवार को बाजार में हल्की गिरावट देखने को मिली थी। गुरुवार को सेंसेक्स मामूली नुकसान के साथ 66,017.81 अंक पर बंद हुआ था। उसकी तुलना में आज कारोबार की शुरुआत नुकसान के साथ 66 हजार अंक के पास से हुई। पूरे दिन सेंसेक्स नुकसान में रहा। अंत में 47.77 अंक यानी 0.07 फीसदी गिरकर 65,970.04 अंक पर बंद हुआ।

इतने नुकसान में निफ्टी

निफ्टी एक दिन पहले 19,802 अंक पर रहा था। नुकसान में कारोबार की शुरुआत करने और पूरे दिन रेड जोन में रहने के बाद निफ्टी आज शुक्रवार को 7.30 अंक यानी 0.037 फीसदी लुढ़ककर 19,794.70 अंक पर बंद हुआ।

आईटी शेयरों की रैली पर ब्रेक

उससे पहले बाजार में लगातार दो दिनों की तेजी देखने को मिली थी। दरअसल आईटी शेयरों में करीब एक सप्ताह से चली आ रही रैली से बाजार को सपोर्ट मिल रहा था। आज आईटी शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिली। बाजार में आई गिरावट का सबसे प्रमुख कारण इसे ही माना जा रहा है।

ऐसा रहा बड़े शेयरों का हाल

सेंसेक्स पर देखें तो आईटी कंपनियों के शेयरों ने सबसे ज्यादा नुकसान उठाया। एचसीएल टेक को सबसे ज्यादा 1.55 फीसदी का नुकसान हुआ। टीसीएस और विप्रो भी करीब डेढ़-डेढ़ फीसदी के घाटे में रहे। टेक महिंद्रा और इंफोसिस को करीब 1-1 फीसदी का नुकसान हुआ। नेस्ले इंडिया और टाटा मोटर्स जैसे कुछ अन्य बड़े शेयर भी घाटे में रहे।

बैंकिंग शेयरों को हुआ फायदा

कई दिनों से बिकवाली का शिकार हो रहे बैंकिंग शेयरों ने आज बाजार को राहत दी।

'बच्चों को सब कुछ सौंपने से पहले मां-बाप को सावधानी से सोचना चाहिए

रेमंड सीएमडी के पिता का छलका दर्द

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। रेमंड के मालिक गौतम सिंघानिया के पिता विजयपत सिंघानिया ने गुरुवार को अपने बेटे के अपनी पत्नी नवाज मोदी से अलग होने के बाद पैदा हुए ताजा संकट पर प्रतिक्रिया दी है।

रेमंड को एक छोटी फैब्रिक कंपनी से विश्व प्रसिद्ध ब्रांड में बदलने और फिर 2015 में गौतम को बागडोर सौंपने वाले विजयपत ने कहा कि उन्होंने अपने बेटे को सब कुछ सौंपकर 'बेवकूफी' की। उन्होंने कि कि माता-पिता को अपने बच्चों को सब कुछ देने से पहले बहुत सावधानी से सोचना चाहिए।2017 में, विजयपत ने अपने बेटे पर दक्षिण मुंबई में अपनी पारिवारिक संपत्ति जेके हाउस बिल्डिंग से बाहर निकालने का आरोप लगाया था। इस महीने की शुरुआत में, उनकी बहू नवाज मोदी ने कहा था कि गौतम सिंघानिया ने दिवाली समारोह के दौरान उन्हें घर में नहीं आने दिया, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक साक्षात्कार में विजयपत ने कहा कि पहले गौतम कंपनी के कुछ हिस्सों को वापस देने के लिए सहमत हुए थे, लेकिन फिर वह पीछे हट गए। उन्होंने कहा, मेरा कोई बिजनेस नहीं है। वह मुझे कंपनी के कुछ हिस्से देने के लिए सहमत हो गए थे, लेकिन फिर वे निश्चित रूप से पीछे हट गए। इसलिए मेरे पास और कुछ नहीं है। मैंने उसे सब कुछ दे दिया। गलती से, मेरे पास कुछ पैसे बच गए थे, जिस पर मैं आज जीवित हूं। अन्यथा, मैं सड़क पर होता।पूर्व कपड़ा कारोबारी ने कहा कि गौतम उन्हें सड़क पर देखकर खुश होंगे। मुझे इस बात का यकीन है। अगर वह अपनी पत्नी को इस तरह बाहर फेंक सकता है, उसने पिता को इस तरह बाहर कर दिया। तो मुझे नहीं पता कि वह कैसा इंसान है। रेमंड के मौजूदा चेयरमैन और एमडी गौतम सिंघानिया ने 13 नवंबर को अपनी पत्नी नवाज मोदी से अलग होने की घोषणा की थी।

देश की पहली वंदेभारत स्लीपर ट्रेन की डेडलाइन तय

लग्जरी बर्थ में सोते हुए करेंगे सफर

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। वंदेभारत एक्सप्रेस यात्रियों की पसंदीदा बन चुकी है। सुविधाजनक सफर की वजह से ज्यादातर रूटों पर चलने वाली ट्रेन का आक्यूपेंसी रेट काफी अच्छा है। भारतीय रेलवे इस ट्रेन के सफर को और सुविधाजनक बनाने जा रहा है। इसी क्रम में अब वंदेभारत स्लीपर ट्रेन ट्रैक पर दौड़ने वाली है। इसकी डेडलाइन भी लगभग तय हो गयी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वंदेभारत स्लीपर के ट्रैक पर आने की डेडलाइन बतायी।

उन्होंने कि मार्च 2024 तक स्लीपर वंदेभारत ट्रेन दौड़ने लगेगी। यह वंदेभारत बेहतर साज-सज्जा वाली होगी। इससे सफर करने का अपना अलग अनुभव होगा। मौजूदा समय चल रहीं सभी वंदेभारत एक्सप्रेस केवल चेयरकार वाली हैं, यानी इसमें बैठकर सफर किया जा सकता है। ये ट्रेन जिन स्टेशनों से चलती हैं, रात में उन्हीं स्टेशनों में वापस आ जाती हैं। अब रेलवे वंदेभारत के सफर को और

अधिक सुविधाजनक बनाने ज रहा है। इनको राजधानी की तरह चलाने की योजना है। यानी वंदेभारत स्लीपर लंबी दूरी का सफर तय करेंगी। अब ये रात में चलेंगी, जिसमें यात्री सोते हुए सफर कर सकेंगे। रेल मंत्रालय के अनुसार पहली स्लीपर वंदेभारत स्लीपर आईसीएफ चेन्नई ही बनाएगा। राजधानी व अन्य प्रीमियम ट्रेनों से इसका स्लीपर कोच थोड़ा अलग होगा। इसमें प्रत्येक कोच में चार के बजाए तीन टॉयलेट होंगे। इसके साथ ही एक मिनी पेंट्री भी बनाई जाएगी।एक स्लीपर वंदेभारत ट्रेन में कुल 823 बर्थ होंगी। इसमें यात्रियों के लिए 823 बर्थ और स्टाफ के लिए 34 बर्थ होंगी। स्लीपर वंदेभारत का प्रोटो टाइप दिसंबर 2023 तक तैयार हो जाएगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति	
सूर्य-	तुला में
चंद्र-	मेष में
मंगल	तुला में
बुध-	वृश्चिक में
गुरु-	मेष में
शुक्र-	कन्या में
शनि-	कुंभ में
राहु-	मीन में
केतु-	कन्या में

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक	05-53 बजे
धनु	08-06 बजे
मकर	10-12 बजे
कुंभ	12-03 बजे
मीन	13-40 बजे
मेष	15-17 बजे
वृष	17-02 बजे
मिथुन	19-02 बजे
कर्क	21-14 बजे
सिंह	23-27 बजे
कन्या	01-33 बजे
तुला	03-42 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय - 06-30
सूर्यअस्त - 17-35
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - 17 -22 - तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष , शनिवार 25 November
नक्षत्र - अश्विनी - 14- 55 - तक उपरान्त भरणी
योग - वरियान - 03 - 52 - तक उपरान्त परिघ
करण- तैतिल - 17 -22 - तक उप- गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - वैकुण्ठ चतुर्दशी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 09:15 से 10:39 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:30 - 07:51	अशुभ	लाभ	17:35 - 19:15	शुभ
शुभ	07:51 - 09:15	शुभ	उत्पात	19:15 - 20:51	अशुभ
रोग	09:15 - 10:39	अशुभ	शुभ	20:51 - 22:27	शुभ
उत्पात	10:39 - 12:03	अशुभ	अमृत	22:27 - 24:03	शुभ
चंचल	12:03 - 13:27		चंचल	24:03 - 01:39	शुभ
लाभ	13:27 - 14:51	शुभ	रोग	25:39 - 03:16	अशुभ
अमृत	14:51 - 16:15	शुभ	काल	27:16 - 04:52	अशुभ
काल	16:15 - 17:35	अशुभ	लाभ	28:52 - 06:30	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आप अपने दोस्त की गलती की जिम्मेदारी खुद लेने पर तुले हुए हैं ,लेकिन इसके नतीजों के बारे में भी सोच लें । किसी कानूनी पचड़े में भी पड़ सकते हैं । कोई ऐसी घटना होगी जो आपको कभी ना भूलने वाला सबक देगी । कुछ अलग दिखें,कपड़े या अपना बाल बनाने का तरीका बदल लें । कुल मिलकर आपकी सेहत अच्छी ही रहेगी।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज का दिन अपने जीवन की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे । अपने अधूरे काम आज पूरे कर दें और चिंतामुक्त हो जाएँ ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे । छात्रवृति भी मिल सकती है । कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें । बात का ध्यान रखें कि आप क्या खा रहे हैं क्योंकि आज पेट और पाचान तन्त्र से जुडी दिक्कतें सामने आ सकती हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो ।आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,) — पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आपके सब कामों और विचारों में एकाग्रता और शांति रहेगी । आप किसी विवाद से प्रभावित नही होंगे ,दरअसल कार्यस्थल पर भी ऐसी स्थिति बन सकती है कि आपको शान्तिदूत बनना पड़े। घर के सुधार का कोई कार्यक्रम बना सकते हैं या अपने घर की समस्याओं को सुलझाने या संबंधों को बेहतर बनाने के लिए काम कर सकते हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आपको समय फिलहाल रेंगता हुआ महसूस हो रहा है । लेकिन धीरज रखें और अपनी उत्सुकता भी बनाये रखें । हालाँकि आपको अपने किसी वादे या किसी निजी सम्बन्ध की खातिर कुछ समय के लिए अपने लक्ष्यों को एक तरफ करना पड़ सकता है । अपने साथी के साथ विवादों और गलतफहमियों से बचें । अधिक परेशान न हों,थोडा सा योजना बनाकर चलेंगे तो आसानी से अपने दोनों एजेंडा पूरे कर पायेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे । लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसे हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें । आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए । आपको अब धीरे धीरे यह बात समझ में आ पा रही है कि आपको अपने खाने के पैटर्न और अपनी जीवनशैली में कुछ बहुत बड़े बदलाव करने की जरूरत है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही है। छोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें । एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा । अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी । घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें । सफलता की कुंजी प्राथमिकताएं तय करने से मिलेगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा । इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज आपको अपने दृष्टिकोण को सांसारिक वास्तविकता के साथ संतुलित करने की जरुरत को समझने और इस कला में पारंगत होने की आवश्यकता महसूस होगी । आपकी योजनायें महत्वाकांक्षी हैं,लेकिन आपको इसके लिए वास्तविक समस्याओं को समझना होगा नही तो आप अपने अच्छे इरादे के बावजूद टकराव महसूस करेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

एससी का फैसला सभी राज्यों के प्रमुखों के लिए कड़ी फटकार है : चिदंबरम

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने शुक्रवार को कहा कि राज्यपाल की शक्तियों पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला न केवल पंजाब के राज्यपाल बल्कि सभी राज्यों के प्रमुखों और तमिलनाडु के राज्यपाल आर।एन। रवि के लिए कड़ी फटकार है। एक्स पर एक पोस्ट में यूपीए सरकार में पूर्व केंद्रीय मंत्री चिदंबरम ने कहा, राज्यपाल की शक्तियों पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला न केवल पंजाब के राज्यपाल, बल्कि सभी राज्यपालों के लिए कड़ी फटकार है।

उन्होंने कहा, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि को फैसले की हर पंक्ति पढ़नी चाहिए और अगर उन्हें यह जरूरी लगता है, तो फैसले को समझने के लिए एक सक्षम वरिष्ठ वकील को बुलाना चाहिए। उनकी टिप्पणी शीर्ष अदालत द्वारा पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित को 19 और 20 जून को आयोजित संवैधानिक रूप से वैध सत्र के दौरान विधान सभा द्वारा पारित विधेयकों पर निर्णय लेने का निर्देश देने के बाद आई। उन्होंने कहा कि राज्यपाल की शक्ति का उपयोग क़ानून बनाने की सामान्य प्रक्रिया को विफल करने के लिए नहीं किया जा सकता है। अपने 10 नवंबर के फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब में आप सरकार की याचिका पर फैसला सुनाया, इसमें आरोप लगाया गया था कि राज्यपाल विधानसभा द्वारा पारित चार विधेयकों पर अपनी सहमति नहीं दे रहे हैं। पंजाब सरकार ने न्यायिक घोषणा की भी मांग की है कि 19 और 20 जून को आयोजित विधानसभा सत्र कानूनी था और सदन द्वारा किया गया कार्य वैध है।

फैसले में कहा गया, राज्य के एक अनिर्वाचित प्रमुख के रूप में राज्यपाल को कुछ संवैधानिक शक्तियां सौंपी गई हैं। हालांकि, इस शक्ति का उपयोग राज्य विधानसभाओं द्वारा कानून बनाने की सामान्य प्रक्रिया को विफल करने के लिए नहीं किया जा सकता है। सीजेआई डी।वाई। चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि राज्यपाल और चुनी हुई सरकार के बीच हो रही तकरार "गंभीर चिंता" का विषय है। न्यायमूर्ति जे।बी। पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा को मिलाकर गठित पीठ ने पूछा, आप (राज्यपाल) इस निर्णय पर कैसे बैठ सकते हैं कि सत्र वैध रूप से स्थगित किया गया है या अन्यथा? इसने सवाल उठाया कि क्या संविधान के तहत राज्यपाल को यह निर्णय लेने का अधिकार क्षेत्र प्रदान करने वाला कोई प्रावधान मौजूद है कि क्या अध्यक्ष द्वारा सत्र 'अमान्य' रूप से बुलाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पंजाब के राज्यपाल विधिवत निर्वाचित विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों की दिशा को भटकाकर आग से खेल रहे हैं।

पंजाब राजभवन ने 19-20 जून को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने पर आपत्ति जताई थी। सिख गुरुद्वारा (संशोधन) विधेयक, 2023, पंजाब विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक, 2023, पंजाब पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2023, और पंजाब संबद्ध कॉलेज (सेवा की सुरक्षा) संशोधन विधेयक, 2023 अभी भी राज्यपाल की सहमतिप्रतीक्षा कर रहे हैं।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में शुरू हुई बायसन की गणना चार वर्षों में होती है गिनती

उमरिया, 24 नवंबर (एजेंसियां)। उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में लगातार नए-नए जानवर सामने आ रहे हैं। अब बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बायसन की गणना शुरू हुई है। टाइगर रिजर्व में नौ परिक्षेत्र में बायसन की गणना हो रही है। बता दें कि बायसन की गणना में टाइगर रिजर्व के लगभग सात सौ कर्मचारी लगे हुए हैं। जो कि अब बायसन को देखने के बाद ही उनकी फोटो और स्थान और समय को प्रपत्र में भरेंगे। अगले तीन दिनों तक बायसन की गणना होगी। उसके बाद आंकड़ों को मुख्य कार्यालय में एकत्रित किया जाएगा। इसके बाद 2023 में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बायसन के आंकड़े अब सामने आएंगे। जानकारी के अनुसार अब बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के सभी परिक्षेत्र के अधिकारी और कर्मचारी बायसन की गणना के लिए सुबह 6 से 9 बजे तक पैदल घूमेंगे। ये लोग बायसन दिखने पर फोटो, जीपीएस लोकेशन और समय के साथ प्रपत्र को इसमें भरेंगे और 25 नवंबर को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कार्यालय में आंकड़ों को भी भेजेंगे।

मद्रास हाईकोर्ट ने डॉक्टरों को दी कड़ी चेतावनी

कहा- 'टू फिंगर टेस्ट' करने वाले भी माने जाएंगे दोषी

चेन्नई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। रेप पीड़िताओं के मेडिकल टेस्ट से जुड़े एक मामले पर मद्रास हाईकोर्ट ने कड़ी चेतावनी दी है। मद्रास हाईकोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा कि रेप पीड़िताओं का 'टू फिंगर टेस्ट' करने वाले डॉक्टरों को भी गलत काम करने का दोषी माना जाएगा। अदालत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान 'टू फिंगर टेस्ट' पर आपत्ति जताई। बता दें कि इस टेस्ट पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा पहले ही प्रतिबंध लगाया जा चुका है। कोर्ट ने इस बाबत दुख व्यक्त करत हुए कहा कि इस मामले में टेस्ट किया गया, इसका हमें दुख है। जबकि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इस कोर्ट ने कई मामले में कहा है कि रेप का पता करने के लिए यह टेस्ट करना स्वीकार्य नहीं है। डॉक्टरों को मद्रास हाईकोर्ट ने कड़ी चेतावनी देते हुए आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के विपरीत इस तरह का टेस्ट डॉक्टर यदि करते हैं तो उन्हें भी गलत काम करने का दोषी माना जाएगा। बता दें कि अक्टूबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने रेप पीड़िताओं के 'टू फिंगर टेस्ट' पर रोक लगा दी थी। साथ ही कोर्ट ने ऐसा करने वाले डॉक्टरों को भी चेतावनी दी थी। शीर्ष न्यायालय ने पाया था कि इस तरह की जांच का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है और इससे रेप पीड़िता को दोबारा बुरे दौर से गुजरना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्वास्थ्य मंत्रालय को भी यह सुनिश्चित करने को कहा कि रेप पीड़िताओं का 'टू फिंगर टेस्ट' न किया जाए। बता दें कि मद्रास हाईकोर्ट ने अप्रैल 2022 में ही 'टू फिंगर टेस्ट' पर बैन लगाने को लेकर निर्देश जारी किया था। उच्च न्यायालय ने इस बाबत कहा कि इस तरह की जांच रेप पीड़िताओं की निजता, शारीरिक और मानसिक अखंडता और गरिमा का उल्लंघन करती है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट और मद्रास हाईकोर्ट की चेतावनी से पूर्व जिन महिलाओं को यौन शोषण का सामना करना पड़ता था, उनकी जांच के लिए कई स्थानों पर डॉक्टरों द्वारा 'टू फिंगर टेस्ट' किया जाता था, जिससे महिलाओं को दोबारा बुरे दौर से गुजरना पड़ता था, जिसके बाद एक मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसपर प्रतिबंध लगा दिया था।

जंगली शिकारी कुत्तों की मदद से किया था सांभर का शिकार, आधा दर्जन आरोपी गए जेल

दमोह, 24 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के पन्ना टाइगर रिजर्व के बफरक्षेत्र मडियादो में वन्य जीव सांभर का शिकार हुआ था। इस पूरे मामले में वन विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए 4 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। वहीं अन्य आधा दर्जन आरोपियों की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार 20 नवंबर को बफरक्षेत्र प्रबंधन द्वारा शिकार की सूचना पर दविश देते हुए दो आरोपी रघुवीर और तुलसी आदिवासी को पकड़ा गया था। जिनकी निशानदेही पर ताजे कटे सांभर के सींग, मांस के टुकड़े सहित सांभर काटने के दौरान उपयोग में लिया गया हंसिया, कुल्हाड़ी जब्त की गई थी। पकड़े गए आरोपियों द्वारा शिकार के दौरान शामिल अन्य आरोपियों के नाम लिए गए थे, जिनके आधार पर यह कार्रवाई की गई। बफरक्षेत्र प्रबंधन के अनुसार पकड़े गए आरोपियों द्वारा सांभर का शिकार करने में पालतू शिकारी कुत्तों की मदद ली जाती थी। यह शिकारी कुत्ते शाकाहारी वन्य जीवों को दौड़ाते हैं ताकि वह थककर पानी तक पहुंच जाए। पानी वाले स्थल पर घात लगाए शिकारी जानवर पर हमला कर उनका शिकार कर देते थे। पूर्व में दो आरोपियों को बफरक्षेत्र प्रबंधन द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था, जो जेल भेज दिए गए थे। वहीं गुरुवार दोपहर अमरा बंजारा, गोमदा, हीरा और रामा बंजारा को गिरफ्तार किया गया जिन्हें न्यायालय में पेश किया गया जहां से सभी जेल चले गए।

अंतिम संस्कार के लिए ज्यादा पैसे वसूल रहा निगमबोध श्मशान घाट का मैनेजमेंट ? जांच के आदेश

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में स्थित निगमबोध घाट पर तत्काल दाह संस्कार करवाने और चिता की लकड़ी के लिये कथित तौर पर अवैध रूप से काफी ज्यादा रकम वसूले जाने का मामला सामने आया है।

बता दें कि निगमबोध घाट दिल्ली-एनसीआर के सबसे पुराने श्मशान घाटों में से एक है। घटना से जुड़े एक अधिकारी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कई मामलों में 50 हजार रुपये तक की अतिरिक्त राशि ली गई। दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं और अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है।

'मृतक के परिजनों से मोटी रकम वसूलते हुए पाया गया'

यह मामला गुरुवार को तब सामने आया जब मेयर निरीक्षण के लिए गई थीं। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारी के मुताबिक, कई गैर सरकारी संगठनों को अंतिम संस्कार के नाम पर मृतक के परिवार के सदस्यों से मोटी रकम वसूलते हुए पाया गया, जो इसके कामकाज को नियंत्रित करने वाले समझौता ज्ञापन या एमओयू के प्रावधानों का उल्लंघन है। अधिकारी ने बताया कि महापौर ने एमसीडी की नाक के नीचे हो रही इन अवैध गतिविधियों पर चर्चा करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और निगमबोध घाट की प्रबंध समिति के साथ बैठक की।

'लकड़ियों के लिए 20 हजार रुपये तक एक्स्ट्रा लिए गए'

अधिकारी ने कहा, 'श्मशान घाट में वीआईपी दाह संस्कार और त्वरित सेवाओं के लिए 50,000 रुपये तक की अतिरिक्त राशि ली जा रही है। श्मशान घाट में नियमों के खिलाफ लकड़ी काटने की मशीन भी लगी हुई पाई गई।' अधिकारी ने कहा कि पीपल के पेड़ों की लकड़ी का इस्तेमाल अतिरिक्त पैसे लेकर दाह संस्कार के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'अंतिम संस्कार में इस्तेमाल होने वाली लकड़ी के लिए 15,000 रुपये से 20,000 रुपये की अतिरिक्त रकम ली जा रही थी।' अधिकारियों ने बताया कि चिता की लकड़ी के लिये एमसीडी 7 रुपये प्रति किलो की दर से कीमत लेता है।

मंच पर डांस के दौरान युवक ने उतार दिए महिला के कपड़े, देखते रहे बुजुर्ग और पुलिस

भंडारा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के भंडारा जिले से एक शर्मनाक घटना सामने आई है यहाँ एक युवक ने अश्लील डांस के दौरान महिला के कपड़े उतार दिए और चौंकाने वाली बात तो यह है कि मौके पर दो पुलिसकर्मी भी उपस्थित थे, मगर उन्होंने भी कोई आपत्ति नहीं जताई। सोशल मीडिया पर डांस का वीडियो वायरल हो रहा है। जैसे ही वीडियो अफसरों के संज्ञान में आया, उन्होंने तुरंत पुलिस से मुकदमा दर्ज करने को कहा। पुलिस के एक अफसर ने बताया कि इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। साथ ही कार्यक्रम से जुड़े चार आयोजकों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला तुमसर तहसील के नाकाडोंगरी का है। वीडियो में नजर आ रहा है कि एक महिला डांसर भीड़ के सामने डांस कर रही है। उसके साथ एक शख्स भी डांस कर रहा है। तभी युवक महिला डांसर के कपड़े उतार देता है। तत्पश्चात, लोग डांसर पर पैसे बरसाने लगते हैं। भंडारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में डांस कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। मगर नाकाडोंगरी में जो डांस कार्यक्रम आयोजित हुआ, वहां पर अश्लीलता की हदें पार कर दी गईं। अश्लील डांस को देखने युवा से लेकर काफी आंकड़े में बुजुर्ग भी आए थे, जिनकी आयु 50 वर्ष से ज्यादा थी। इनमें से किसी ने इस अश्लील डांस पर आपत्ति नहीं जताई। वही जैसे ही इस कार्यक्रम के बारे में अधिकारीयों को पता चला, थानेदार का ट्रांसफर कर दिया।

शिकायत करने से नाराज पुलिसकर्मियों ने ग्रामीण को पीटा, कोर्ट ने दिए जांच के आदेश

उज्जैन, 24 नवंबर (एजेंसियां)। उज्जैन जिले के तराना थाने के पुलिसकर्मियों पर एक ग्रामीण ने बर्बरतापूर्वक मारपीट का आरोप लगाया है। इस मामले में न्यायालय द्वारा जांच के आदेश भी दिए गए हैं। उज्जैन जिले के तराना तहसील के गांव नाटाखेड़ी निवासी ग्रामीण नारायण सिंह पिता डूंगा को तराना पुलिस द्वारा न्यायालय में पेश किया गया था। नारायण सिंह पर धारा 110 की कार्रवाई कर उसे न्यायालय भेजा गया था, लेकिन शरीर पर चोट के निशान और सिर पर बंधी पट्टी देखने के बाद न्यायालय द्वारा तत्काल जमानत दी गई और इस मामले में तराना पुलिस पर जांच के आदेश भी दिए गए हैं। इस मामले में घायल ग्रामीण नारायण सिंह ने बताया कि उसके पुराने मामलों को लेकर जो की पूरी तरह खत्म हो चुके हैं उनको लेकर तराना पुलिस द्वारा उसे लगातार परेशान किया जा रहा था। जिसके कारण उसके द्वारा 181 पर सीएम हेल्पलाइन में तराना पुलिस की शिकायत कर दी थी। पुलिसकर्मी इस शिकायत को वापस लेने के लिए लगातार दबाव बना रहे थे। नारायण सिंह द्वारा मना करने पर तराना के पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ा और मारपीट कर धारा 110 की कार्रवाई कर उसे न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने जब उसे घायल देखा तो पूछताछ की तब नारायण सिंह के अनुसार उसे तत्काल जमानत दी गई और तराना पुलिस पर जांच के आदेश भी दिए गए हैं।

कब्रिस्तान के बाहर मरीजों को फेंक कर चले गए अस्पताल वाले, एक की मौत, दूसरा गिन रहा सांसें

मनसा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के मनसा से एक इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है जहां पर दो मरीजों से पीछा छुड़ाने के लिए सरकारी अस्पताल ने उन्हें बाहर फिकवा दिया। सरकारी एंबुलेंस में डालकर ड्राइवर उन्हें ले गया और एक को कब्रिस्तान में छोड़ दिया तो वहीं दूसरे को एक सुनसान जगह पर सड़क के किनारे छोड़ दिया। इन दोनों मरीजों में से एक की मौत हो गई है जबकि दूसरा घायल बताया जा रहा है उसे बाद में जिला हॉस्पिटल में भर्ती किया गया। जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला हॉस्पिटल के स्टाफ ने ही रचा था। बताया जा रहा है कि वहां पर इन दोनों लावारिस मरीजों का लंबे वक्त से इलाज चल रहा था। दोनों एचआईवी, काला पीलिया और अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित बताए जा रहे हैं। इनमें से एक की मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं बताई जा रही है और वह नशे का आदी बताया जा रहा है। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि दोनों मरीजों को जिस वार्ड में भर्ती किया गया था वहां से दूसरे मरीजों को दूसरे वार्ड में शिफ्ट करना पड़ रहा था क्योंकि इन मरीजों से दूसरे मरीजों को खतरा था।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन: 100 किलोमीटर पुल 230 किलोमीटर तक खंभे लगाने का कार्य हुआ पूरा

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन गलियारा परियोजना के लिए 100 किलोमीटर तक पुल (वायडक्ट) निर्माण और 230 किलोमीटर तक खंभे (पिअर) लगाने का काम पूरा हो चुका है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत निर्माण कार्य कर रही नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल)ने यह जानकारी दी। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस संबंध में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो भी जारी किया। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, इन पुलों में गुजरात की छह नदियों यानी वलसाड जिले में पार और औरंगा, नवसारी जिले में पूर्णा, मिंधोला, अंबिका और वेंगानिया पर पुल शामिल हैं। एनएचएसआरसीएल ने कहा, 'परियोजना का पहला गर्डर 25 नवंबर, 2021 को लगाया गया था और छह महीने में यानी 30 जून, 2022 तक एक किलोमीटर तक पुल तैयार हो गया था। इस साल 22 अप्रैल को 50 किलोमीटर पुल निर्माण का काम पूरा कर लिया गया और फिर इसके छह महीने में 100 किलोमीटर तक पुल बना लिया गया।' उसने बताया कि इसके अलावा परियोजना के लिए 250 किलोमीटर तक खंभे लगाने का काम भी पूरा हो चुका है और निर्मित पुल के किनारे शोर अवरोधक लगाने शुरू कर दिए गए हैं। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल गलियारा परियोजना की कुल लागत 1।08 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। शेयरधारण प्रणाली के अनुसार, केंद्र सरकार एनएचएसआरसीएल को 10,000 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी, जबकि गुजरात सरकार पांच हजार करोड़ रुपये और महाराष्ट्र सरकार भी इतनी ही राशि का भुगतान करेगी।

बालिका वधू बनने से बची 16 वर्षीय लड़की प्रशासन ने रुकवाई शादी

इंदौर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर में प्रशासन के वक्त रहते हरकत में आने से 16 साल की लड़की का शुक्रवार को होने जा रहा बाल विवाह रुक गया। महिला और बाल विकास विभाग की एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। विभाग की परियोजना अधिकारी चित्रा यादव ने बताया कि शहर के कमाठीपुरा इलाके में रहने वाली 16 वर्षीय लड़की की शादी उज्जैन के 26 वर्षीय युवक से शुक्रवार शाम होने वाली थी और इसकी रस्में भी शुरू हो चुकी थीं। यादव ने बताया कि बाल विवाह की तैयारियों की सूचना पर प्रशासन का दल पुलिस कर्मियों के साथ लड़की के घर पहुंचा और उसके परिजनों को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देकर शादी समारोह निरस्त कराया। उन्होंने बताया कि लड़की के परिजनों से प्रशासन ने हलफनामा भी लिया कि वे तब तक उसकी शादी नहीं करेंगे, जब तक वह पूरे 18 साल की नहीं हो जाती। यादव ने बताया कि नाबालिग लड़की का रिश्ता उसके पिता ने तय किया था जिसकी कुछ समय पहले मौत हो चुकी है।

ओडिशा: पत्नी को मौत के घाट उतारने के लिए पति ने रची खौफनाक साजिश, जहरीले सांप को रूम में छोड़ा, हुआ ये अंजाम

भुवनेश्वर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के गंजम जिले में एक सनसनीखेज घटना हुई है। यहां घरेलू विवाद के चलते पति ने पत्नी और दो साल की बेटी की हत्या कर दी। पत्नी को मौत के घाट उतारने के लिए पति ने खौफनाक साजिश रची, जिसके चलते महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई। आरोपी की पहचान के गणेश पात्रा के रूप में हुई है। उसे पुलिस ने महिला और उसकी बेटी की सांप के काटने से हुई मौत के मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी का अपनी पत्नी के साथ झगड़ा चल रहा था। इसके चलते उसने पत्नी और दो साल की बेटी को जान से मारने की साजिश रची। पात्रा ने सपेरे से एक कोबरा खरीदा। उसने इस जहरीले सांप को सात अक्टूबर को उस रूम में छोड़ दिया जिसमें उसकी पत्नी बेटी के साथ सो रही थी। सांप ने महिला और उसकी बेटी दोनों को डस लिया। बाद में महिला और बच्ची को हॉस्पिटल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुरुआत में पुलिस इसे सांप के काटने से हुई अप्राकृतिक मौत का मामला मानकर चल रही थी। मृतक महिला के पिता ने केस दर्ज कराया। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो खौफनाक सच्चाई सामने आई। जांच में शामिल एक पुलिस अधिकारी ने मीडिया से कहा, उस रात परिवार के सदस्यों ने सांप को मार दिया और दोनों को अस्पताल ले गए जहां उन्हें मृत पाया गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी कहा गया कि मौत सांप के काटने से हुई है। मृतक महिला के पिता के आरोप के आधार पर हमने जांच शुरू की। जांच के दौरान हमें पता चला कि आरोपी ने सपेरे से सांप खरीदा था। सपेरे से पूछताछ की गई। इसके बाद पता चला कि आरोपी ने सांप का इस्तेमाल कर पत्नी और बेटी को मार डाला। मामले की विस्तृत जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले की आगे की जांच जारी है।

'काला जादू करके तुम्हारे पूरे परिवार को भस्म कर देंगे

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। नवी मुंबई में काले जादू की धमकी देकर 56 वर्षीय एक महिला से 78.73 लाख रुपये वसूलने के आरोप में 7 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया।

अपराधियों ने महिला को डराया कि यदि वह पैसे नहीं देती है तो वे काला जादू कर देंगे जिससे उसे और उसके रिश्तेदारों को नुकसान हो सकता है।

इलेक्ट्रिक तार से हुई शख्स की मौत, डर के मारे किसान ने खेत में ही दफनाया शव; परिजन ढूंढने निकले तो गड्ढे पर रेंगते दिखे कीड़े

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में एक रोंगटे खड़े करने वाली घटना सामने आई है। यहां जंगली जानवरों से फसल की सुरक्षा के लिए खेत में बिछाए गए खुले इलेक्ट्रिक तार की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद कार्रवाई के डर से खेत मालिक ने शव को खेत में ही दफना दिया और ऐसे रहने लगा मानो जैसे कुछ हुआ ही नहीं। उधर, परिवार के सदस्यों ने पुलिस थाने में मृतक की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। परिवार वालों ने मृतक की खोजबीन जारी रखी लेकिन 4 दिन बाद जब इस पूरे मामले से पर्दा हटा तो सभी के पैरों तले की जमीन खिसक गई। फिलहाल पुलिस ने खेत मालिक पर मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच में जुटी है। घटना जिले के कोठारी पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले तोहगांव की है। गिरिधर धोटे नामक किसान के खेत में फसल को जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए खेत के चारों ओर विद्युत प्रवाहित तार फैलाया गया था। रात में अंधेरा होने के चलते विद्युत प्रवाहित तार का पता नहीं चला जिसके कारण 45 वर्षीय पतरू वलसु टेकाम खुले इलेक्ट्रिक तार की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक पतरू टेकाम रात भर घर नहीं लौटा तो परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस थाने में दर्ज कराई लेकिन पुलिस की कार्य प्रणाली से मृतक के परिजन संतुष्ट नहीं थे, लिहाजा मृतक के परिजनों ने ही पतरु टेकाम की तलाश शुरू कर दी। पतरु टेकाम रोजाना जिस रास्ते से काम पर जाया करता था उसी रास्ते पर खेत में परिजनों ने बारीकी से खोजबीन शुरू कर दी। जब परिजन गिरधर के खेत में पहुंचे और उससे बात करनी चाही तो उसके हाव-भाव संदिग्ध नजर आ रहे थे। इसके बाद तो उन्होंने गिरधर के खेत में बारीकी से जांच शुरू कर दी तब उन्हें खेत में एक भरा हुआ गड्ढे जैसा दिखाई दिया। गड्ढे को भरने के बाद जमीन पर मिट्टी के टीले जैसा दिखाई दे रहा था और वहां कुछ कीड़े भी लगे हुए दिखाई दे रहे थे जिससे परिवार वालों का शक बढ़ा तो उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करते हुए गड्ढे को खोदा तो पूरा मामला सामने आ गया और चार दिन बाद इस रहस्य से पर्दा उठा।

'कोई आरोप कानून के अनुरूप नहीं', सीबीआई केस वापस लेने के प्रस्ताव पर बोले डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार

बेंगलुरु, 24 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार ने उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसमें डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के खिलाफ चल रही सीबीआई जांच को रद्द करने की बात कही गई थी। इस पर शिवकुमार ने कोई भी टिप्पणी देने से इनकार कर दिया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल के बारे में मीडिया रिपोर्टें देखी हैं, जो कानून के अनुरूप नहीं है। कर्नाटक कांग्रेस के प्रमुख शिवकुमार, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में भी मौजूद नहीं थे। माना जा रहा है कि अब कांग्रेस सरकार इस मामले में सीबीआई को दी गई सहमति वापस लेने का आदेश जारी कर सकती है। शिवकुमार ने मीडिया से कहा, "मैंने अखबार में देखा, मैं कल कैबिनेट बैठक में शामिल नहीं हो सका, इसको लेकर जिसे जो बोलना है, वह बोले। शिवकुमार चुनाव प्रचार के लिए दो दिनों के लिए तेलंगाना जा रहे हैं, इसको लेकर उन्होंने कहा, अगर पार्टी मुझसे प्रचार विस्तार करने के लिए करेगी, तो मुझे करना होगा। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में मुकदमा चलाने के लिए पिछली सरकार द्वारा सीबीआई को दी गई मंजूरी के खिलाफ शिवकुमार द्वारा दायर अपील की सुनवाई बुधवार को 29 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी। सीबीआई ने 15 नवंबर को उच्च न्यायालय को सूचित किया कि सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय को जांच एजेंसी द्वारा दायर आवेदन पर सुनवाई करने का निर्देश दिया है, जिसमें अपील पर लगी रोक को दो सप्ताह के भीतर हटाने की मांग की गई है। इससे पहले एकल न्यायाधीश पीठ ने शिवकुमार की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन पर मुकदमा चलाने के लिए सरकार द्वारा 25 सितंबर, 2019 को दी गई मंजूरी को चुनौती दी गई थी। इसके बाद शिवकुमार ने इसे खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी, जिसने एकल न्यायाधीश के आदेश पर रोक लगा दी थी। इस रोक को हटाने के लिए सीबीआई ने अर्जी दाखिल की थी।

मिडिल-ईस्ट में फर्जी जीपीएस सिग्नल भेजकर विमानों को भटकाया

डीजीसीए ने भारतीय एयरलाइंस को एडवाइजरी जारी की, इराक-अजरबैजान में खतरा ज्यादा

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मिडिल-ईस्ट में फर्जी जीपीएस सिग्नल भेजकर विमानों को भटकाए जाने की खबरें हैं। इसको लेकर डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने सभी भारतीय एयरलाइंस को एडवाइजरी जारी की है। दरअसल, कुछ महीनों से खबरें सामने आ रही थीं कि मिडिल-ईस्ट में कॉमर्शियल फ्लाइट्स और जेट्स को फर्जी जीपीएस सिग्नल भेजा जा रहा है। ये सिग्नल जमीन से भेजे गए। ये विमान के नेविगेशन सिस्टम में घुसपैठ करने, जीपीएस सिग्नलों को ओवरराइट करने और विमान को भटकाने के लिए काफी हैं। पायलट्स, फ्लाइट डिस्पैचर, शेड्यूलर्स और कंट्रोलर्स के एक ग्रुप- ओपीएस ग्रुप ने यह मुद्दा उठाया है। ओपीएस ग्रुप के मुताबिक, सितंबर 2023 में ईरान के पास कई कॉमर्शियल फ्लाइट्स के नेविगेशन सिस्टम खराब हो गए और एक फ्लाइट बिना इजाजत ईरान के एयरस्पेस में घुस गई थी।

फर्जी सिग्नल्स की वजह से विमान का इंटर्नल सिस्टम बिगड़ा

एविएशन की भाषा में इस तरह की घटनाओं को एयरक्राफ्ट स्पूफिंग कहते हैं। ताजा मामले को ऐसे समझें- हर फ्लाइट आसमान में जीपीएस सिग्नल्स के माध्यम से रास्ते को नैविगेट करती है। मिडिल-ईस्ट से गुजरने वाली फ्लाइट्स को गलत या फर्जी जीपीएस सिग्नल भेजे गए। इन सिग्नल्स की वजह से विमान के इंटर्नल सिस्टम को लगता है कि वे अपने निर्धारित मार्ग से मीलों दूर उड़ रहे हैं। इसके चलते चंद मिनटों में विमान का इनर्शियल रिफरेंस सिस्टम (आईआरएस) अस्थिर हो जाता है और विमान अपनी नेविगेशन क्षमता खो देता है।

इराक में खतरा ज्यादा

ओपीएस ग्रुप के मुताबिक, स्पूफिंग का खतरा सबसे ज्यादा उत्तरी इराक और अजरबैजान में है। यहां फर्जी जीपीएस सिग्नल भेजकर विमानों को भटकाए जाने की कई घटनाएं सामने आई हैं। हालांकि, ये फर्जी सिग्नल कौन, कहां से भेज रहा है इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। माना जा रहा है कि इजराइल-हमास जंग के चलते इलाके में जो मिलिट्री इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम लगाए गए हैं उसकी वजह से सिग्नल्स जाम हो रहे हैं और स्पूफिंग हो रही है।

नेविगेशन सिस्टम को जाम होने से रोकने के रास्ते ढूंढ रहे

डीजीसीए ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा- एविएशन इंडस्ट्री नए खतरों और जीएनएसएस (ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम) जैमिंग और स्पूफिंग की रिपोर्टों के कारण अनिश्चितताओं से जूझ रही है। ये खतरनाक हो सकता है। नेविगेशन सिस्टम को जाम होने से रोकने के रास्ते ढूंढे जा रहे हैं।

आयरलैंड में बच्चों समेत 5 लोगों को चाकू मारा : दंगे भड़के

डबलिन, 24 नवंबर (एजेंसियां)। आयरलैंड की राजधानी डबलिन में गुरुवार (23 नवंबर) दोपहर एक स्कूल के बाहर करीब 5 लोगों पर चाकू से हमला किया गया। इसमें 3 बच्चे शामिल हैं। एक बच्चे की उम्र 5 साल बताई जा रही है। जिन पांच लोगों पर हमला हुआ वो सभी घायल हैं। हमले के बाद डबलिन में दंगे भड़क गए। आयरलैंड पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। फिलहाल हमले की वजह साफ नहीं हुई है। पुलिस को शक है कि ये एक आतंकी घटना भी हो सकती है। आयरिश टाइम्स के मुताबिक, हमले में 3 बच्चे, एक महिला और एक आदमी घायल हुए। इस घटना के बाद पारनेल स्क्वेयर पर कुछ लोग ग्रुप में इकट्ठा होकर प्रवासियों के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इसके बाद प्रदर्शनकारी पुलिस ने भिड़ गए और उनकी गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया।

पृथ्वी को अंतरिक्ष से मिला पहला लेजर मैसेज

50 सेकेंड में रिसीव हुआ, इससे नई तकनीकें बनाकर दूसरे ग्रहों पर फोटो-वीडियो भेज सकेंगे

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पृथ्वी को पहली बार अंतरिक्ष से लेजर मैसेज मिला है। ये मैसेज 16 मिलियन किलोमीटर (10 मिलियन मील) की दूरी से पृथ्वी पर भेजा गया। मैसेज को रिसीव करने में सिर्फ 50 सेकंड लगे।

नासा ने कहा- ये पहली बार है जब हमें लेजर मैसेज मिला है। अमेरिका स्पेस एजेंसी नासा ने कहा- ये मैसेज अंतरिक्ष में मौजूद हमारे स्पेसक्राफ्ट से भेजा गया, जो 50 सेकेंड में पृथ्वी पर रिसीव हुआ।

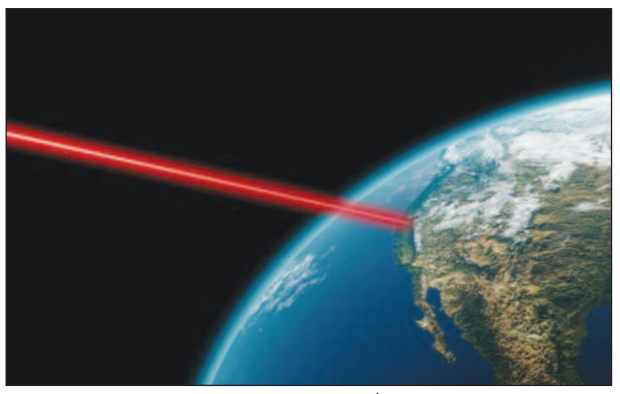

हम काफी समय से रेडियो सिग्नल का इस्तेमाल करके स्पेसक्राफ्ट के साथ कम्युनिकेशन स्थापित करते हैं, लेकिन अब तक एजेंसी ने पहले कभी भी इतनी दूर से अंतरिक्ष में लेजर का उपयोग करके जानकारी ना ही भेजी और ना रिसीव की थी। नासा के अधिकारी टर्डी कोर्टिस के मुताबिक, इस अचीवमेंट से स्पेस में कम्युनिकेशन को बेहतर करने का रास्ता निकलेगा। उन्होंने कहा- इससे हम वो तकनीक इजात कर पाएंगे जिससे भविष्य में दूसरे ग्रहों पर साइंटिफिक जानकारी, फोटो और वीडियो भेजे जा सकें।

13 अक्टूबर को लॉन्च हुआ था स्पेसक्राफ्ट

स्पेसक्राफ्ट को 13 अक्टूबर को फ्लोरिडा स्थित केनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। इस एक्सपेरिमेंट के लिए, डीप स्पेस ऑप्टिकल कम्युनिकेशंस सिस्टम का इस्तेमाल किया गया। ये डीएसओसी सिस्टम स्पेसक्राफ्ट पर लगाया गया था। इस सिस्टम का इस्तेमाल लेजर-बीम मैसेज को पृथ्वी पर वापस भेजने के लिए किया जाता है।

लेजर मैसेज रिसीव करना बड़ी उपलब्धि

वर्तमान समय में डीप स्पेस में स्पेसक्राफ्ट के साथ संपर्क स्थापित करने के लिए पृथ्वी पर बड़े एंटीना लगाए जाते हैं। इन एंटीना से मैसेज भेजे और रिसीव करने के लिए रेडियो सिग्नल का उपयोग किया जाता है। लेकिन उनकी बैंडविड्थ सीमित होती है। इस एक्सपेरिमेंट के बाद अब नासा रेडियो सिग्नल की बजाय 'लाइट' का इस्तेमाल करके पृथ्वी और स्पेसक्राफ्ट के बीच संपर्क स्थापित कर सकता है। इसी लाइट या लेजर के माध्यम मैसेज भेजा और रिसीव किए जा सकते हैं। नासा के मुताबिक, यह सिस्टम अभी इस्तेमाल हो रही स्पेस कम्युनिकेशन डिवाइस की तुलना में 10 से 100 गुना ज्यादा तेजी से इंफॉर्मेशन को भेज सकता है।

14 नवंबर को रिसीव हुआ था मैसेज

नासा ने बताया कि 14 नवंबर को Psyche स्पेसक्राफ्ट ने कैलिफोर्निया में पालोमर ऑब्जर्वेटरी में हेल टेलिस्कोप के साथ एक कम्युनिकेशन लिंक स्थापित किया। इस कम्युनिकेशन लिंक के सफल प्रयोग को 'फर्स्ट लाइट' नाम दिया गया है। इस दौरान DSOC के नियर-इंफ्रारेड फोटॉन को Psyche से पृथ्वी तक यात्रा करने में लगभग 50 सेकंड का समय लगा। इस टेस्ट के दौरान डेटा को 'क्लोजिंग द लिंक' तकनीक के तहत अपलिंक और डाउनलिंक लेजर के माध्यम से भेजा गया था।

20 घंटे की कार्य सीमा को हटाए कनाडा

टोरंटो, 24 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा में बाहर से आने वाले छात्रों का कहना है कि देश को प्रति सप्ताह 20 घंटे के कार्य नियम को स्थायी रूप से हटा देना चाहिए। कनाडा की सरकार ने 15 नवंबर, 2022 से 31 दिसंबर, 2023 तक सीमा को अस्थायी रूप से हटाने की घोषणा की थी, लेकिन ये नियम अब फिर से वापस आ रहा है। नियोक्ताओं को कोविड के बाद आर्थिक सुधार के लिए लोग ढूंढने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था।

न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, छात्रों के अनुसार, जिनमें से कई भारत से हैं, देश में बढ़ती लागत के बीच अधिक घंटे काम करने से उन्हें स्थिरता मिलती है। सस्केचेवान विश्वविद्यालय के 20 वर्षीय भारतीय छात्र कुणाल चावड़ा ने कहा कि उसने लगभग 40,000 डॉलर का एडुकेशन लोन लिया था, जिसमें से उसने बाहर काम कर 10,000 डॉलर का भुगतान भी कर दिया है। चावड़ा ने कनाडाई समाचार आउटलेट को बताया, पिछला साल काफी अच्छा रहा क्योंकि मैं सप्ताह में 40 घंटे काम कर सका और अपनी ट्यूशन फीस का भुगतान भी कर दिया। पिछले नियम के वापस आने के साथ, चावड़ा अपने फाइनेंस को लेकर चिंतित हैं। मुद्रास्फीति के कारण उनका किराना बजट 100 डॉलर से बढ़कर 300 डॉलर प्रति माह हो गया है। अधिकांश पोस्ट-माध्यमिक अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को परिसर में या बाहर काम करने की अनुमति दी जाती है, काम करने का उनका अधिकार उनके अध्ययन परमिट पर होता है। इससे पहले कनाडा में पोस्ट-सेकेंडरी अंतर्राष्ट्रीय छात्रों में से लगभग आधे ने अपनी पढ़ाई के दौरान आय अर्जित करने की सूचना दी थी। छात्र ने कहा, मैंने खुद को ऐसी स्थितियों में पाया है जहां मैं कहता था, 'ठीक है, क्या मुझे इसे खरीदना चाहिए या नहीं?' यह मूलतः आवश्यकताओं पर निर्भर करता है न कि चाहतों पर।" चावड़ा के सहपाठी मेघल ने कहा, यहां काफी अनिश्चितता है।

गृहमंत्री ने इमरान को बताया 'अदालतों का लाडला'

कोर्ट का एनएबी को आदेश-पूरी करें पीटीआई प्रमुख की जांच

इस्लामाबाद, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के अंतरिम गृहमंत्री सरफराज अहमद बुगती ने शुक्रवार को इमरान खान को 'अदालतों का लाडला' करार दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री को जेल में जो सुविधाएं दी गई हैं, वे किसी अन्य प्रधानमंत्री को नहीं दी गईं। उन्होंने यह भी कहा कि एक आम कैदी इन सुविधाओं के बारे में सोच भी नहीं सकता। पीटीआई पार्टी के प्रमुख इन दिनों रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। उन्हें गोपनीय राजनयिक केबल (साइफर) को लीक करने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। एक मीडिया आउटलेट के साथ इंटरव्यू में बुगती ने कहा, 'उन्हें (इमरान खान) जो सुविधाएं दी जा रही हैं, वे सलाखों के पीछे एक आम कैदी या प्रधानमंत्री को दी जाने वाली सुविधाओं से अधिक हैं, क्योंकि वह अदालतों के लाडले हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'जेल में उन्हें जिस तरह की सुविधाएं दी जा रही हैं, वे किसी

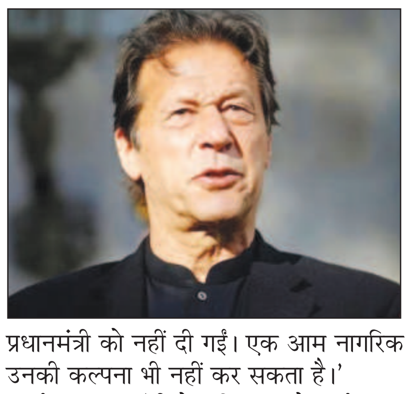

प्रधानमंत्री को नहीं दी गईं। एक आम नागरिक उनकी कल्पना भी नहीं कर सकता है।' कार्यवाहक गृहमंत्री ने पाकिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल की इमरान खान के लिए 'आपकी टिप्पणी देखकर अच्छा लगा' का भी जिक्र किया और कहा कि इस तरह की घटनाएं उनकी दलील को मजबूत करती हैं। उन्होंने कहा, हमें यहां न्यायिक सुधारों की सख्त जरूरत है। अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में नौ मई को इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों ने हिंसक प्रदर्शन किया था, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट में खान की पेशी के दौरान बंदियाल ने ये टिप्पणियां कीं थीं। बंदियाल ने बाद में स्पष्ट किया कि यह अदालत के शिष्टाचार का हिस्सा था और इसका कोई राजनीतिक मतलब नहीं था।

एनएबी को इमरान से पूछताछ के लिए मिला समय

वहीं, दूसरी ओर पाकिस्तान की जवाबदेही अदालत ने अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में जेल में बंद इमरान खान से पूछताछ के लिए भ्रष्टाचार निरोधक निकाय को चार दिन का समय दिया है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के मुताबिक, इमरान खान विभिन्न मामलों में 26 सितंबर से जेल में बंद हैं। जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश मोहम्मद बशीर ने गुरुवार को उच्च सुरक्षा वाली जेल के अंदर सुनवाई की।

गाजा के सबसे बड़े अस्पताल में मिली सुरंग

इजरायल का दावा

दोहा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) ने शुक्रवार को एक वीडियो शेयर करते हुए दावा किया कि गाजा के सबसे बड़े अस्पताल के नीचे एक 'आतंकवादी सुरंग' मिली है। अल-शिफा अस्पताल, घिरे हुए फिलिस्तीनी एन्क्लेव में सबसे बड़ा है, क्षेत्र के निवासियों के लिए लाइफ लाइन का काम करता है। बता दें इजरायल ने यह दावा करता रहा है कि अस्पताल का इस्तेमाल हमास एक ऑपरेशनल हेडक्वार्टर के रूप में करता है। वीडियो में, इजरायली स्पेशल फोर्सेज अल-शिफा परिसर के अंदर आंगन के बीच में स्थित एक शाफ्ट में प्रवेश करने का दावा किया है।

'3 लाख वैकेंसी, फिर भी नहीं दे रहे नौकरी'

अपने ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया

रांची, 24 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड की सत्ताधारी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक लोबिन हेंब्रम ने फिर एक बार अपने ही सरकार एवं मुख्यमंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। हेमंत सोरेन सरकार के लगभग 4 साल पूरे होने को है ऐसे में चुनावी वादे की याद दिलाते हुए उन्हीं के दल के विधायक ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर वादा खिलाफी का गंभीर आरोप लगाया है।

लोबिन हेंब्रम आरोप लगाते हुए कहा है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपने घोषणा पत्र में पांच लाख युवाओं को प्रतिवर्ष सरकारी नौकरी देने का वादा किया था, जो अब तक खोखला ही साबित हुआ है। हकीकत ये है की सरकार में अलग अलग लेवल पे लगभग तीन लाख से ज्यादा रिक्त पद हैं जिन पर नियुक्ति के लिए इस्तेहार नहीं निकाले जा रहे हैं। हेंब्रम ने कहा कि नियुक्ति पत्र बांटने का जो

बड़े-बड़े विज्ञापन अखबारों में हेमंत सोरेन सरकार के द्वारा प्रकाशित कराए जा रहे हैं, दरअसल वह रघुवर दास सरकार के समय नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की गई थी, कोर्ट के आदेश पर हेमंत सोरेन ने उन नियुक्ति के आदेशों को अब जाकर अपना उपलब्धि बताकर नियुक्ति पत्र बांट रहे हैं। उनका आरोप है कि आदिवासियों की सरकार में आदिवासियों के लिए कुछ नहीं किया गया है. युवाओं को रोजगार देने की बात हो या फिर स्थानीय नीति लागू करने की बात हो हेमंत सोरेन सरकार ने आदिवासियों को जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं, निराश किया है।

'आदिवासियों के साथ धोखा, सीएम ने वादे पूरे नहीं किए'

विधायक लोबिन हेंब्रम इतने में ही नहीं रुके उन्होंने कहा कि अर्जुन मुंडा की सरकार हेमंत सोरेन ने स्थानीय नीति लागू नहीं करने पर 2013 में गिरा दी थी, इसके बाद खुद 14 महीने सरकार में रहे लेकिन स्थानीय नीति हेमंत सोरेन ने लागू नहीं किया. अब जबकि दूसरे टर्म में सरकार 4 साल पूरी करने को है हेमंत सोरेन अभी भी स्थानीय नीति लागू नहीं कर पाए हैं. हेमंत सोरेन सरकार को आदिवासियों के साथ धोखा बताते हुए कहा कि जितने भी चुनावी वादे झारखंड मुक्ति मोर्चा ने किए थे, उसमें से एक भी वादे हेमंत सोरेन सरकार ने पूरे नहीं किए हैं।

कौन हैं लोबिन हेंब्रम ?

लोबिन हेंब्रम झारखंड मुक्ति मोर्चा के सीनियर लीडर हैं और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं. पूर्व में बने झारखंड मुक्ति मोर्चा की 14 महीने की सरकार में खाद्य आपूर्ति मंत्री भी रह चुके हैं. 1990 में झामुमो से टिकट मिलने पर विधायक बने. फिर 1995 झारखंड मुक्ति मोर्चा ने उन्हें पार्टी का टिकट नहीं दिया. वे निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे और दोबारा विधायक बने.

रेल यात्रियों की बढ़ी परेशानी, छत्तीसगढ़ से चलने वाली 18 ट्रेनें रद्द

रायपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। रेल यात्री कृपया ध्यान दें। छत्तीसगढ़ से होकर चलने वाली 18 ट्रनों को रद्द किया गया है। इसके साथ ही कई ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेंगी। दरअसल, उत्तर मध्य रेलवे के आगरा रेल मंडल में मथुरा यार्ड का आधुनिकरण का किया जाएगा। इस काम के फलस्वरूप कुछ यात्री ट्रेनें रद्द रहेंगी। इन ट्रेनों के रद्द होने के कारण दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर स्टेशन से उत्तर प्रदेश जाने वाले कई ट्रेनें रद्द रहेंगी। इससे रेल यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। रेलवे प्रशासन की ओर से अधोसंरचना विकास के लिए उत्तर मध्य रेलवे के आगरा रेल मंडल के पलवल—मथुरा सेक्शन में मथुरा यार्ड का आधुनिकरण का काम किया जाएगा। यह काम 27 नवंबर 2023 से 23 मार्च 2024 तक किया जाएगा।

सी.आर.पी.एफ ने मनाया संविधान दिवस

लखनऊ, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार के आदेशों के अनुपालन में सी. आर. पी. एफ मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशों का पालन करते हुए लखनऊ स्थित मध्य सेक्टर, सी. आर. पी एफ कार्यालय के प्रांगण में 24 नवम्बर 2023 को प्रातः 11.00 बजे श्री सुनील कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक की अध्यक्षता में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के दौरान राजपत्रित अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, तथा अन्य रैंक के कार्मिक एवं जवानों ने भाग लिया।

संविधान दिवस समारोह में उपस्थित सभी राजपत्रित अधिकारियों, अराजपत्रित एंव जवानों ने ठीक 11.00 बजे पूर्वाह्न में भारत के संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा। समारोह की अध्यक्षता कर रहे श्री सुनील कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक ने आगे बताया कि भारत एक गणतंत्र देश है। भारत के पहले राष्ट्रपति देशरल डॉ० राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के अध्यक्ष थे। बाबा साहब डॉ० भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता वाली प्रारूप समिति ने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार किया तथा 2 वर्ष 11 माह 18 दिनों की कड़ी मेहनत के बाद तैयार किए गए भारत के संविधान को 26 नवम्बर, 1949 को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत एवं आत्मार्पित किया गया। इसी उपलक्ष्य पर भारत सरकार द्वारा पहली बार 26 नवम्बर 2015 को संविधान दिवस मनाया गया तथा तभी से प्रत्येक वर्ष संपूर्ण भारत में संविधान दिवस मनाया जा रहा है। श्री कुमार ने आज के दिन पढ़ी जाने वाली प्रस्तावना की विशेषता के बारे में बताते हुए कहा कि संविधान की प्रस्तावना भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करती है और इसका उद्देश्य देश के सभी नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता, समानता सुनिश्चित करना और राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए बंधुत्व को बढ़ावा देना है। हमारे संविधान ने ब्रिटेन, आयरलैंड, जापान, अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी, आस्ट्रेलिया और कनाडा से उनके संविधान के अच्छे गुणों को अपने अंदर समाहित किया है। भारतीय संविधान की मूल संरचना भारत सरकार के अधिनियम, 1935 पर आधारित है तथा संविधान की मूल हस्तलिखित प्रतियां संसद भवन के पुस्तकालय में संरक्षित हैं। इस प्रकार हमारा संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ तथा भारत एक गणराज्य बना। इस अवसर पर उन्होंने सभी को भारतीय संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। श्री कुमार ने अपने ओजस्वी भाषण के दौरान सभी से अपील किया कि संविधान एवं देश की सुरक्षा के लिए हमें सर्वदा तत्पर रहना है और मातृभूमि की रक्षा के लिए हमें अपना-सर्वस्व न्योछावर करने के लिए भी तैयार रहना है।

'झारखंड में नक्सलवाद का खात्मा अंतिम चरण में'

सीएम हेमंत सोरेन का बड़ा दावा

रांची, 24 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि राज्य पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) राज्य में नक्सलवाद की समस्या को खत्म करने के अंतिम चरण में हैं। हेमंत सोरेन का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ घंटे पहले ही झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के वन क्षेत्र में माओवादी विरोधी अभियान के दौरान उन्नत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) फटने से सीआरपीएफ का एक सिपाही घायल हो गया। आईईडी विस्फोट के बारे में पूछे जाने पर नागपुर में सोरेन ने संवाददाताओं से कहा, 'सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के गढ़ को ध्वस्त कर दिया है। वे नक्सलवाद का उन्मूलन करने के कार्य के अंतिम चरण में हैं।'

मुख्यमंत्री एक निजी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए महाराष्ट्र के नागपुर शहर में थे। सोरेन ने राष्ट्र की सुरक्षा में सीआरपीएफ की उत्कृष्ट भूमिका का उल्लेख करते हुए, देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले सीआरपीएफ के जवानों को श्रद्धांजलि भी दी। इससे पहले, झारखंड की पुलिस ने एक बयान में बताया कि प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने मुफस्सिल में हेसाबंध गांव के निकट जंगल में ये आईईडी लगाया था और सीआरपीएफ, उसकी विशेष इकाई कोबरा, झारखंड जुगार तथा जिला सशस्त्र पुलिस से सुरक्षा बलों की टीम जब माओवादियों के खिलाफ अभियान चला रही थी तभी इस आईईडी में विस्फोट हो गया।

नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट, दो ग्रामीणों की हुई मौत

जगदलपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। नारायणपुर जिले के बड़े डोंगर थाना क्षेत्र के लोडिंग प्वाइंट पहाड़ी में शुक्रवार की सुबह नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईडी के चपेट में आने से दो ग्रामीणों की मौत हो गई, वहीं एक ग्रामीण घायल है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मामले की जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार ने बताया कि शुक्रवार की सुबह पुलिस को ये बजे सूचना मिली की आमदई खदान के लोडिंग प्वाइंट में नक्सलियों के द्वारा प्रेशर बम को लगाया था, आज सुबह गांव के कुछ लोग वहां से गुजरने के दौरान एक ग्रामीण का पैर आईईडी के ऊपर आ जाने से ब्लास्ट हो गया।

एचसी ने ईडी से पूछा-क्या राज्य सरकार से साझा कर सकते हैं रिपोर्ट

झूठे मामले में साजिश रचने का आरोप

रांची, 24 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई पर बवाल मचा हुआ है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े कथित जमीन घोटाले के मामले में कई आरोपियों को जेल में बंद कर रखा है। जेल में बंद कई आरोपियों ने आरोप लगाया है कि ईडी उनके खिलाफ कथित रूप से साजिश रच रही है। मामले में गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट ने ईडी से पूछा कि क्या जेल में बंद कथित आरोपियों के आरोपों पर राज्य सरकार से रिपोर्ट साझा करेगी।

कोर्ट ने वकील से पूछा कि क्या एजेंसी यह रिपोर्ट राज्य सरकार के अधिकारियों से साथ साझा कर सकती है। मामले की अब अगली सुनवाई 15 दिसंबर को तय की गई है। इसी दिन ईडी अदालत को बताएगी कि वे रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप सकते हैं या नहीं। एजेंसी की मानें तो यह रिपोर्ट बेहद संवेदनशील है, क्योंकि इसमें उसमें उनके अधिकारियों की जांच और निष्कर्ष शामिल हैं।

बता दें, आरोपियों की शिकायत पर ध्यान देते हुए हाईकोर्ट ने आठ नवंबर को ईडी को आदेश दिया था कि आप मामले की जांच और सील बंद कवर में आरोपों की रिपोर्ट सौंपे। मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन ने इस रिपोर्ट को देखी और वापस एजेंसी को वकील को दे दिया। बता दें, ईडी ने तीन नवंबर को रांची जेल में तलाशी ली थी, उन्हें शक था कि एक जमीन घोटाले मामले में गवाहों और सबूतों के साथ छेड़छाड़ की साजिश रची जा रही है। छापेमारी के दौरान मिले सबूतों के आधार पर एजेंसी ने जेल के तीन अधिकारियों को तलब किया है, जिसमें बिरसा मुंडा केंद्रीय जेल के अधीक्षक हामिद अख्तर, जेलर नसीम और हेड क्लर्क दानिश शामिल हैं।

अपने ही बेटे को किडनैप कर भाग रहा था बिहार का शख्स

भीड़ के गुस्से का बना शिकार

गिरिडीह, 24 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के गिरिडीह में एक शख्स पांच साल के अपने ही बेटे को किडनैप कर भाग रहा था। हालांकि, उसकी इस कोशिश में वो भीड़ के गुस्से का शिकार बन गया। लोगों ने उसकी जमकर पिटाई की। वह बिना नंबर वाली जिस कार में बेटे को लेकर भाग रहा था, उसे भी लोगों ने नुकसान पहुंचाया। शख्स की पहचान बिहार के बांका स्थित धोरिया निवासी धनंजय कुमार मंडल के रूप में हुई है। पुलिस ने स्थानीय हॉस्पिटल में उसका इलाज कराया। उससे हुई पूछताछ में पता चला कि वह जिस बच्चे को लेकर भाग रहा था, वह उसका ही पुत्र है। दरअसल, धनंजय कुमार मंडल की शादी गिरिडीह के कल्याणडीह निवासी प्रेमचंद राउत की बेटी रिमझिम सावन के साथ करीब दस साल पहले हुई थी। पति और ससुराल वालों की कथित प्रताड़ना के कारण वह पिछले चार साल से अपने बेटे देवेश संग मायके में रह रही थी। पारिवारिक विवाद से संबंधित केस फैमिली कोर्ट में चल रहा है।

स्कूल जाने के बाद बेटा का अपहरण

इस बीच शुक्रवार को पांच वर्षीय देवेश को उसका पड़ोसी अपने बाइक पर बिठाकर स्कूल ले जा रहा था। बताया जा रहा कि इसी दौरान एक कार अचानक उनके रास्ते में रुकी। कार पर सवार चार लोगों ने पांच वर्षीय देवेश को जबरन कार में बिठा लिया और भागने लगे। इस पर बच्चे के अपहरण की खबर इलाके में फैल गई। बस फिर क्या था सूचना फैलते ही हंगामा मच गया।

राजस्थान में मतदान की तैयारियां पूर्ण

5,26,90,146 मतदाता करेंगे प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 के तहत प्रदेश के 199 विधानसभा क्षेत्रों में 25 नवम्बर को मतदान होगा। जिलों में मतदान के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। विधानसभा क्षेत्रों में कुल 51,507 मतदान केन्द्रों पर 5,26,90,146 मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। 18-30 आयु वर्ग के 1,70,99,334 के युवा मतदाता मतदान करेंगे, जिनमें 18-19 आयु वर्ग के 22,61,008 नव मतदाता शामिल हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में कुल 36,101 स्थानों पर मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। कुल 10,501 मतदान केन्द्र शहरी क्षेत्र में और 41,006 ग्रामीण क्षेत्र में बनाए गए हैं। कुल 26,393 मतदान केन्द्रों पर लाइव वेबकास्टिंग करवाई जाएगी। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से इन मतदान केंद्रों पर निगरानी की जाएगी। प्रदेशभर में 65,277 बैलट यूनिट, 62,372 कंट्रोल यूनिट और 67,580 वीवीपैट मशीनें रिजर्व सहित मतदान कार्य में उपयोग ली जाएंगी।

6,287 माइक्रो आब्जर्वर की ड्यूटी

उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए 6,287 माइक्रो आब्जर्वर और 6247 सेक्टर अधिकारी मय रिजर्व नियुक्त किए गए हैं जो मतदान दलों से सतत समन्वय बनाकर किसी भी प्रकार की परेशानी का तत्काल निराकरण करेंगे। सभी सेक्टर अधिकारियों को एक-एक अतिरिक्त ईवीएम मशीन भी दी जाएगी। जो ईवीएम संबंधी खराबी की सूचना होने पर सुधार एवं रिप्लेसमेंट की कार्यवाही करेगे। ईवीएम संबंधी खराबी के त्वरित निराकरण के लिए हर विधानसभा में दो-दो बेल के इंजीनियर भी मौजूद रहेगे जो सूचना प्राप्त होने पर शीघ्र केन्द्रों पर पहुंचेंगे। बेल इंजीनियर के पास भी एक-एक अतिरिक्त ईवीएम मशीन रहेगी।

प्रवीण गुप्ता ने बताया कि 2,74,846 मतदान कर्मी मतदान सम्पन्न कराएंगे। 7960 महिला मतदानकर्मी महिला प्रबन्धित मतदान केन्द्रों पर एवं 796 दिव्यांग मतदान कार्मिक दिव्यांग प्रबन्धित मतदान केन्द्रों पर कमान संभालेंगे। सभी मतदान बूथों पर मतदान हेतु व्हील चेयर की व्यवस्था की गई है, जिसका लाभ लेते हुए वहां आने वाले दिव्यांगजन एवं 80 वर्ष की आयु के वरिष्ठ मतदाता अपना मत बिना किसी असुविधा के डाल सकते हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने के लिए कुल 1,02,290 सुरक्षाकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। कुल 69,114 पुलिस कर्मी, 32,876 राजस्थान होमगार्ड, फोरेस्ट गार्ड एवं आरएसी जवानों का बल तैनात किया गया है एवं CAPF की 700 कंपनिंयां तैनात की गयी है।

शेरगांव में बना सबसे ऊंचा मतदान केंद्र

यहां जंगल के रास्ते 18 किमी पैदल चलकर जाएगा मतदान दल

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 में सुगम और समावेशी मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश में दुर्गम, दूरदराज और कम आबादी वाले क्षेत्रों में भी निर्वाचन विभाग ने मतदान केंद्र बनाए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने कहा कि कोई भी मतदाता मतदान केंद्र तक पहुंच नहीं पाने के कारण मताधिकार से वंचित न रहे, इस दिशा में निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विशेष तैयारियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दुर्गम पहाड़ी इलाकों से लेकर, बहुत कम आबादी वाले मरुस्थलीय क्षेत्र में भी मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। गुप्ता ने बताया कि सिरोही जिले के आबू-पिंडवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 4921 फुट की ऊंचाई पर स्थित शेरगांव के मतदाता इस वर्ष पहली बार अपने ही गांव में मतदान कर पाएंगे। मतदान दल फोरेस्ट गार्ड की मदद से घने जंगल में करीब 18 किलोमीटर तक पगडंडियों पर पैदल चलकर इस मतदान केंद्र तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि यहां 117 मतदाताओं के लिए मतदान केंद्र बनाया गया है।

ट्रेन में शराबियों ने की 'आप' नेत्री से बदसलूकी

> गायत्री ने वीडियो बनाकर किया पोस्ट

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। आदमी पार्टी की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष गायत्री बिश्नोई ने अपने ट्विटर पर ट्रेन का एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि केवल महिला ही नहीं कोई भी यात्री @IRCTCofficial में सुरक्षित नहीं है। बड़ी हैरानी की बात है, रात एक बजे ट्रेन में कुछ बदमाश खुलेआम नशे का सेवन कर, गंदी गालियों से यात्रियों को परेशान कर रहे हैं और ट्रेन में एक भी आरपीएफ जवान नहीं है।

गायत्री ने ट्रेन में नशे की हालत में उपद्रव कर रहे तीन लोगों का वीडियो पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि रेलवे सुरक्षा बल को शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई में देरी की गई। वहीं, जवाब में रेलवे ने तुरंत कार्रवाई की बात कही है, जिसके बाद से मामले ने तूल पकड़ लिया है। आरपीएफ ने अपने बयान में कहा कि उनकी ओर से आरोपियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने के बाद गायत्री ने वीडियो पोस्ट किया है। इस पर गायत्री विश्नोई का कहना कि मैं यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि बाद में ये मामला कहीं रफा-दफा न हो जाए। आरपीएफ की देर से की गई कार्रवाई के चलते ट्रेन में यात्रा करने वाली कई महिला यात्रियों को कैसे असुरक्षित और अजीब स्थिति में डाल दिया।

साथ ही मैं लोगों को यह बताना चाहती थी कि कई ट्रेन में एक भी आरपीएफ जवान नहीं होता है। वहीं, आरपीएफ ने एक में ये स्वीकर किया है कि ट्रेन (झालावाड़ सिटी से श्रीगंगानगर एक्सप्रेस) में कोई जवान तैनात नहीं था क्योंकि 5,000 कर्मियों को उनकी नियमित नौकरी से चुनाव ड्यूटी में भेज दिया गया है।

आरपीएफ ने कहा कि 20-11-2023 को आधी रात के ऑपरेशन में, रेलवे सुरक्षा बल ने ट्रेन नंबर 22997 (झालावाड़ सिटी से श्री गंगानगर एक्सप्रेस) पर एक महिला यात्री की परेशानी की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उसका समाधान किया।

गुर्जर फैक्टर साधने के लिए गहलोत का बड़ा दांव

वोटिंग से पहले पायलट का वीडियो किया ट्वीट

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव से ठीक पहले सचिन पायलट का वीडियो ट्वीट किया है। इसमें सचिन पायलट कांग्रेस के समर्थन में वोट डालने की अपील कर रहे हैं। इसमें सचिन पायलट कह रहे हैं कि हम सारी बातें भुलाकर हाथ के निशान पर बटन दबाकर कांग्रेस को जितवाएं। गौरतलब है कि पिछले पांच सालों में गहलोत और पायलट के बीच विवादों के चलते राजस्थान में कांग्रेस की सरकार कई बार संकट में फंसी।

पिछले चुनाव में नाराज थे गुर्जर वोटर

चुनावों के ऐलान के बाद भी कांग्रेस में इसी बात को लेकर घमासान मचा हुआ है कि दोनों में से सीएम का चेहरा कौन होगा। गुर्जर वोटर पिछली बार सचिन पायलट को सीएम नहीं बनाए जाने को लेकर काफी नाराज थे। इसलिए इस बार कांग्रेस को ये वोट छिटकने का डर जरूर सता रहा होगा। खुद सीएम अशोक गहलोत एक दिन पहले प्रेस कांफ्रेस में यह कह चुके हैं कि बीजेपी गुर्जरों को भड़काने का काम कर रही है।

पायलट-गहलोत साथ साथ

कांग्रेस के कई प्रत्याशियों को इस बात का डर है कि सचिन पायलट के साथ खड़े नहीं नजर आने का खामियाजा उन्हें चुनावों में उठाना पड़ेगा।

गहलोत : राजस्थान में कांग्रेस की लहर चल रही है,सरकार रिपीट होगी

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव पर सीएम अशोक गहलोत ने कहा, राजस्थान में कांग्रेस की लहर चल रही है ये मैं महसूस कर रहा हूं।... मैं अपील यही करना चाहता हूं कि सभी मतदान ज्यादा करें। मुझे यकीन है इस बार हमारी सरकार फिर से वापस आएगी। राज्य में एक चरण में 25 नवंबर को मतदान होगा वही 3 दिसंबर को मतगणना की जाएगी।

दो कारों की टक्कर में पांच की मौत

चूरू, 24 नवंबर (एजेंसियां)। चूरू जिले के सरदार शहर में बीती रात भीषण सड़क हादसा हुआ। गांव भादासर के नजदीक दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, चार लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सभी की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

जानकारी के अनुसार राजस्थान के चूरू जिले के सरदार शहर के गांव भादासर के नजदीक दो गाड़ियों में जबरदस्त टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि सड़क पर डिवाइडर और रोड लाइट न होने की वजह से ये हादसा हुआ। हादसे के समय दोनों कार में दस लोग सवार थे। हादसे के दौरान चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक ने अस्पताल जाते समय रास्त में दम तोड़ दिया। इसके अलावा बाकी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से दो की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि इनमें से एक कार में सवार सभी लोग शादी समारोह से लौट रहे थे।

राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष बोले

गहलोत ने अपराध-भ्रष्टाचार में किया विकास, हम बदलेंगे तस्वीर

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने राजस्थान में किन मुद्दों पर दांव खेला है और सरकार बनने की स्थिति में राज्य के विकास के लिए उसके पास क्या योजनाएं हैं, बातचीत में राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष, विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष, आमेर विधानसभा सीट से विधायक और वर्तमान प्रत्याशी डॉ. सतीश पूनिया ने कहा लोकतंत्र में इस घड़ी का हम सब बड़ी बेसब्री से इंतजार करते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि जनता भाजपा को वोट देकर राजस्थान के विकास को अवसर देगी, जिससे इस राज्य को एक नई पहचान मिल सके। पिछले पांच साल में अशोक गहलोत सरकार ने जिस तरह राजस्थान में अपराध-भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक हिंसा को बढ़ावा दिया है, जनता उससे मुक्ति चाहती है। मुझे लगता है कि वह घड़ी आ गई है जब जनता ऐसे भ्रष्ट नेता और सरकार को घर भेजेगी और विकास के लिए भाजपा की सरकार बनाने के लिए वोट करेगी।

हमने देखा है कि किस तरह पिछले पांच साल में राजस्थान में पेपर लीक करके युवाओं का भविष्य बर्बाद किया गया है। हमने देखा है कि किस तरह कांग्रेस सरकार के मंत्रियों-विधायकों ने खुलेआम लूट और भ्रष्टाचार किया है, लेकिन अशोक गहलोत ने केवल अपनी सरकार बचाये रखने के लिए इन सब अपराधों पर चुप्पी साधे रखी। हमारी माताओं-बहनों ने लगातार देखा है कि किस तरह यहां बेटियों के साथ बलात्कार होते रहे, उन्हें जिंदा भट्टियों में झोंका जाता रहा, लेकिन मुख्यमंत्री की नींद नहीं टूटी। जनता ने देखा है कि किस तरह सरकार ने मुस्लिम तुष्टिकरण किया और हिंदुओं को लगातार अपमानित होना पड़ा है। मुझे लगता है कि राजस्थान का कोई भी व्यक्ति ऐसी सरकार को दोबारा अवसर नहीं देना चाहेगा। अशोक गहलोत सरकार की विदाई तय है। इसमें कहीं कोई संदेह नहीं है।

जैसा कि मैंने पहले कहा कि अशोक गहलोत सरकार ने केवल अपराध और भ्रष्टाचार में विकास किया है। आप आंकड़े उठाकर देख लीजिए, हमने वसुंधरा राजे सिंधिया की सरकार में गहलोत सरकार से दस गुना ज्यादा सड़कें बनवाईं, अस्पताल-कॉलेज बनवाये। हमने ही राजस्थान के दूर-दूर तक के इलाकों को सड़कों से जोड़ा। कांग्रेस को विकास की बात करने का कोई अधिकार नहीं है। इस बारे में मीडिया में भ्रम हो सकता है, लेकिन जनता और कार्यकर्ताओं के बीच किसी तरह का कोई भ्रम नहीं है।

सचिन पायलट का यह दर्द कहीं कांग्रेस की बड़ी हार का कारण न बन जाए?

बोले-बहुत कुछ कहा गया, आरोप लगाए गए

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में 25 नवंबर यानी शनिवार को मतदान होगा। भाजपा-कांग्रेस समेत सभी दलों ने चुनाव प्रचार के माध्यम से जनता तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन इन सबके बावजूद तीन दिसंबर की तारीख ही नेताओं के कामकाज पर आखिरी मोहर लगाएगी, क्योंकि इस दिन पेटियों में बंद नेताओं की किस्मत बाहर आएगी, लेकिन इन सबके बावजूद अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच जो तकरार 2020 में देखने को मिली थी, उसकी टीस रह-रहकर सचिन पायलट को चुभती रही है। यही वजह है कि उनका यह दर्द समय-समय पर सामने भी आता रहा है। साथ ही मीडिया भी सचिन पायलट से इस मुद्दे को लेकर अक्सर सवाल दाग ही देती है। ऐसा ही कुछ शुक्रवार को हुआ जब सचिन पायलट ने एक बार फिर उस लम्हे को याद करते हुए कहा कि मेरे बारे में बहुत कुछ कहा गया, आरोप लगाए गए, लेकिन मैंने हमेशा अपना धैर्य न खोने की कोशिश की।

सचिन पायलट ने कहा, 'मेरे बारे में बहुत कुछ कहा गया, आरोप लगाए गए, लेकिन मैंने कभी धैर्य नहीं खोया और संयम से काम लिया। मैंने हमेशा मर्यादित भाषा का प्रयोग किया। पायलट ने साथ यह भी कहा कि मुझे लोकतंत्र में अगर विरोधियों की आलोचना करनी है तो भी संयमित भाषा में करनी चाहिए। बजपन से मेरे इसी तरह के संस्कार हैं।' राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम से जब पूछा गया कि मतदान की तारीख आते-आते सचिन पायलट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अशोक गहलोत दोनों के लाडले बन गए हैं? इस सवाल के जवाब में सचिन पायलट ने कहा, 'अगर किसी नेता को लाडला बनना है तो पब्लिक का बनना चाहिए। लाडला बनने के लिए किसी नेता की जरूरत नहीं होती।

पब्लिक का लाडला बनने के लिए त्याग, तपस्या, समर्पण, सेवा और जनता के बीच में रहकर जो रिश्ता कायम होता है, वही सबसे बड़ी पूंजी होती है और मैं उसी दिशा में काम कर रहा हूं। उसी तरह के मेरे बचपन से संस्कार हैं।' पीएम मोदी भी आपकी चिंता करने लगे हैं? इस सवाल के जवाब में सचिन पायलट ने कहा, 'किसी को भी मेरी चिंता करने की जरूरत नहीं है। मेरी पार्टी और मेरी जनता ही मेरी चिंता करेगी। हम उसके लिए समर्पित हैं। विचारधारा के प्रति जो हमारा संघर्ष है, हम उसमें जीतकर आएंगे।'

भाजपा से बागी हुए पूर्व मंत्री यूनुस खान के बेटे को आयकर विभाग का नोटिस

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के बीच एक बड़ी खबर ने हलचल मचा दी है। आयकर विभाग ने भाजपा से बागी हुए पूर्व मंत्री यूनुस खान के बेटे मेहमूद को नोटिस भेजा है। यूनुस खान भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर डीडवाना से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। आयकर विभाग ने धारा 131 (1A) के तहत यूनुस खान के बेटे मेहमूद को नोटिस भेजा है। सूत्रों के अनुसार मेहमूद को जोधपुर आयकर भवन में 29 नवम्बर को सुबह 10:56 बजे उप निदेशक अरविन्द कुमार मीना के समक्ष होना पेश है।

इस मामले में मेहमूद खुद या अपने किसी अधिकृत प्रतिनिधि को जबाव देने के लिए भेज सकते हैं। लोगों में चर्चा है कि भाजपा विरोधियों पर ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स की कार्रवाई कर रही है। इसी के चलते यूनुस खान के बेटे मेहमूद को आयकर विभाग का नोटिस मिला है। यूनुस खान पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे गुट के माने जाते हैं। यूनुस खान डीडवाना से बीजेपी से टिकट मांग रहे थे। इस बार भाजपा ने टिकट वितरण में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को तवज्जो नहीं दी है। इसके चलत यूनुस खान को भी डीडवाना से टिकट नहीं मिला। इसलिए उन्होंने बीजेपी से बागी होकर निर्दलीय पर्चा दाखिल कर दिया।

जयपुर में ज्वेलरी शॉप में लूट

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में दो बदमाशों ने ज्वेलरी शॉप में लूट की वारदात की। कस्टमर बनकर आए बदमाश सेल्समैन की आंखों के सामने चांदी की पायजेब लेकर भाग गए। शॉप में लगे सीसीटीवी फुटेज में बदमाशों की करतूत कैद हो गई। ब्रह्मपुरी थाना पुलिस फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया- कागदीवाड़ा ब्रह्मपुरी निवासी प्रदीप कुमार (40) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शंकर नगर कागदीवाड़ा में उनकी ज्वेलरी की शॉप है। 16 नवम्बर को सुबह शॉप पर उसका सेल्समैन बैठा था। सुबह करीब 11 बजे बाइक सवार दो व्यक्ति खरीदारी करने शॉप पर आए।

कस्टमर बनाकर आए बदमाशों ने चांदी की पायजेब दिखाने की कहा। सेल्समेन के पायजेब दिखाने के दौरान एक बदमाश बाहर बाइक पर जाकर बैठ गया। बाइक स्टार्ट करते ही शॉप के अंदर मौजूद बदमाश 250 ग्राम वजनी पायजेब की जोड़ी को लेकर भागा। सेल्समैन के शोर मचाने के दौरान दोनों बदमाश चांदी की पायजेब लूटकर तेजी से बाइक पर बैठकर फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने उनको ढूंढने के लिए गलियों में चक्कर भी लगाए, लेकिन बदमाशों का पता नहीं चला।

राजस्थान के 6 जिलों में ओले-बारिश का अलर्ट

60 किमी की रफ्तार से चलेगी हवा; जयपुर, जोधपुर समेत 22 जिलों में बरसात की संभावना

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में 26 नवंबर से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। एक पश्चिमी विक्षोभ के कारण दक्षिण-पश्चिम जिलों में कहीं-कहीं तेज बारिश के साथ ओले गिरने और तेज आंधी चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसे देखते हुए चित्तौड़गढ़, सिरोही, उदयपुर, बाड़मेर, जालोर और पाली के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में तेज बारिश और ओले के साथ यहां 40 से 60 किमी की स्पीड से तेज हवा चलने की आशंका जताई है। वहीं, कुल 22 जिलों में बारिश की संभावना है।

मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के जोधपुर और उदयपुर संभाग के जिलों में 26 नवंबर से हल्की बारिश की गतिविधियां शुरू हो सकती हैं। दरअसल, अरब सागर की खाड़ी से हवाओं के साथ उपयुक्त नमी सप्लाई होने से इस सिस्टम का सर्वाधिक असर देखने को मिलेगा। सबसे ज्यादा बारिश उदयपुर संभाग के जिलों में होने की संभावना है। मेघगर्जन के साथ बारिश की गतिविधियां 27 नवंबर को राज्य के कोटा, भरतपुर, जयपुर संभाग में देखने को मिल सकती है। 28 नवंबर से इस सिस्टम के कमजोर होने की संभावना है। न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने हो सकती है।

इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने 26 नवंबर को चित्तौड़गढ़, सिरोही, उदयपुर, बाड़मेर, जालोर और पाली जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग ने इन जिलों में तेज बारिश और ओले के साथ यहां 40 से 60 KM की स्पीड से तेज हवाएं चलने की आशंका जताई है। इन जिलों के अलावा जोधपुर, टोंक, सवाई माधोपुर, राजसमंद, प्रतापगढ़, कोटा, झालावाड़, जयपुर, डूंगरपुर, बूंदी, भीलवाड़ा, भरतपुर, बारां, बांसवाड़ा, अलवर और अजमेर में बारिश होने की संभावना जताई है।

उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ के नजदीक आने से उत्तर-पश्चिमी हवाएं भी आना रूक गई, जिससे राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली में तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी हुई है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आज न्यूनतम तापमान 14.2, जोधपुर में 14.3 और बाड़मेर में 14.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

प्रियंका गांधी ने जनगांव व हुस्नाबाद में जनसभाओं को संबोधित किया

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज जनगांव जिले के पालकुर्ती में आयोजित एक सार्वजनिक बैठक में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवाओं और महिलाओं की शक्ति देखकर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है। बीआरएस पार्टी के उम्मीदवार और राज्य मंत्री एर्राबेली दयाकर राव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब वह पालकुर्थी में एक परिवार की सेवाओं को देखकर गर्व महसूस कर रही थीं, तो दूसरे परिवार द्वारा किए गए भूमि के अतिक्रमण को देखकर दुखी हो रही थीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेलंगाना राज्य का गठन लोगों के बलिदानों के कारण हुआ था और उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि राज्य का विकास उन बलिदानों के आधार पर हो। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में सभी की आकांक्षाएं पूरी होनी चाहिए। क्या अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की आकांक्षाएं पूरी हुईं? लोगों को इसके बारे में सोचना होगा।

प्रियंका गांधी ने पूछा कि तेलंगाना राज्य में युवाओं को जो रोजगार मिला है, उसमें कितने लोगों को रोजगार मिला है? 10 वर्षों में कितने लोगों को सरकारी नौकरियाँ मिलीं? बेरोजगारी के मामले में तेलंगाना देश का नंबर एक राज्य है। सरकार द्वारा आयोजित नौकरी परीक्षाओं में भी बहुत भ्रष्टाचार हुआ। नौकरी की परीक्षाओं के पेपर लीक होने से युवा निराश थे। कुछ ने आत्महत्या कर ली है. इस सरकार ने एक युवा महिला के आत्महत्या करने पर उसकी मौत पर व्यंग्यात्मक ढंग से बात की है।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि कांग्रेस जीतेगी तो बेरोजगारों की मुश्किलें दूर होंगी. जब हम सत्ता में आएंगे, तो हम नौकरी कैलेंडर लागू करेंगे। पेपर लीक रोका जाएगा. कांग्रेस सत्ता में आई तो महिलाओं की मुश्किलें दूर की जाएंगी। प्रत्येक महिला के खाते में 2500 रुपये प्रति माह जमा किये जायेंगे. हम 500 रुपये में गैस सिलेंडर देंगे।'' उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण सभी वस्तुओं की कीमतें बढ़ गई हैं।

उन्होंने कहा कि जीएसटी के कारण आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ गई हैं। वस्तुओं की कीमतें कम करने के लिए कांग्रेस पार्टी को सत्ता में आना होगा। बदलाव तो आना ही है. कांग्रेस को आना चाहिए. केसीआर सरकार को जाना चाहिए।

प्रियंका ने हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने पूछा कि बीआरएस पार्टी ने लोगों के लिए क्या किया है? क्या सीएम केसीआर ने आपको रोजगार दिया? उनके परिवार के सदस्यों को मंत्री पद दिया गया। लेकिन, आपके बच्चों को नौकरी नहीं दी गयी. आप अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं। उनकी मेहनत बर्बाद हो रही है. क्या आप अगले पांच साल तक ऐसी ही सरकार चाहते हैं? हमने कांग्रेस शासित राज्यों में दो लाख नौकरियां दी हैं। केसीआर सरकार द्वारा शुरू की गई परियोजनाएं भ्रष्टाचार से भरी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि वह देश की संपत्ति लूट रहे हैं और कहा कि पीएम के दोस्त अडानी की एक दिन में 1,500 करोड़ रुपये की शुद्ध आय है। यह चुनाव कांग्रेस और बीआरएस पार्टी के बीच मुकाबला है, जहां एआईएमआईएम अन्य राज्यों में 40 से 50 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है, वहीं तेलंगाना में वह केवल सात सीटों पर चुनाव लड़ रही है। औवेसी हमेशा राहुल गांधी को डांटते रहते हैं. अब भी, बीआरएस और एमआईएम के बीच की दोस्ती को मान्यता दी जानी चाहिए।

राजेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र में टोकला के समर्थन में जोरदार प्रचार जारी

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एमएमपीएस टोकला श्रीनिवास रेड्डी के समर्थन में प्रचार जोरदार जारी है। एमएमआरपीएस नेताओं ने प्रचार पत्र और स्टिकर का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी में बड़े पैमाने पर बदलाव आया है। विभिन्न गांवों के लोग टोकला श्रीनिवास रेड्डी के लिए जयकार कर रहे हैं। टोकला की उपस्थिति में बुडवेलु से लगभग 100 लोग भाजपा में शामिल हुए। उन सभी को भगवा स्कार्फ पहनाया गया और पार्टी में आमंत्रित किया गया। उन्होंने कहा कि वे राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र में जीत के लिए बीजेपी उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

सोलिटेयर हारमोनी माधोपुर में कार्तिक मास देवोत्थान एकादशी पर तुलसी-सालिगराम जी का विवाहोत्सव एंव पूजन-अर्चन करते हुए राष्ट्रीय चेतना सेवा समिति तेलांगना प्रदेश अध्यक्षा अरुणा गुप्ता आयोजक सरोज अग्रवाल सम्मानीय सदस्य सोनी, शिरिषा, नम्रता, मीता, लता, लावण्या, चारु व अन्य।

जैन परंपराओं को विरासत से मिला है नमस्कार महामंत्र : डॉ. मंगलप्रज्ञा

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी की प्रेरणा से भाग्यनगर हैदराबाद में नमस्कार महामंत्र का प्रतिदिन 13 घंटे जप का व्यवस्थित क्रम चला। नमस्कार महामंत्र का लगातार 5 महीने 13 घंटे घर-घर आध्यात्मिक आरोहण जप अनुष्ठान हुआ। इस महामंत्र यज्ञ में संपूर्ण श्रावक समाज ने श्लांघनीय उत्साह दिखाया। 1 जुलाई 2023 से 27 नवंबर तक जप का अखंड अनुष्ठान चला। साध्वीश्री के सान्निध्य में चतुर्मासिक नवकार मंत्र महायज्ञ का समापन समारोह आज तेरापंथ भवन में "आध्यात्मिक आरोहण अनुष्ठान" के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर साध्वीश्रीजी ने श्रावक समाज को जैन प्रभावक मंत्रो के द्वारा सामुहिक अनुष्ठान करवाया। श्रावक समाज को उद्बोधन प्रदान करते हुए साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी ने कहा कि नमस्कार महामंत्र जैन परंपरा का महत्वपूर्ण मंत्र है। यह सुरक्षा कवच की तरह है जो विघ्नों, समस्याओं का निवारण करता है। जैन समुदाय भाग्यशाली है जिन्हे इतना बड़ा मंत्र विरासत से मिला है। इस महामंत्र की आराधना करने वाला विकट परिस्थितियों में भी शांति तो प्राप्त करता ही है, इसके द्वारा उपद्रव भी शांत होते हैं। साध्वीश्रीजी ने नमस्कार महामंत्र की अनेक ऐतिहासिक चमत्कारिक घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा यह महामंत्र अमृत की तरह है, आवश्यकता है नमस्कार मंत्र के साथ भक्ति का रसायन करें। मात्र शब्दोच्चरण न करे,तन्मय होकर भावों के साथ इस महामंत्र की आराधना होना चाहिए।

उन्होंने कहा तेरापंथ धर्मसंघ में मंत्रविद जयाचार्य और प्रेक्षा प्रणेता आचार्य महाप्रज्ञजी ने मंत्री की गहन साधना की है । अपनी शक्ति साधना से संघ को पोषित और पल्लवित किया है। महा यशस्वी ज्योतिपुंज आचार्य श्री महाश्रमण जी के 50वे दीक्षा कल्याण वर्ष के अवसर पर भाग्यनगर वासियों ने श्री चरणों में जप की आध्यात्मिक भेंट दी है। 150 दिनो में लगभग 36000 से अधिक सामायिक हुई। एक दिन में 5, 6, 7 घरों में भी जप चला। इस महामंत्र जप अनुष्ठान में एक दिन में 527, 470, 431, 340 और 228 सामायिक की है। साध्वीश्री ने आगे कहा कि हमारा जीवन आध्यात्म की दिशा में आरोहण करता रहे। तेरापंथ सभा के मंत्री सुशीलजी सचेती ने आज के विशेष अनुष्ठान में संभागी श्रावक परिवार का स्वागत करते हुए कहा कि पूरा भाग्यनगर साध्वीश्री डॉक्टर मंगलप्रज्ञाजी का आभारी है जिन्होंने घर घर शक्ति संप्रेषण के प्रेरणा दी। आज यह अनुष्ठान सानंद संपन्न हो रहा है।

शब्दाक्षर के राष्ट्रीय साहित्योत्सव में प्रदान किये जाएंगे 'कवि हरिश्चन्द्र गुप्ता शब्दाक्षर सम्मान'

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शब्दाक्षर, राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था के दिनांक 25 नवंबर से 27 नवंबर तक हरिद्वार में आयोजित राष्ट्रीय साहित्योत्सव में नगर के सुप्रसिद्ध कवि स्वर्गीय हरिश्चन्द्र गुप्ता के परिवार द्वारा प्रायोजित "कवि हरिश्चन्द्र गुप्ता शब्दाक्षर साहित्य श्री सम्मान" तथा "कवि हरिश्चन्द्र गुप्ता शब्दाक्षर काव्य श्री सम्मान" प्रदान किये जाएंगे।

शब्दाक्षर की तेलंगाना प्रदेश अध्यक्षा ज्योति नारायण द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2021-2022 में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ मौलिक काव्य संग्रह के रचियता को 51000 रुपये तथा "कवि हरिश्चन्द्र गुप्ता शब्दाक्षर साहित्य श्री सम्मान" तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले काव्य संग्रह के रचियता को 21000 रुपये तथा "कवि हरिश्चन्द्र गुप्ता शब्दाक्षर काव्य श्री सम्मान" से सम्मानित किया जाएगा। शब्दाक्षर के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह के निर्देशन में कार्य कर रही पाँच सदस्यीय चयन समिति के निर्णय की घोषणा, देश के सुप्रसिद्ध साहित्यकार बुद्धिनाथ मिश्र द्वारा, 26 नवंबर को हरिद्वार में आयोजित शब्दाक्षर राष्ट्रीय साहित्योत्सव में ही की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर ज्योति नारायण द्वारा संपादित, शब्दाक्षर तेलंगाना द्वारा प्रकाशित, शब्दाक्षर के सदस्यों के श्रेष्ठ गीतों के संकलन शब्दाक्षर गीतमाला तथा अन्य पुस्तकों का विमोचन भी किया जाएगा। इस तीन दिवसीय शब्दाक्षर राष्ट्रीय साहित्योत्सव में देश के लगभग 125 साहित्यकार भाग लेंगे। तेलंगाना प्रदेश से भी कई साहित्यकार, श्रीमती ज्योति नारायण के नेतृत्व में इस साहित्योत्सव में भाग लेंगे।

अग्र महिला मंच तेलंगाना का दीपावली मिलन सम्पन्न

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच तेलंगाना का दीपावली मिलन एवम अन्नकूट महोत्सव बशीरबाग स्थित हनुमान देवालय में 60 महिलाओं के सानिध्य में मनाया गया। प्रेस विज्ञप्ति में मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी को माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। कार्तिक मास के चलते आंवला नवमी, तुलसा जी की कहानी पढ़कर, पूजा की गई व दीपों की अवलि से सजाया गया तदन्तर दुर्गा माता जी की सामूहिक रूप से आरती की गई , इस कार्यक्रम में शारदा गुप्ता जी का सहयोग रहा इसी कड़ी में मंच की अध्यक्षा एवम् मंत्राणी द्वारा उनका सम्मान किया गया इस संपूर्ण अन्नकूट प्रसादी अध्यक्षा दीपा गर्ग के विशेष योगदान से किया गया।

कार्तिक मास के सुंदर भजन में मंजू केजरीवाल, मधु गोयल, शारदा गुप्ता, अर्चना अग्रवाल, सरला अग्रवाल, भावना गुप्ता, सुनीता अग्रवाल, अमिता बगेडिया, निर्मला अग्रवाल, सीमा गर्ग, प्रभावती अग्रवाल, सपना अग्रवाल, मीता पंसारी ने गाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया, पायल गर्ग, शिवानी गोयल, सृष्टि गर्ग ने संपूर्ण कार्यभार संभाला, स्वादिष्ट प्रसाद का सभी ने आनंद उठाया।

अग्र महिला मंच द्वारा मंदिर के लिए बंदनवार भेंट की गई। मंत्राणी अंजू गोयल ने कार्यक्रम को सफल बनाने पर सभी महिलाओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

तुलसी विवाह व सुंदरकाड पाठ कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर भारती नागरिक संघ, वनस्थलीपुरम हैदराबाद के चेयरमैन एनके सिंह परिवार द्वारा तुलसी विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वप्रथम पंचमुखी हनुमान मंदिर, शारदानगर श्रीसोमा माता बाजे-गाजे के साथ नरसिम्हा राव नगर कालोनी श्री राधे कृष्णा विवाह के बाद पूजा-अर्चना हुई। उसके बाद सुन्दर काण्ड का आयोजन हुआ तथा भंडारा का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर काफी संख्या में लोगों ने प्रसाद का आनन्द लिया। इस शुभ अवसर पर एनके सिंह, मालती देवी, नन्दकिशोर सिंह, अमरजीत सिंह, विशेष अतिथि बिहार से आये रमणजीत प्रसाद एवं रवि प्रकाश सिंह, भवानी शंकरमन सिंह, भारतमान सिंह, गजानन्द चौधरी, विष्णु यादव, डी. पवन कुमार, सुनील सोलंकी, अरुण सिंह, सौरव सिंह, करण कुमार, एनके अग्रवाल, सुरेन्दर यादव, डी.के. तिवारी, सुरेश गोयल, रमेश काबरा, अजित सिंह, एम. श्रीनिवास, वेंकट रेड्डी, प्रदीप राव एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुये।

चुनाव का मतलब है पांच साल का भविष्य : हरीश

कामारेड्डी, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि चुनाव वोटों का त्योहार नहीं है, बल्कि पांच साल का भविष्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक व्यवस्था को गुमराह कर रही है और पैसे से वोट खरीदने की कोशिश कर रही है। शुक्रवार को येलारेड्डी विधानसभा क्षेत्र में रोड शो करने वाले हरीश राव ने कहा कि जो लोग अमेरिका से आए हैं वे पैसे के बैग वाले नेताओं को खरीदने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछली भाजपा सरकार के दौरान कर्नाटक को कृषि क्षेत्र के लिए नौ घंटे बिजली की आपूर्ति दी जाती थी, लेकिन कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद किसानों को पांच घंटे से अधिक बिजली की आपूर्ति नहीं मिल रही है। टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी का कहना है कि तीन घंटे बिजली पर्याप्त है जबकि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार कहते हैं कि किसानों को पांच घंटे बिजली आपूर्ति पर्याप्त है। हरीश राव ने पूछा, जब केसीआर 24 घंटे बिजली दे रहे हैं तो क्या हमें कांग्रेस पर भरोसा करके मूर्ख बनना चाहिए। मंत्री ने कहा कि अगर तेलंगाना के किसान आगामी चुनाव में कांग्रेस को वोट देंगे तो उन्हें कर्नाटक के किसानों की तरह ही परेशानी होगी। नारायणखेड में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि पड़ोसी राज्य में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद कृषि क्षेत्र को बिजली की आपूर्ति नौ घंटे से घटकर तीन घंटे हो गई है और बताया कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तेलंगाना में भाषण दे रहे थे।

केन्द्रीय विद्यालय, बेगमपेट के छात्रों ने किया एनआईआईएमएच का दौरा

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय की एक संस्थान राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद में केन्द्रीय विद्यालय, बेगमपेट के छठीं कक्षा के लगभग 200 छात्रों और अध्यापकों ने दौरा किया। संस्थान के डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में संस्थान के अनुसंधान अधिकारियों और वरिष्ठ अनुसंधान अध्येताओं ने छात्रों को आयुर्वेद के बारे में जागरूकता प्रदान की। संस्थान के संग्रहालय में विभिन्न भारतीय चिकित्सा विज्ञान की पांडुलिपियों, शिलालेखों, तस्वीरों और मूर्तियों के बारे में छात्रों को अवगत कराया गया। इसी प्रकार, आयुर्वेद के मुख्य उद्देश्य के बारे में छात्रों को वीडियो और ब्रोशर के माध्यम से आयुर्वेद की महानता के बारे में बताया गया। साथ ही संस्थान में आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों और आयुर्वेदिक पौधों के बारे में जागरूकता पैदा करने के अलावा छात्रों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को डाबर कंपनी की ओर से निःशुल्क फलों का जूस एवं नाश्ता उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय विद्यालय से शिक्षिका श्रीमती सरोज शर्मा, श्रीमती पुष्पिता सिंह, मनोज कुमार मिश्रा, कीर्ति, मरम नीलिमा जी एवं मिस लाइन प्रत्युषा ने भाग लिया। कार्यक्रम में संस्थान की ओर से डॉ. वी. श्रीदेवी, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद), डॉ. संतोष माने, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद), डॉ. बिश्वरंजन दास,अनुसंधान अधिकारी(होमियो), डॉ. क्रिस आन्टणी, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद), मुरली मनोहर, एआरओ, के. श्रीनिवास राव, पुस्तकालयाध्यक्ष और अन्य स्टाफ भी शामिल हुए।

हिन्दी महाविद्यालय में सांख्यिकी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय में भारतीय सांख्यिकी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन डेटा एनालिसिस एक्सेल तथा मिनीटैब का प्रयोग विषय पर आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में आंध्र महिला सभा (विद्यानगर), डॉ. बी.आर. अंबेडकर कॉलेज (बागलिंगमपल्ली), आर.जी. केडिया (चादरघाट), शारदा कॉलेज (मुसापेट), पुल्ला रेड्डी कॉलेज (महेंदीपट्टनम), एवी कॉलेज (दोमलगुडा), मल्लारेड्डी कॉलेज, हेलन केलर (ईसीआईएल), वासवी कॉलेज (खैरताबाद), सिटी कॉलेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय के 200 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांख्यिकी विभाग (उस्मानिया विश्वविद्यालय) के डॉ. राघवेंद्र शर्मा तथा एस.क्यू.सी. (भारतीय सांख्यिकी संस्थान) की प्रमुख डॉ. एस.एम.सुभानी उपस्थित थी।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्राचार्या डॉ. बी. श्रीदेवी, सांख्यिकी विभागाध्यक्ष डॉ. रघुनाथ आचार्य तथा सभी प्राध्यापकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा सरस्वती वंदना के साथ हुआ। प्राचार्या डॉ. श्रीदेवी ने डेटा एनालेटिक्स के बारे में अपने सुझाव दिए। डॉ. रघुनाथ आचार्य ने डेटा साइंस तथा रोजगार की प्रमुखता पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। डॉ. एस.एम. सुभानी ने उद्योगों में सांख्यिकी के उपयोग के बारे में बतयाा। डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने समापन सत्र में सभी छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए तथा डेटा एनालिसिस की उपयोगिता पर वक्तव्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को सफलूपर्वक आयोजित करने का श्रेय सांख्यिकी विभाग के सभी प्राध्यापकण डॉ. रघुनाथ आचार्य, शनमुख राव, निकिता, शशि कुमार, शिवा कुमार, भवानी, जैत्रा तथा श्रीजा को जाता है।

ड्राफ्ट-एसर मोटर्स द्वारा एमएसआईएल सब्सक्रिप्शन

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ड्राफ्ट-एसर मोटर्स (मारुति अधिकृत डीलर) एमएसआईएल सब्सक्रिप्शन मॉडल के तहत मारुति सुजुकी कारों की डिलीवरी कर रहा है, जो वित्तपोषण का एक नया तरीका है। सदस्यता शून्य डाउन पेमेंट के साथ आती है और ग्राहक विभिन्न मासिक भुगतान विकल्पों में से चुन सकते हैं, इसलिए यह विकल्प मेसर्स बालाजी ट्रांस मूवर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रबंध निदेशक कुलदीप सिंह जैसे ग्राहकों के लिए आकर्षक पाया गया।

एसर मोटर्स के प्रबंध निदेशक मेजर पी. टी चौधरी, अनिंद्य दत्ता, वाणिज्यिक व्यवसाय प्रमुख दक्षिण-पूर्व क्षेत्र, बिक्रम सतपथी क्षेत्रीय प्रबंधक एपी एंड टीएस की उपस्थिति में मेसर्स बालाजी ट्रांस मूवर्स प्राइवेट लिमिटेड को कारें वितरित करके प्रसन्न हुए और सब्सक्रिप्शन सेल्स टीम और अन्य समान ग्राहकों के लिए जुड़वां शहरों में मारुति सब्सक्रिप्शन बिजनेस मॉडल में वृद्धि की आशा करते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

हमास ने 49...

वहीं, गुरुवार को इजराइली सेना ने कहा कि लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्लाह ने इजराइल की तरफ 50 रॉकेट दागे। इनमें से 20 लेबनान में ही गिर गए। जवाबी कार्रवाई में सैनिकों ने हिजबुल्लाह के कई ठिकाने तबाह कर दिए। हिजबुल्लाह हमास के हमले के एक दिन बाद यानी 8 अक्टूबर से इजराइल में हमले कर रहा है।

फ्यूल ट्रक भी गाजा पहुंचेंगे :

रिपोर्ट के मुताबिक, हमास का कहना है कि 4 दिन के सीजफायर के दौरान गाजा में काफी मदद पहुंचेगी। चारों दिन इजराइली सेना और हमास की तरफ से हमले नहीं किए जाएंगे। हर दिन फ्यूल से भरे 4 ट्रक और जरूरत का सामान लेकर 200 ट्रक गाजा में एंट्री लेंगे।

अकाल की कगार पर गाजा :

गाजा के एक सरकारी अधिकारी का कहना है कि इजराइली सेना स्कूलों, मस्जिदों पर हमला कर रही है। यहां कोई सेफ जगह नहीं बची है। राशन और जरूरी सामान यहां तक पहुंच नहीं पा रहा है। बिजली नहीं है और फ्यूल की कमी के कारण कुएं से पानी नहीं निकल रहा है। गाजा आकाल की कगार पर है।

बच्चों के बेड में हथियार मिले :

इजराइली सेना को जबालिया के पास टॉप हमास कमांडर के बच्चों के बिस्तर में और अलमारियों में हथियार मिले हैं। यहां 4 सुरंगें भी मिली हैं। यहां बड़ा इलेक्ट्रिसिटी नेटवर्क भी मिला है। यहां हमले से जुड़े कुछ डॉक्यूमेंट्स और बैटल प्लान भी मिले हैं।

राज्यपाल अनिश्चितकाल...

नागरिकों की आकांक्षाओं और मौलिक आजादी को हकीकत बनाने के लिए इन दोनों का समन्वय के साथ काम करना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को निर्देश दिया कि वह विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर जल्द फैसला लें। साथ ही कोर्ट ने पंजाब सरकार के जून के विधानसभा सत्र को संवैधानिक करार दिया है। सुप्रीम कोर्ट का गुरुवार को दिया गया यह आदेश गुरुवार को कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड हुआ।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बतौर कप्तान पहला मैच जीतने के बाद सूर्यकुमार ने कही यह बात, रिंकू-मुकेश की तारीफ की

विशाखापट्टनम , 24 नवंबर (एजेंसियां)। हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को दो विकेट से हरा दिया। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम ने रिकॉर्ड टारगेट चेज किया। यह बतौर कप्तान उनका पहला मैच था, लेकिन मैदान पर उतरते ही उन्होंने इसका दबाव महसूस नहीं किया। सूर्या ने गुरुवार को विशाखापत्तनम में बतौर कप्तान अपने पहले ही अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया पर दो विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 42 गेंद में 80 रन की शानदार पारी खेलकर फैंस का खूब मनोरंजन किया।

सूर्यकुमार ने क्या कहा?

सूर्या ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में कहा, 'मुझे लगता है कि यह गर्व का क्षण है, जब भी आप क्रिकेट खेलते हो तो आप भारत का प्रतिनिधित्व करने के बारे में सोचते हो। मैंने ड्रेसिंग रूम में (कप्तानी का) दबाव छोड़ दिया। मैंने सिर्फ अपनी बल्लेबाजी का लुत्फ उठाने की कोशिश की, चाहे मैं 10 या 40 गेंद पर बल्लेबाजी कर रहा हो।' रिंकू सिंह ने 14 गेंद में नाबाद 22 रन की पारी खेलकर मैच को फिनिश किया। उन्होंने कहा, 'लड़कों ने जिस तरह से अपना जज्बा बनाए रखा, वह देखकर बहुत अच्छा लगा। रिंकू के लिए यह एक स्वाभाविक परिस्थिति थी। उनके संयम ने मुझे भी सुकून दिया।

सूर्या ने ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान मुकेश कुमार के अंतिम ओवर का जिक्र किया, जिसमें सिर्फ पांच रन बने थे। बंगाल के इस तेज गेंदबाज ने कई यॉर्कर गेंदें फेंकी थीं। कप्तान ने मुकेश के बारे में कहा, 'यह बढ़िया गेंदबाजी थी। जिस तरह से तीनों तेज गेंदबाजों ने हमें 16 ओवर के बाद मैच में वापसी कराई, वह अविश्वसनीय उपलब्धि थी।' सूर्या ने स्वीकार किया कि ओस नहीं होने के कारण उन्हें लग रहा था कि लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।उन्होंने कहा, 'सोचा था कि थोड़ी ओस होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यह बड़ा मैदान नहीं है और मुझे पता था कि बल्लेबाजी आसान हो जाएगी। सोचा था कि वे 230-235 रन बना सकते हैं, लेकिन गेंदबाजों ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। एक वक्त भारत का स्कोर दो विकेट पर 22 रन था और लग रहा था कि टीम इंडिया मुश्किलों में है, लेकिन इसके बाद सूर्या और ईशान किशन ने शानदार साझेदारी की। उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए कई बार ऐसी परिस्थितियों का सामना किया है।

उन्होंने कहा, 'हम सिर्फ सकारात्मक रहना चाहते थे। बस आनंद लें और खुद को व्यक्त करें। मैंने किशन से एक बात कही कि बस बल्लेबाजी करते रहो, लक्ष्य के बारे में मत सोचो। 10 ओवर के बाद स्थिति जीत के लिए तैयार थी। आईपीएल में हर दूसरे दिन 60 गेंद में 100 रन बनते हैं। ईशान और सूर्या ने 112 रन की साझेदारी की। ईशान ने 39 गेंद में दो चौके और पांच छक्के की मदगद से 58 रन की पारी खेली। यशस्वी जायसवाल ने भी आठ गेंद में 21 रन की पारी खेली थी। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 208 रन बनाए थे। स्टीव स्मिथ ने 41 गेंद में आठ चौके की मदद से 52 रन की पारी खेली थी। वहीं, जोश इंग्लिस ने 50 गेंद में 11 चौके और आठ छक्के की मदद से 110 रन की पारी खेली थी।

भारत ने टी20 में सबसे ज्यादा बार 200+ रन का लक्ष्य चेज किया

विशाखापट्टनम , 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार को खेले गए पहले टी20 में दो विकेट से रोमांचक जीत हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 208 रन बनाए थे। जवाब में टीम इंडिया ने 19.5 ओवर में आठ विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। यह टीम इंडिया द्वारा टी20 में चेज किया गया सबसे बड़ा लक्ष्य है। इससे पहले भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2019 में हैदराबाद में 208 रन का लक्ष्य हासिल किया था। इस जीत के साथ भारत टी20 में सबसे ज्यादा बार 200 या इससे ज्यादा के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल करने वाला देश बन गया है। टीम इंडिया ने ऐसा पांच बार किया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने ऐसा चार और पाकिस्तान-ऑस्ट्रेलिया ने ऐसा तीन-तीन बार किया है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 में सिर्फ दो बार 200+ रन का टारगेट चेज हुआ है और दोनों बार भारत ने ही ऐसा किया है। इससे पहले 2013 में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ राजकोट में 202 रन का लक्ष्य हासिल किया था। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने छह बार 190 या इससे ज्यादा का स्कोर बनाया है और सभी छह मौकों पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को हार मिली है।

ईशान किशन ने मैच में 39 गेंद में दो चौके और पांच छक्के की मदद से 58 रन की पारी खेली। पांच छक्के किसी भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज द्वारा एक पारी में लगाए गए सबसे ज्यादा छक्के हैं। इस मामले में ईशान ने ऋषभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ा। पंत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ गयाना में अपनी 42 गेंद पर नाबाद 65 रन की पारी में चार छक्के लगाए थे। ईशान साथ ही भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज द्वारा टी20 में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर लगाने वाली लिस्ट में दूसरे स्थान पर आ गए हैं। केएल राहुल ने सबसे ज्यादा तीन बार ऐसा किया है (इसमें राहुल के वो आंकड़े नहीं हैं जिनमें उन्होंने विकेटकीपिंग नहीं की)। वहीं, महेंद्र सिंह धोनी, पंत और ईशान ने दो-दो बार 50+ का स्कोर किया है।

टी20 में भारत द्वारा सफलतापूर्वक उच्चतम लक्ष्य का पीछा किया गया

209 बनाम ऑस्ट्रेलिया, विशाखापत्तनम, 2023
208 बनाम वेस्टइंडीज, हैदराबाद, 2019
207 बनाम श्रीलंका, मोहाली, 2009
204 बनाम न्यूजीलैंड, ऑकलैंड, 2020
202 बनाम ऑस्ट्रेलिया, राजकोट, 2013

भारत के लिए नामित विकेटकीपरों द्वारा 50 से अधिक स्कोर (टी20 अंतरराष्ट्रीय में)

3- केएल राहुल
2- एमएस धोनी
2- ऋषभ पंत
2- ईशान किशन

नंबर 3 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक T20I छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

120 - ऑयन मॉर्गन (107 पारी)
106 - विराट कोहली (98 पारी)
105 - डेविड मिलर (98 पारी)
100- सूर्यकुमार यादव (47 पारी)
99- कीरोन पोलार्ड (83 पारी)

भारत के तीन बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़, रवि बिश्नोई और अर्शदीप सिंह रन आउट हुए। यह दूसरी बार है जब टीम इंडिया के तीन बल्लेबाज एक ही पारी में रन आउट हुए हों और यह सबसे ज्यादा बार भी है। 2015 में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ भी भारत के तीन बल्लेबाज रन आउट हुए थे। सूर्यकुमार यादव ने 42 गेंद में 80 रन की पारी खेली, जिसमें उन्होंने नौ चौके और चार छक्के लगाए। चार छक्के लगाने के साथ ही टी20 में उनके छक्कों की संख्या 108 हो गई है और वह दुनिया में 10वें नंबर पर पहुंच गए। हालांकि, नंबर तीन या इससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सूर्या के T20I में छक्कों की संख्या 100 हो गई है। ऐसा उन्होंने 47 पारियों में किया है। नंबर तीन या इससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के ऑयन मॉर्गन के नाम है। उन्होंने 107 पारियों में 120 छक्के लगाए थे।

राहुल गांधी के पनौती वाले बयान पर शमी की प्रतिक्रिया आई सामने, मार्श के ट्रॉफी पर पैर रखने पर कही यह बात

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। विश्व कप 2023 के फाइनल में भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस मैच को देखने के लिए कई हाईप्रोफाइल लोग अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहुंचे थे। खुद प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी यह मैच देखने स्टेडियम में मौजूद थे। टीम इंडिया की हार के बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक चुनाव रैली में पीएम के लिए पनौती शब्द का इस्तेमाल किया था। इस बयान पर जमकर बवाल हो रहा है। उनके इस बयान पर काफी बवाल हुआ और भाजपा नेताओं ने चुनाव आयोग से राहुल गांधी पर कार्रवाई की मांग भी की। अब इस मामले पर टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की प्रतिक्रिया सामने आई है। इसके अलावा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श द्वारा ट्रॉफी पर पैर रखकर बैठने पर भी प्रतिक्रिया दी है।

अमरोहा में पत्रकारों से बात करते हुए शमी ने कहा- विवाद वाले सवाल मेरी समझ में नहीं आते। बुनियादी चीजों पर ध्यान देना चाहिए। दो महीने तक टीम इंडिया ने कड़ी मेहनत की इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। पॉलिटिकल एजेंडा जो बीच में आप लोग लाते हैं, वह मुझे समझ नहीं आता। शमी ने पीएम मोदी से मुलाकात पर भी बात की। उन्होंने कहा- यह काफी महत्वपूर्ण है। जब प्रधानमंत्री आपको प्रोत्साहित करते हैं तो इससे आत्मविश्वास बढ़ता है। तब आपका मनोबल गिरा हुआ होता है और पीएम के बात करने से आत्मविश्वास बढ़ता है। यह कुछ अलग है।

क्यों हो रहा विवाद?

विश्व कप फाइनल में भारत की हार के बाद राहुल गांधी ने पीएम मोदी को इशारों में पनौती करार दिया। इसके बाद भाजपा ने 1982 में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की हार का जिक्र किया, जिसे देखने के लिए इंदिरा गांधी पहुंची थीं। भाजपा नेताओं ने चुनाव आयोग से राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ एक्शन लेने की भी मांग की। खरगे ने कहा था कि नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी जाति को आरक्षण मिला, जबकि भाजपा का कहना है कि उनकी जाति को आरक्षण 1999 में मिला था और वह 2001 में मुख्यमंत्री बने।

शमी ने मिचेल मार्श पर क्या कहा?

दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श की एक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें वह एक सोफे पर बैठे हुए दिखे थे और उनके पैर विश्व कप ट्रॉफी पर थे। इस फोटो पर खूब बवाल हुआ था और कई फैंस ने उन्हें ट्रॉफी का सम्मान करने को कहा था। अब इस पर शमी ने बयान दिया है। शमी ने कहा- मैं इससे आहत हूं। जिस ट्रॉफी के लिए पूरी दुनिया मैदान में भिड़ती है, जिस ट्रॉफी को आप अपने सिर पर रखना चाहते हैं, उस ट्रॉफी पर पैर रखना मुझे गुस्सा दिलाता है। शमी को शुरुआती कुछ मैचों में बेंच पर बैठना पड़ा था। हार्दिक पांड्या के चोटिल होने पर उन्हें मौका मिला था। इस पर शमी ने कहा- जब आप चार मैचों तक बेंच पर बैठते हो तो आप मानसिक रूप से मजबूत हो जाते हो। कभी कभी आप दबाव में आते हैं, लेकिन अगर टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही हो तो आपको उससे संतुष्टि मिलती है।

शमी ने कहा कि वह मैच से पहले पिच के व्यवहार को देखना पसंद नहीं करते। उन्होंने कहा- आमतौर पर गेंदबाज मैदान में पहुंचने पर पिच का व्यवहार देखते हैं। मैं कभी पिच के नजदीक नहीं जाता, क्योंकि आपको उस बारे में तभी पता चलेगा जब आप उस पर गेंदबाजी करेंगे। तो उससे पहले दबाव क्यों लेना। चीजों को सिंपल रखना आपके ऊपर है। आपको खुद को रिलैक्स रखना होता है, जिससे कि मैच में आप अच्छा प्रदर्शन कर सकें। शमी ने विश्व कप 2023 में कमाल का प्रदर्शन किया और सबसे ज्यादा 24 विकेट झटके। इसमें एक बार पारी में चार विकेट और तीन बार फाइव विकेट हॉल शामिल है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में शमी ने सात विकेट झटके थे।

गौतम गंभीर को इस बल्लेबाज के साथ साझेदारी करना पसंद था, नाम जानकर आपके पैरों तले जमीन खिसक जाएगी!

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर को दुनिया के बेहतरीन क्रिकेटरों में से एक माना जाता है। 12 साल के लंबे करियर में बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने भारत के लिए कई मैच विनिंग पारियां खेली हैं। इसके अलावा भी गंभीर खेल और अन्य क्रिकेटरों के बारे में बेबाक राय देने के लिए भी व्यापक रूप से जाने जाते हैं। हालांकि, हाल ही में एक इंटरव्यू में कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व कप्तान ने अपने पसंदीदा बल्लेबाजी साथी का खुलासा किया और यह कोई और नहीं बल्कि पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी हैं। इस जोड़ी ने कई बड़ी साझेदारियां की हैं, जिनमें से सबसे लोकप्रिय श्रीलंका के खिलाफ 2011 वनडे विश्व कप फाइनल की साझेदारी है।

गंभीर वीरेंद्र सहवाग के साथ ओपनिंग करने उतरते थे और दोनों के नाम कई रिकॉर्ड्स हैं। हालांकि, गंभीर को लगता है कि उन्होंने विकेटकीपर-बल्लेबाज एमएस धोनी के साथ एक बेहतर जोड़ी बनाई। उन्होंने कहा, 'मेरे पसंदीदा बल्लेबाजी जोड़ीदार महेंद्र सिंह धोनी थे। लोगों को लगता है कि वह वीरेंद्र सहवाग थे, लेकिन मुझे वास्तव में धोनी के साथ खेलना अधिक पसंद है, खासकर व्हाइट बॉल क्रिकेट के क्रिकेट में। हमने बड़ी साझेदारियां कीं।

गंभीर का बयान इसलिए चौंकाने वाला है क्योंकि उन्हें कई बार धोनी पर निशाना साधते हुए या उनकी कप्तानी पर निशाना साधते हुए देखा गया है। गंभीर 2011 विश्व कप के लिए धोनी को क्रेडिट दिए जाने के भी खिलाफ रहे हैं। गंभीर ने माही की आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स को भी कई बार खरी खोटी सुनाई है। आईपीएल के दौरान भी कई बार फैंस गंभीर को धोनी-धोनी नाम से चिढ़ाते हैं। हालांकि, गंभीर ने इस बयान से आलोचकों को जवाब दिया है।

इससे पहले गंभीर ने इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जाएंट्स के मेंटर का पद छोड़ दिया था और कोलकाता नाइट राइडर्स में फिर से शामिल हो गए हैं। वह केकेआर में बतौर मेंटर ही शामिल हुए हैं हेड कोच चंद्रकांत पंडित और कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर काम करेंगे। केकेआर के साथ उन्होंने कप्तान के रूप में दो खिताब (2012, 2014) जीते हैं। केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने बुधवार को इस फैसले की घोषणा करते हुए गंभीर को मेंटर की भूमिका सौंपी।

लखनऊ के मेंटर का पद छोड़ते हुए गंभीर भावुक हो गए थे। उन्होंने लिखा- लखनऊ सुपर जाएंट्स के साथ अपनी शानदार यात्रा के अंत की घोषणा करते हुए, मैं सभी खिलाड़ियों, कोचों, सहयोगी स्टाफ और इस यात्रा को यादगार बनाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के प्रति प्यार और अपार आभार से भरा हुआ हूं। मैं डॉ. संजीव गोयनका को इस उल्लेखनीय फ्रेंचाइजी को बनाने के दौरान उनके प्रेरणादायक नेतृत्व के लिए और मेरे सभी प्रयासों के लिए उनके जबरदस्त समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मुझे यकीन है कि टीम भविष्य में चमत्कार करेगी और हर एलएसजी प्रशंसक को गौरवान्वित करेगी। ऑल द बेस्ट एलएसजी ब्रिगेड!

गंभीर ने दो साल तक एलएसजी के मेंटर की भूमिका निभाई, जिससे उन्हें आईपीएल 2022 संस्करण में प्लेऑफ में पहुंचने में मदद मिली थी। 2023 के अभियान में एलएसजी लीग स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर रहा, लेकिन लगातार दूसरी बार फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सका। गंभीर और धोनी ने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 27 पारियों में 60.96 की औसत से 1524 रन की साझेदारियां कीं। इसमें चार शतकीय साझेदारियां और आठ अर्धशतकीय साझेदारियां हैं।

'नासा तैयार करता है रोनाल्डो का डाइट प्लान' पाकिस्तान के रमीज राजा का अजीबोगरीब बयान

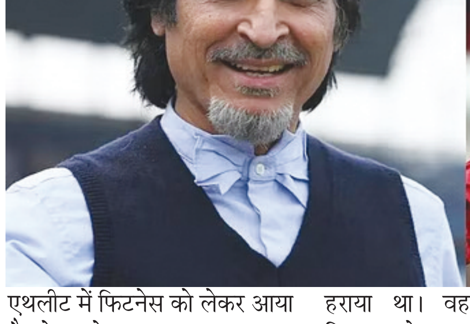

कराची, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष रमीज राजा ने चौंकाने वाला दावा किया है कि स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की डाइट प्लान नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई है। रोनाल्डो अपनी शानदार फिटनेस के लिए प्रसिद्ध हैं। यहां तक कि भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, जिन्होंने अपनी फिटनेस से क्रिकेटरों की एक पीढ़ी को भी प्रेरित किया है, उन्होंने भी स्टार फुटबॉलर की प्रशंसा की है। कोहली रोनाल्डो को अपना आदर्श मानते हैं और फिटनेस को लेकर उनसे प्रेरित हैं। 38 साल की उम्र में, रोनाल्डो वर्तमान पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ एथलीट और दुनिया के महानतम फुटबॉलर्स में से एक हैं।

हालांकि रोनाल्डो पर रमीज की टिप्पणी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। रमीज ने पाकिस्तान के एक न्यूज चैनल से कहा, 'रोनाल्डो का जो डाइट प्लान है वो नासा के वैज्ञानिकों ने सेट किया है।' रमीज का यह बयान एथलीट में फिटनेस को लेकर आया है। रोनाल्डो इस साल अब तक 46 गोल कर चुके हैं और इस दौरान उन्होंने 12 असिस्ट भी किए हैं यानी मौके बनाए हैं। वह मैनचेस्टर सिटी के एर्लिंग हालंद (48) और बायर्न म्यूनिख के हैरी केन (47) के बाद इस कैलेंडर वर्ष में तीसरे सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

यूरो कप 2024 क्वालिफायर्स में रोनाल्डो को स्टार्टिंग लाइन अप में रखा गया। पुर्तगाल ने पिछले हफ्ते यूरो 2024 क्वालीफायर में लिचेंस्टीन और आइसलैंड को हराया था। वह लिचेंस्टीन के खिलाफ गोल करने वाले खिलाड़ी भी रहे थे और आइसलैंड के खिलाफ रिकार्डो होर्टा के गोल की नींव रखी थी। पुर्तगाल ने दोनों मुकाबले 2-0 से जीते। पुर्तगाल अगले साल जर्मनी में होने वाले टूर्नामेंट के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुका था, लेकिन क्वालिफायर में शत प्रतिशत रिकॉर्ड बरकरार रखने के लिए उसे दोनों मैचों में जीत की जरूरत थी।

रोनाल्डो ने मैनेजर एरिक टेन हाग के साथ मतभेद के बाद मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़कर सऊदी अरब की टीम अल नस्र से जुड़ने का फैसला किया था। रोनाल्डो ने पियर्स मॉर्गन के साथ अपने इंटरव्यू के दौरान खराब व्यवहार के लिए टेन हैग को लताड़ा था।

वह अब तक 205 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 128 गोल दाग चुके हैं और सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में शीर्ष पर हैं। अर्जेंटीना के लियोनल मेसी 106 गोल के साथ तीसरे स्थान पर हैं। ईरान के पूर्व फुटबॉलर अली देई 108 गोल के साथ दूसरे नंबर पर हैं। भारत के सुनील छेत्री 93 गोल के साथ चौथे स्थान पर हैं।

प्रणय ने मैग्नस को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, सात्विक-चिराग भी अंतिम-8 में

शेनझेन, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी सात्विक साइराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी गुरुवार को चीन मास्टर्स में अपने-अपने वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणय ने डेनमार्क के मैग्नस योहानसेन को 21-12, 21-18 से हराया।

पुरुष एकल वर्ग में प्रणय अकेले भारतीय खिलाड़ी बचे हैं। आठवीं वरीयता प्राप्त प्रणय का सामना अब जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त कोडाइ नाराओका से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त चिराग और सात्विक ने भी जापान के अकिरा कोगा और ताइची सेइतो को 21-15, 21-16 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

अब उनका सामना इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन से होगा। प्रणय ने जापानी खिलाड़ी के खिलाफ अच्छी शुरुआत करके पहले गेम में 6-1 की बढ़त बना ली। डेन ने बाद में यह अंतर 8-6 का और 14-11 का कर दिया।

इसके बाद प्रणय ने अपने सारे अनुभव का इस्तेमाल करके पहला गेम जीता। दूसरे गेम में मुकाबला बराबरी का रहा और 15 अंक तक दोनों ने जबर्दस्त खेल दिखाया। एक समय पर 18-18 से स्कोर बराबर था लेकिन प्रणय ने आखिरी क्षणों में दबाव बनाकर जीत दर्ज की।

तेलंगाना रियल एस्टेट क्षेत्र में शानदार वृद्धि के लिए तैयार : केटीआर

रियल एस्टेट शिखर सम्मेलन में जुटी दिग्गज हस्तियां

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) हैदराबाद ने नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (एनएआरईडीसीओ), तेलंगाना बिल्डर्स फेडरेशन (टीबीएफ) और तेलंगाना डेवलपर्स एसोसिएशन (टीडीए) के साथ मिलकर रियल एस्टेट शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एचआईसीसी) नोवोटेल में शिखर सम्मेलन 2023 में मुख्य अतिथि नगर प्रशासन और शहरी विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, ई एंड सी, उद्योग, वाणिज्यम मंत्री तेलंगाना सरकार केटीआर ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने एक नई योजना की घोषणा की है जिसमें सरकार उन मध्यम वर्ग के लोगों द्वारा लिए जाने वाले गृह ऋण के ब्याज घटक को वहन करेगी जो 1200 वर्ग फुट से 1500 वर्ग फुट तक के अपार्टमेंट खरीदने के इच्छुक हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री के टी रामा राव द्वारा घोषित नई योजना पार्टी द्वारा सभी के लिए आवास पहल का एक घटक होगी। रामा राव ने शुक्रवार को यहां घोषणा की कि पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव नई योजना के लिए तौर-तरीकों पर काम कर रहे हैं, जिसे मौजूदा डबल बेडरूम आवास और गृह लक्ष्मी कार्यक्रमों के समानांतर लागू किया जाएगा। नई योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि "ब्याज छूट" मध्यम आय वर्ग के लोगों तक बढ़ाई जाएगी, जो 1200 वर्ग फुट से 1500 वर्ग फुट के फ़्लैट खरीदना चाहते हैं। उन्होंने रियल एस्टेट समिट 2023 में अपने संबोधन में कहा, अगर वे ऋण लेने में सक्षम हैं, तो ब्याज का हिस्सा सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने तेलंगाना के विकास, खासकर अगले 10 वर्षों के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा किया। आइए हम अच्छे से महान बनने की ओर चलें। 24 घंटे बिजली की तरह 24 घंटे पानी की आपूर्ति का लक्ष्य है। इसके अलावा, हैदराबाद मेट्रो रेल नेटवर्क को 10 वर्षों में तीन चरणों में 415 किलोमीटर तक विस्तारित किया जाएगा।'' रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि 150 किमी प्रति घंटे की गति वाली ट्रेनें हैदराबाद से विभिन्न टियर II शहरों तक संचालित की जाएंगी। उदाहरण के लिए, हैदराबाद और विजयवाड़ा के बीच 250 किमी की दूरी को आरआरटीएस में कम समय में कवर किया जा सकता है। यह दोनों तेलुगु राज्यों के लिए अच्छा संकेत होगा। उन्होंने बताया कि इससे विकास का विकेंद्रीकरण होगा और हैदराबाद में भीड़-भाड़ कम होगी। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने 500 एकड़ से 1000 एकड़ तक फैली सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने की अपनी योजना भी साझा की। सैटेलाइट टाउनशिप नीति के तहत, ये सैटेलाइट टाउनशिप स्कूलों, अस्पतालों, मॉल और अन्य सामाजिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित होंगी। इस अवसर पर बोलते हुए, क्रेडाई हैदराबाद के अध्यक्ष, वी. राजशेखर रेड्डी ने कहा, हम रियल एस्टेट शिखर सम्मेलन 2023 की मेजबानी करके खुश और प्रसन्न हैं। रियल एस्टेट सेक्टर देश की जीडीपी में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। यह क्षेत्र विकास, राजस्व सृजन और रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जो तेलंगाना राज्य की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण कारक हैं।

तेलंगाना के गठन के बाद से हैदराबाद रियल एस्टेट में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। तेलंगाना डेवलपर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री जी वी राव ने कहा, "रियल एस्टेट क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है।" इस अवसर पर वी. राजशेखर रेड्डी, अध्यक्ष, क्रेडाई हैदराबाद, बी.जगन्नाथ राव, महासचिव क्रेडाई हैदराबाद, एन जयदीप रेड्डी, अध्यक्ष-निर्वाचित क्रेडाई हैदराबाद, सुनील चंद्र रेड्डी, अध्यक्ष, नारेडको, विजय साई मेका, महासचिव, नारेडको, सी प्रभाकर राव अध्यक्ष तेलंगाना बिल्डर्स फेडरेशन, टी. नरसिम्हा राव, महासचिव, टीबीएफ, जी वी राव, अध्यक्ष-तेलंगाना डेवलपर्स एसोसिएशन, श्रीनिवास गौड़, महासचिव, टीडीए, आईपीसी के जेएलएल, सीबीआरई, कुशमैन और वेकफील्ड के प्रतिनिधियों के साथ-साथ क्रेडाई, नारेडको, टीडीए और टीबीएफ के प्रतिनिधियों और प्रमुख डेवलपर्स, हितधारकों और उद्योग के सदस्यों की उपस्थिति में शिखर सम्मेलन में उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने सिंगरेनी में आश्रितों की नौकरियां हटाईं : सीएम केसीआर

मंचेरियल, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सिंगरेनी कर्मचारियों के साथ बहुत अन्याय किया है और सिंगरेनी में आश्रित नौकरियों को हटा दिया है। शुक्रवार को मंचेरियल में प्रजा आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि तत्कालीन आंध्र प्रदेश में कांग्रेस सरकार ने आश्रित नौकरियों को हटा दिया था, लेकिन तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, बीआरएस सरकार ने उनकी नौकरियों को बहाल कर दिया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तत्कालीन आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य में कांग्रेस शासकों द्वारा ऋण का भुगतान न करने के कारण सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी केंद्र सरकार के पास चली गई, जिसकी कभी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। एससीसीएल में, केवल 51 प्रतिशत तक ही सीमित रहने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने कहा कि सिंगरेनी कोलियरी का इतिहास 134 साल पुराना है और इसकी शुरुआत निज़ाम शासकों के काल में हुई थी और हालांकि, तत्कालीन आंध्र प्रदेश में कांग्रेस शासकों ने केंद्र से ऋण लिया था और 30-40 वर्षों तक ऋण नहीं चुकाया था।

जिसके कारण सिंगरेनी में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खो गई। यह कहते हुए कि बीआरएस सरकार ने सिंगरेनी कर्मचारियों के कल्याण के लिए कई पहल की हैं, केसीआर ने कहा कि सिंगरेनी कोलियरीज में लगभग 15,000 लोगों को नौकरियां दी गईं। "इसके अलावा, सिंगरेनी श्रमिकों को दशहरा उत्सव के लिए बोनस और मुनाफे में हिस्सेदारी की पेशकश की जा रही है। हाल ही में, दशहरा बोनस के तहत 1,000 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं और प्रत्येक श्रमिक को 2.80 लाख रुपये मिले हैं। अतीत में, सिंगरेनी कोलियरीज सिर्फ 18 और 19 प्रतिशत मुनाफा देती थी, लेकिन आज बीआरएस सरकार ने 32 प्रतिशत हिस्सा दिया है।

अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने हैदराबाद में नई वीजा नीति लागू की

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत में अमेरिकी दूतावास ने वीजा नियुक्ति प्रणाली के भीतर धोखाधड़ी और दुरुपयोग को रोकने के उद्देश्य से एक नया नीति परिवर्तन पेश किया है। 27 नवंबर से हैदराबाद और अन्य शहरों में वाणिज्य दूतावास इस अद्यतन प्रक्रिया को लागू करेगा।

शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में, दूतावास ने घोषणा की, "सभी एफ, एम और जे छात्र वीज़ा आवेदकों को प्रोफ़ाइल बनाते समय और अपनी वीज़ा नियुक्ति निर्धारित करते समय अपनी पासपोर्ट जानकारी का उपयोग करना होगा।" बयान में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि प्रोफाइल बनाने या अपॉइंटमेंट बुक करने के लिए गलत पासपोर्ट विवरण का उपयोग करने वाले आवेदकों को वीज़ा एप्लिकेशन सेंटर (वीएसी) में अस्वीकृति का सामना करना पड़ेगा। परिणामस्वरूप, उनकी नियुक्तियाँ रद्द कर दी जाएंगी, जिससे वीज़ा शुल्क जब्त हो जाएगा। दूतावास ने आगे बताया कि जिन व्यक्तियों ने अनजाने में अपनी प्रोफ़ाइल या अपॉइंटमेंट बुकिंग में गलत पासपोर्ट जानकारी का उपयोग किया है, उनके पास इस मुद्दे को सुधारने का विकल्प है। वे या तो सटीक पासपोर्ट विवरण के साथ एक नई प्रोफ़ाइल तैयार कर सकते हैं या किसी नियुक्ति को पुनर्निर्धारित करने के लिए सही जानकारी वाली मौजूदा प्रोफ़ाइल तक पहुंच सकते हैं। हालाँकि, गलत पासपोर्ट जानकारी को समायोजित करने के लिए नए वीज़ा शुल्क रसीद के लिए भुगतान की आवश्यकता हो सकती है यदि पूर्व भुगतान गलत पासपोर्ट डेटा से जुड़ा हुआ था। इसके अलावा, पॉलिसी उन आवेदकों को भी समायोजित करती है जिन्होंने हाल ही में अपने पासपोर्ट का नवीनीकरण कराया है या अपने पुराने पासपोर्ट के खो जाने या चोरी हो जाने के बाद नए पासपोर्ट प्राप्त किए हैं। ऐसे व्यक्ति अपने पूर्व पासपोर्ट नंबर की एक फोटोकॉपी या अन्य साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते हैं, जिससे उन्हें अपनी निर्धारित नियुक्ति के साथ आगे बढ़ने की अनुमति मिल सके। अमेरिकी दूतावास ने इस बात पर प्रकाश डाला, जिन आवेदकों ने हाल ही में अपना पासपोर्ट नवीनीकृत किया है या पुराना पासपोर्ट खो जाने या चोरी हो जाने के बाद नया पासपोर्ट प्राप्त किया है, वे पुराने पासपोर्ट नंबर की एक फोटोकॉपी या अन्य सबूत ला सकते हैं, और उन्हें अपनी नियुक्ति के साथ आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी।

हैदराबाद जा रहे इंडिगो विमान की पाकिस्तान में आपात लैंडिंग, यात्री की मौत

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंडिगो एयरलाइंस की हैदराबाद जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ान में एक यात्री को चिकित्सीय आपातकाल का अनुभव होने के बाद पाकिस्तान के कराची में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। बुधवार देर रात की बताई गई घटना शुक्रवार को सामने आई। दूसरे देश में लैंडिंग का त्वरित समायोजन करने के बावजूद, यात्री बच नहीं सका और कराची पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इंडिगो एयरलाइंस ने एक आधिकारिक बयान में कहा, जेद्दा से हैदराबाद जाने वाली उड़ान 6ई 68 में एक मेडिकल इमरजेंसी थी। कैप्टन ने उड़ान को कराची की ओर मोड़ दिया, जहां पहुंचने पर एक डॉक्टर ने यात्री की देखभाल की। दुर्भाग्य से, यात्री जीवित नहीं बचा और आगमन पर उसे मृत घोषित कर दिया गया, इसमें कहा गया है और कहा गया है कि उड़ान सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद कराची से रवाना हुई और 0908 आईएसटी पर हैदराबाद में उतरी।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और एबीसीडी कोहोर्ट 2 लॉन्च किया

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक अभूतपूर्व पहल में, आईआईटी हैदराबाद (आईआईटीएच) में आईटीआईसी इनक्यूबेटर ने रक्षा-उन्मुख स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट (सीडीएम) हैदराबाद के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन पर आईआईटी हैदराबाद में रियर एडमिरल संजय दत्त, वीएसएम - कमांडेंट, सीडीएम और प्रोफेसर सूर्यकुमार, डीन आईटीएस, आईआईटीएच द्वारा हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिक तकनीकी स्टार्टअप को रक्षा-उन्मुख अनुप्रयोगों में बदलने की सुविधा प्रदान करना है। एबीसीडी का समूह 2 रक्षा अनुप्रयोगों के प्रति अपनी प्रौद्योगिकी को पुनः उन्मुख करने में स्टार्टअप का समर्थन करने की प्रतिबद्धता की निरंतरता है। 4 महीने का कार्यक्रम आशाजनक स्टार्टअप्स को आमंत्रित कर रहा है, जिनके पास सक्रिय और सेवानिवृत्त सशस्त्र बल कर्मियों सहित ज्ञान भागीदारों के साथ सहयोग करने का अनूठा अवसर होगा। ये सलाहकार स्टार्टअप्स के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि महत्वपूर्ण रक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी तकनीक को कैसे लागू किया जा सकता है। बूट कैंप के समापन पर, स्टार्टअप रक्षा खरीद और अनुदान के लिए आकर्षक प्रस्ताव तैयार करने में पारंगत हो जाएंगे, जिससे उन्हें रक्षा क्षेत्र में एक ठोस प्रभाव डालने के लिए सशक्त बनाया जा सकेगा। इस बूट कैंप का प्राथमिक लक्ष्य स्टार्टअप्स को अभ्यस्त बनाना, उन्हें रक्षा अनुप्रयोगों की खोज में मदद करना और रक्षा परियोजनाओं के लिए धन सुरक्षित करने में सहायता करना है। सहयोग पर, प्रोफेसर बीएस मूर्ति ने कहा, "आईटीआईसी इनक्यूबेटर, आईआईटी हैदराबाद के साथ इस सहयोग के माध्यम से, हम एक ऐसे क्षेत्र में कदम रख रहे हैं जहां तकनीकी नवाचार राष्ट्रीय जरूरतों के साथ जुड़ता है। रियर एडमिरल संजय दत्त, वीएसएम- कमांडेंट, सीडीएम ने कहा, "हम आईटीआईसी के साथ इस सहयोगी उद्यम को शुरू करने के लिए रोमांचित हैं।

सीपी ने स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रदीप को बधाई दी

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, रचाकोंडा डीएस चौहान ने स्वर्ण पदक जीतने वाले पी.प्रदीप कुमार को बधाई दी। वे सहायक लेखा अधिकारी, राचकोंडा आयुक्तालय में तैनात है। उन्होंने 17 से 19 नवंबर तक आयोजित विश्व पावर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप (ओपन श्रेणी 2023) में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। 2023 कजाकिस्तान के बिश्केक शहर में आयोजित प्रतियोगिता में 60-64 वर्ष आयु वर्ग में 82.5 वेट मास्टर्स में कुल 422.5 किलोग्राम वजन उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्वर्ण पदक जीता। ऑयुक्त डी.एस.चौहान ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे भविष्य में कई और पदक जीतेंगे।

निज़ामाबाद में 1,058 मतदाताओं ने 'घर से वोट' सुविधा का प्रयोग किया

निज़ामाबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव आयोग द्वारा विधानसभा चुनाव में 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं और 40 प्रतिशत से अधिक विकलांगता वाले मतदाताओं को घर से वोट देने की सुविधा प्रदान करने के मद्देनजर, गुरुवार को इस सुविधा के माध्यम से जिले के छह खंड में 1,058 मतदाताओं ने अपने वोट का प्रयोग किया।

जिला कलेक्टर राजीव गांधी हनुमंतु ने कहा कि 80 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों और 40 प्रतिशत से अधिक विकलांग व्यक्तियों सहित कुल 2,418 लोगों को घर से वोट देने की सुविधा का उपयोग करने के लिए पात्र के रूप में पहचाना गया है और वोट डालने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए विशेष मतदान टीमों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि घर से वोट देने के अधिकार का उपयोग करते समय मतदाताओं की पूर्ण गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं, उन्होंने कहा कि घर से वोट देने के कार्यक्रम का विवरण उम्मीदवारों को प्रदान किया गया है, और राजनीतिक दल के एजेंटों से भी पूछा गया है। अधिकारी दल-बल के साथ मतदाता के घर पर उपस्थित रहें।

घर में गुप्त डिब्बे और अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की जा रही हैं ताकि मतदाता के लिए पूरी गोपनीयता रहे। घर से मतदान की पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जा रही है।

हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग व पुलिस से बर्रेलक्का को सुरक्षा प्रदान करने को कहा

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने कोल्लापुर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे बर्रेलक्का उर्फ शिरिषा को सुरक्षा प्रदान करने के आदेश जारी किए। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव खत्म होने तक उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जाए। पीठ ने बर्रेलक्का की यह दलील स्वीकार कर ली कि उसने अपने लिए सुरक्षा की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उन्हें सुरक्षा मुहैया कराने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। इस संदर्भ में, पीठ ने कहा कि केवल मान्यता प्राप्त दलों के उम्मीदवारों को सुरक्षा देना पर्याप्त नहीं है और यह भी कहा कि सुरक्षा उन उम्मीदवारों को प्रदान की जानी चाहिए, जो अनुरोध करते हैं कि उनके जीवन को खतरा है। इससे यह स्पष्ट हो गया कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सुरक्षा के लिए चुनाव आयोग जिम्मेदार है।

इसमें कहा गया है कि तेलंगाना के डीजीपी और चुनाव आयोग को निर्णय लेना चाहिए और बर्रेलक्का को गनमैन के साथ सुरक्षा प्रदान करने का आदेश जारी करना चाहिए। बर्रेलक्का के नाम से मशहूर सिरिशा ने अपने लिए सुरक्षा की मांग करते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। याचिका 2+2 सुरक्षा की मांग को लेकर दायर की गई है। हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जाए।

सिरिषा हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। कुछ महीने पहले उनका भैंस पालने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। सरकार का नाम लिए बिना उनकी यह टिप्पणी कि पढ़ाई के बावजूद डिग्री हासिल करने के बावजूद उन्हें नौकरी नहीं मिल रही है, ने सभी को सोचने पर मजबूर कर दिया। नागरकुर्नूल जिले की रहने वाली वह सिर्फ एक वीडियो से मशहूर हो गईं। उनका कहना है कि तब से उन्हें कठिनाइयों और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अपने कई साक्षात्कारों में इसी चीज का सामना करना पड़ा है। एक गरीब परिवार में जन्मीं और नौकरी के लिए संघर्ष करने का दावा करने वाली बर्रेलक्का अपने तरीके से प्रचार और मतदाताओं को आकर्षित करने में आगे बढ़ रही हैं। कई लोग उनका समर्थन कर रहे हैं।

सनतनगर कांग्रेस उम्मीदवार के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी की मार्केट पुलिस ने शुक्रवार को सनतनगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार कोटा नीलिमा के खिलाफ कथित रूप से विरोध प्रदर्शन करने और सार्वजनिक उपद्रव करने तथा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का मामला दर्ज किया है। नीलिमा ने अपने समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ गुरुवार रात न्यू भोइगुडा में बीआरएस उम्मीदवार तलसानी श्रीनिवास यादव के चुनाव प्रचार फ्लेक्स बांधकर पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा को खंडित करने के खिलाफ मोंडा मार्केट में विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने कहा कि नीलिमा और आयोजकों के पास कोई पूर्व अनुमति नहीं थी और उन्होंने एमसीसी मानदंडों का उल्लंघन किया।

जोनालागड्डा स्नेहाजा बनीं हैदराबाद की नई क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 2016 बैच की भारतीय विदेश सेवा अधिकारी जोनालागड्डा स्नेहाजा ने शुक्रवार को नए क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी (आरपीओ) और कार्यालय प्रमुख, हैदराबाद के रूप में कार्यभार संभाला। स्नेहाजा हैदराबाद की रहने वाली हैं और एक चार्टर्ड अकाउंटेंट भी हैं। आरपीओ हैदराबाद के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, उन्होंने बीजिंग में भारतीय दूतावास में माध्यमिक सचिव के रूप में कार्य किया। दिल्ली में, उन्होंने बांग्लादेश और म्यांमार डिवीजन और विदेश मंत्रालय में सतर्कता प्रभाग में अवर सचिव के रूप में कार्य किया।

भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियरिंग और दूरसंचार संस्थान मनाएगा 66वां वार्षिक दिवस

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियरिंग और दूरसंचार संस्थान (आईआरआईएसईटी), तारनाका, सिकंदराबाद में स्थित, भारतीय रेलवे के आठ केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों में से एक है जो रेलवे सिग्नलिंग और दूरसंचार प्रणालियों पर प्रशिक्षण प्रदान करने में विशेषज्ञता रखता है। इरिसेट द्वारा दिया गया प्रशिक्षण रेलवे सिग्नलिंग और दूरसंचार इंजीनियरों को आकार देने में एक अद्वितीय भूमिका निभाता है। इस संस्थान की खासियत है - इसमें एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की सिग्नलिंग और दूरसंचार प्रणालियाँ कार्यशील स्थिति में उपलब्ध हैं। संस्थान 24 नवंबर, 2023 को अपने अस्तित्व के 66 वर्ष पूरे कर रहा है। संस्थान का वार्षिक दिवस 26 नवंबर, 2023 को आयोजित होने वाला है। प्रतिष्ठित व्यक्तित्व का मुख्य भाषण, शीर्ष प्रबंधन द्वारा संबोधन, मेधावी प्रशिक्षुओं को पुरस्कार वितरण और तकनीकी पत्रिका का विमोचन वार्षिक दिवस कार्यक्रम का हिस्सा होगा। समारोह में उपस्थित लोगों में संस्थान के संकाय और कर्मचारी, प्रशिक्षु, रेल मंत्रालय के गणमान्य व्यक्ति और उद्योग और क्षेत्रीय रेलवे और मीडिया के प्रतिनिधि शामिल थे। संस्थान नए रंगरूटों को यूपीएससी या आरआरबी चयन के माध्यम से प्रशिक्षित करता है। लगभग छह महीने तक चलने वाले प्रारंभिक प्रशिक्षण में रेलवे सिग्नलिंग, ट्रेन संचालन में सुरक्षा और प्रयोगशालाओं में व्यावहारिक प्रदर्शन के बुनियादी सिद्धांतों पर जोर दिया जाता है। भारतीय रेलवे प्रणाली में शामिल सिग्नल और दूरसंचार पर्यवेक्षकों को हर चार साल की अवधि में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम से गुजरना अनिवार्य है। पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रशिक्षण के दौरान, प्रौद्योगिकी में नवीनतम विकास और ट्रेन संचालन में सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा पर जोर दिया जाएगा। संस्थान उपलब्ध विभिन्न तकनीकों और प्रणालियों के संदर्भ में अनुकूलित सामग्री पर विशेष प्रशिक्षण भी आयोजित करता है। संस्थान के पास लगभग 500 छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए परिसर के भीतर अच्छी तरह से सुसज्जित कक्षाएँ और छात्रावास आवास हैं। संस्थान में आउटडोर सिग्नलिंग, ट्रेन डिटेक्शन, इलेक्ट्रिकल सिग्नलिंग, ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम, ब्लॉक सिग्नलिंग, टेलीफोनी, नेटवर्किंग इत्यादि जैसी विभिन्न धाराओं में 13 प्रयोगशालाएं आदि हैं। संस्थान में एक वर्ष में औसतन 5170 अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया जाता है। अपनी स्थापना के बाद से अब तक इरिसेट ने 1,07,671 रेलवे कर्मियों को प्रशिक्षित किया है। वर्ष 2022 में, कवच-भारतीय रेलवे स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणालियों पर अनुसंधान कार्य करने के लिए संस्थान में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना की गई थी।

दो महिलाएं टैंक में डूब गईं

मेदक, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को चेगुंटा मंडल के पोथनपल्ली गांव में अपने करीबी रिश्तेदार के 10वें दिन के समारोह में भाग लेने के बाद एक टैंक में नहाते समय दो महिलाएं डूब गईं। पीड़ित बर्रे रेनुका (40) और बर्रे ललिता (41) थे। चेगुंटा पुलिस के मुताबिक, रेणुका और ललिता के करीबी रिश्तेदार बर्रे दीपारानी की 10 दिन पहले मौत हो गई थी। गुरुवार को दसवीं की रस्म में शामिल होने के लिए दीपरानी के परिजन जुटे थे। बाद में, वे तालाब में नहाने गए, तभी फिसलकर तालाब में गिर गए। शवों को पानी से निकाल लिया गया है। एक ही दिन दो महिलाओं की मौत से गांव में मातम छा गया। एक मामला दर्ज किया गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.